He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 50] नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 12, 1981 (अग्रहायण 21, 1903)

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 12, 1981 (AGRAHAYANA 21, 1903)

इस भांग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अत्रग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ -- खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेत्रा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नद्दं विल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. ए-32012/1/81-प्रशा. -।। — संघ लोक सेवा आयोग की ममसंख्यक अधिभूचना दिनांक 25 अगस्त, 1981 के अन्- क्रम में अध्यक्ष, संघ लोक मेवा आयोग एतंद्वारा मंघ लोक सेवा आयोग के स्थायी वरिष्ठ अनुमंधान अधिकारी श्री के. आर. पी. नायर को 19-11-81 से 18-2-82 तक की अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (भाषाए) के पद पर त्यर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए निय्क्त करते हैं।

पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नइ दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवस्बर 1981

सं. ए-12024/2/80-प्रका - । -- इस कार्यालय की सम-मंक्यक अधिसूचना दिनांक 9-9-1981 के अनुक्रम में आई आर. एस. (सी. एण्ड सी. ई-1970) के अधिकारी श्रीमती प्रेम बी. पी. सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-1981 में आगामी आदोशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर सहर्प नियुक्त किया जाता है। दिनांक 18 सितम्बर 1981

सं. ए-19013/2/81-प्रशा.-।—श्वी आर. नटराजन, आई. ए. एण्ड ए. एस. को राष्ट्रपति द्वारा 16 सितम्बर, 1981 पूर्वाह्न में आगामी आदोशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप मचिव के रूप में सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

यः राः **गांधी** अवर सचिव (प्रशाः) संघ लोक सेवा आयोग्

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नर्ड दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1981

मं. 2 के. आर. सी. टी. 15— केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री स्जीत बैनजीं, आर्हे. ए. एम. (यू. पी.~ 1972) को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 12 अक्तूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदोश तक स्थानापन्न रूप से उप-सचिव नियुक्त करते हैं।

मं. 2 के. आर. सी. टी. 15—केन्द्रीय सतर्काता आयुक्त एतद्द्वारा श्री एम. के. जत्शी, आर्ड. आर. एस. (सी. एवं सी. ई. -1966) को केन्द्रीय सतर्काता आयोग में दिनांक 14

(13655)

1-366GI/81

अक्तूबर, 1981 (अपराहन) से अगले आदोश तक स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच आयक्त नियक्त करते हो।

कृष्ण लाल मल्होत्रा अवर सचिय कृप्ते केन्द्रीय सतर्काता आयुक्त

गृह मंत्रालय प्रशासनिक संधार विश

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नक्ष विल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1981

- सं ए-19027/3/81-प्रशा -5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से श्री एस के. दास गुप्ता, करिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) को दिनांक 20-10-1981 में दिनांक 31-12-1981 तक अधवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए केन्द्रीय न्याय-देशक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरों में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) के रूप में नियुक्त करते हैं।
- मं. ए-19035/3/81-प्रशा.-5—निविश्वक, केन्द्रीय अर्च-षण ब्यूरो एवं पृतिसं महानिरीक्षण, विशेष पृतिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री आर. पी. अरांडा, कार्यालय अधीक्षक विधि प्रभाग जो दिनांक 2-11-1981 से 45 दिन की अर्जित छुट्टी पर चले गए हों, की छुट्टी रिक्ति में श्री टी. स्दर्शन राव, अपराध महायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय को दिनांक 2-11-1981 से दिनांक 16-12-1981 तक 45 दिन की अधिथ के लिए पूर्णत: तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हों।

की ला ग्रोवर प्रमासनिक अधिकारी (स्था) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदोशालय केन्द्रीय रिजर्व पृक्तिस बल नर्द विल्ली-110022, दिनांक 21 नवस्बर 1981

- मं ओ-दो-1593/81-स्थापना—-राष्ट्रपति, श्री एन बी भट, कर्णाटक संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनिय्कित पर उप महा-निरीक्षक के एवं पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री फट ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरक्षिक, इम्फाल (मनिपुर) के पद का कार्यभार दि. 10 त्वम्बर, 1981 के पूर्वाहन में सम्भाला है।
- सं. ओ. दो. 1609/81-स्थापना—महानिद्देशक केन्द्रीय रिजर्व पृत्तिस बल ने डाक्टर (कुमारी) जी. चेल्लाक न्तृ को 2-11-1981 के पूर्वाहन से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित निय्वित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पृत्तिस बल में किनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के एद पर तदर्थ रूप में निय्वत किया है।
- मं. ओ. दो. 1610/81-स्थापना—-राष्ट्रपति जी, डाक्टर एम. सी. भास्कर को अस्थाई रूप से आगामी आवेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पृलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-।। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 5-11-1981 के पूर्वाहन में डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियक्त करते हों।
- मं. ओं. दो. 1611/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी डाक्टर ई. जी. गोपीकृष्ण को अस्थाई रूप से आगामी आदोश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पृलिस बल मं जी. डी. ओ. ग्रेड-।। (डी. एस. पी./कस्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 9-11-1981

के पूर्वाहन में डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियक्त करते हैं।

> ए. की. सूरी सहायक निद्येशक (स्थापना)

ारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 नवम्बर 1981

- सं. 10/28/81-प्रशा 1 राष्ट्रपति, नर्ष दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में महायक महापंजीकार (मान-चित्र) के एवं पर कार्यरत डा. बी. के. राय को उसी कार्यालय में तारील 26 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न में एक वर्ष की अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार एर भरा जाए, जो भी अविध कम हो, पद्मोल्ति द्वारा, पूर्णतः अस्थार्ष और तद्य आधार पर उप महापंजीकार (मानचित्र) के पद पर महर्ष नियक्त करते हैं।
 - डा. राय का मुख्यालय नर्झ दिल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तद्दर्थ नियुक्ति डा. राय को उप-महा-पंजीकार (मानचित्र) के पद पर नियमित नियक्ति के लिए काई हक प्रदान नहीं करोगी। तद्दर्थ तौर पर सम्बन्धित एद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में बरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्ति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तद्दर्थ नियक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवंक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताएं रद्द की जा सकती हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1981

- मं. 11/26/81-प्रशाः -।—-राष्ट्रपति, जनगणना कार्यं निद्देशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ में सहायक निद्देशक जनगणना कार्यं (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री जे. आर. विशष्ट को उसी कार्यालय में तारील 19-10-81 के पूर्वाहन से एक वर्ष में अनिधिक अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप निद्देशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।
- 2. राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निवेशालय हरियाणा, चण्डी-गढ़ में अन्त्रेषक के पद पर कार्यरत श्री जे. एन. सूरी को भी उमी कार्यालय में तारील 19 अक्तूबर, 1981 के पूर्वहन से श्री जे. आर. विशष्ठ के स्थान पर एक वर्ष में अनिधक अविध के लिए या जब तक पद नियश्ति आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णत: अस्थाई रूप में तवर्थ आधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियक्त करते हैं।
- 3. उपरोक्त पवों पर तदर्थ नियंक्ति सम्बन्धित अधिकारि को सम्बन्धित पदों पर नियमित नियंक्ति के लिए कोई हक प्रवान नहीं करोगी। तदर्थ तौर पर सम्बन्धित पदों पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्तित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियंक्तियों को नियंक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताएं रदद किया जा सकता है।
 - 4. सर्वश्री विशिष्ठ और सरी का मख्यालय चंडीगढ में होगा।
- मं. 11/38/81-प्रशा: -! राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदंशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल में अन्येषक के पद पर कार्यरत श्री एम. जी. मोहरिल को उसी कार्यालय में नारीख 22 अक्तू-बर, 1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अनिधक अविध के लिए जब तक पव नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध कम

हो, पदान्नति द्वारा, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निद्दाक, जनगणना कार्य (तक्रनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते ही।

- 2. श्री मोहरिल का मस्यालय भोपाल में होंगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री मोहरिल को सहायक निद्रांशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करोगी। तदर्थ तौर पर सम्बन्धित पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रंड में विरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नीत के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त एद पर तद्र्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रदद की जा सकती है।

दिनांक 21 नवम्बर 1981

मं. 11/42/80-प्रशा -।—इस कार्यालय की तारीख 30 जून, 1980 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र-पित, गृह मंत्रालय के के. स. आ. में. ग्रेड ''ए'' के अधिकारी श्री प्रेम नरायणी को जनगणना कार्य निद्शालय महाराष्ट्र, बंबंड में तारीख 30 जून, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा, तदर्थ आधार पर, सहा-यक निद्शेक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नरायणी का मुख्यालय बम्बई में होगा।

सं. 11/74/80-प्रशा - 1 - - - राष्ट्रपति, करेल सिविल सेवा के सेवा निवृत अधिकारी और करेल, त्रिवेन्द्रम में जन-गणना कार्य निदंशालय में पुनर्नियोजन पर उप निदंशक जन-गणना कार्य के एद पर कार्यर्रत श्री पी. गोपाल कृष्णन नायर की संवाएं तारीख 30 सितम्बर, 1981 के अपराहन से समाप्त करसे हैं।

पी. पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

विस्त मंत्रालय आर्थिक कार्यविभाग

नासिक रोड, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 177-अ/4—महाप्रबंधक चलार्थ पत्र मृद्रणालय नासिक रोड एतद्द्वारा श्री व्ही. एन. झाडबुके निरीक्षक निर्मण चलार्थ पत्र मृद्रणालय को उप नियंत्रक अधिकारी पद पर चलार्थ पत्र मृद्रणालय में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर 2 नवस्बर 1981 (पूर्वाह्न) से 4-12-81 तक निय्क्त करते हैं

स्. द. इडग्ंजी महा प्रबंधक चलार्थ पत्र मृद्रणालय भरतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय-I, ग्रान्ध्र प्रदेश हैंदराबाद-500476, दिनाक 20 नथम्बर

सं० प्रणा०1/8-132/81-82/348—महालेखाकार, ग्रान्ध्र-प्रदेण, हैंदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों को महालेखाकार, ग्रान्ध्रप्रदेश, हैंदराबाद हारा वेतनमान २० 840-40-1000 इ० बि० -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर उनके नाम के श्रागे बताई गई तारीख से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिये जाए नियुक्त किये जाते हैं:—

भारग्रहण की तारीख
22-10-81 पूर्वाह्न
बाह्य सेवा पर चक्का
हाइडल प्रोजे श ्ट, भूटान ।
22-10-81 भ्रपराह्न
22-10-81 पूर्वाह्र

यह पदोक्षति जनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा श्रान्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/ उच्चतम न्यायालय में अनिर्णित पड़े याचिकाश्रों के श्रधीन है। रा० हरिहरन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नर्इ दिल्ली-110022, दिनांक 18 नवम्बर 1981

मं. प्रशा. /1/1799/5/जिल्द-। — श्री एस. एस राषकन, आईं. डी. ए. एस. व्वारा दिनांक 15-4-82 को 58 वर्ष की आय् (उनकी जन्म-तिथि 15-4-1924 होने के कारण) प्राप्त कर लेने पर उन्हें दिनांक 30-4-1982 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तिरित कर दिया जायेगा और तदन्सार वे मौलिक नियमावली के नियम 56(0.) की शतीं के अनुसार दिनांक 30-4-1982 (अपराह्न) में रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहाँगे।

आर. के. **माथूर** रक्षा लेखा अपर महा नियमक (प्रकासन)

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं० प्रशा०-II/2606/81-1--वार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर ठेने पर निम्निलिखित लेखा श्रीक्षकारियों की प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख के श्रपराह्न से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जायेगा:---

—- ऋं० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित		तारीख जिससे पेंजन स्थापना को ग्रन्तरित किया गया	संगठन
1_	. 2	3	4	5
1.	सर्वश्री ए० वी० मुन्देरश्वरन, पी०/160	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-7-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, ुपुणे।

		
1 . 2	3	4 5
 सर्वेश्री		
2. वी० ग्रार० राधाकृष्णन ग्रो०/264	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31 – 7 – 1981 रक्षालेखानियंत्रक, दक्षिणीकमान, पुणे।
3. डी० एस० गोकले, श्रो०/213	—यथोपरि—	31-7-1981 —-यथापीर—
4. एम० के० दबीर, पी०/176	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रफसर) पूना ।
, 5. पी० रंग राजन, पी०/54	—-यथोपरि—-	31-7-1981 — यथोपरि—
 रघुबीर सिह, श्रो०/श्रभी भ्राबंटित नहीं 	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31−7−1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
7. कृष्ण लाल नागपाल, पी०/83	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-7-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।
8. जय प्रकाण, स्रो०/भ्रभी श्राबंटित नहीं	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-7-1981यथोपरि
9. ग णेश दास सेठी, पी०/277	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31−7−1981 रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ।
10. किशोरी लाल जैन, पी०/181	यथोपरि	31-7-1981यथोपरि
11. गरूबचन सिंह जोहर, पी०/545	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-1981 रक्षा लेखा संयुक्त-नियंत्रक (निधि) मेरठ।
12. श्रजित कुमार राय, ग्रो०/145	स्थानापन्न लेखा भ्रधिकारी	31-7-1981 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकसा ।
13. एम० कन्द स्वामी, पी०/369	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31⊶7—1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मंद्रास ।
14. श्रमर सिंह, पी०/249	—-यथोपरि- .	31-7-1981 रक्षा लेखा नित्नंक (पेंसन) इलाहाबाद ।
15. ए० कें ० बनर्जी, पी०/250	यथोपरि	31-7-1981 — यथोपरि—
16. जगदीशं राय खन्ना, पी०/290	यथोपरि	30-9-1981 —यथोपरि—
17. टी० ग्रार० नरसिम्हन, पी०/15	—-यथोपरि 	31−8−1981 रक्षा छेखा नियंत्रक,दक्षिणी कमान,पुणे।
18. बी० एस० कुलकर्णी, ग्रो०/47	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	3 1-8-1 9 8 1यथोपरि
19. डी० डी० कवि,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-8-1981 रक्षा छेखा नियंत्रक (ग्रफसर) पुणे ।
पी०/309 20. बी० मुब्रह्मनियन	—यथोपरि	31-8-1981 —यथोपरि
पी०/370 21. बी० एस० कोहली,	-—यथोपरि-—	31-8-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून।
पी०/214 22. पूरण राम प्रकाश,	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-8-1981 - - यथोपरि - -
म्रो०/410 		

1	2	3	4	5
23.	ए० एस० नागराजन, स्रो०/41	स्थानापन्न लखा ग्रधिकारी	31-8-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास
2 4 .	सी० वैंक्टा सुब्बैया, पी०/50	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-8-1981	यथोपरि
25.	ए० ए० के० गौरी, स्रो <i>्</i> ग्रभी स्राबंटित नही ।	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-8-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ छावनी
26.	राम नाथ, पी०/210	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-8-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (नी सेना) बम्बई ।
27.	वी० पी० मुर्तेकर पी०/380	यथोपरि 	31-8-1981	यथोपरि
28.	एम० सी० कमलपुरकर, पी०/175	यथोपरि 	30-9-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
29.	डी॰ रामा पति, पी॰/90	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-1981	रक्षा लेखो नियंत्रक दक्षिण कमान, पुणे
30.	एम० जी० दातार, श्रो०/सभी श्राबंटित नहीं ।	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-9-1981	रक्षा लेखानियंत्रक (ग्रफसर) पूना।
31.	पी० जी० वेशमुख, पी०/195	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-1981	—यथोर्पार—
32.	धर्म लाल भाटिया, पी०/235	—–यथोपरि - —	30-9-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
33.	वी० एस० वैद्य, पी०/470	यथोपरि	30-9-1981	—-यथोपरि—
34.	, बीरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती, पी०/162	—यथोपरि—	30-9-1981	यथोपरि

रक्षा लेखा महा नियंत्रक खेद के साथ निम्नलिखित लेखा श्रधिकारी की मृत्यु ग्रधिसूचित करने हैं:---

ऋं० सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	. ग्रेड	मृत्युकी तारीख	विभागके संख्याबल से हटानेकी तारीख	संगठन
1	2	3 .	4	5	6
L	ो एस० के० चक्रवर्ती, गि०/220	स्थायी लेखा श्रधिकारी	25-5-81	26-5-81 (पूर्वाह्न)	लेखा नियंत्रक (फैंक्ट्रीज)कलकत्ता

ए० के० घोष, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (परियोजना)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरिया सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनाक 18 नवम्बर 1981

सं. 43/81/जी.—-वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री वी. आर्ष्ट. बालाकृष्णन् स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक मीलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनाक 31-7-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> थी के महता सहायक महानिद्याक आर्डनैन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 5 दिसम्बर 1981 .

मं. 23/3/81-सी. पी. आई. — अक्तूबर, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का असिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1981 के स्तर से 4 अंक बढ़ कर 460 (चार सौ साठ) रहा। अक्तूबर, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1960=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 559 (पांच सौ उन्नसंठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निदश्क

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियीत का कार्यालय न**र्इ दिल्ली, दिनांक** 21 नवम्बर 1981 आयास तथा नियीत व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं 6/1014/73-प्रशा राज /6326—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री जे. पी. रुम्तगी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा कं अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी और मृष्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नर्ष दिल्ली के कार्यालय मे नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 अक्तूबर, 1981 के दोपहर बाद सं सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

> ए. एन. कील उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय मार्किंग विनियमन

बम्बई-20, विनाक 23 नवम्बर 1981

सं. 5(2)/81-सी. एल. बी.-।।—कृतिम रोशम वस्त्र (उत्पावन तथा वितरण) नियंत्रण आदोश, 1962, को लण्ड 9 को साथ पढ़ो जाने वाले खण्ड 4 (2) मों प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करतो हुए में एत्द्व्वारा निदिष्ट कण्ता हुं कि जनवरी, 1982 को पहले विन से नीचे विहित प्वधित के अनुसार कृतिम रोशम को सूत तथा वस्त्र को उत्पादकों व्यारा निम्नोक्त मार्किंग किए आयोंगे:—

एक :—–यह अधिसूचना, निम्नोक्स को छोड़कर कृत्रिम रोगम के बस्त्रों की सभी श्रोणियों पर लागृ होगी :——

- (अ) हैं क, काप, कोन, चीज, बीम तथा बंडल को रूप में कृत्रिम रोशम के सूत के पैकेंज जो बजन में 500 ग्राम से ज्यादा नहीं हैं।
- (आ) कृतिम रोशम के वस्त्र जिनकी लम्बाई 50 सें मी. संज्यादा नहीं है।
- (इ) उत्पादक द्वारा सीधे केन्द्रीय सरकार को बेचे गए कृत्रिम रोगम का सुत या कृत्रिम रोगम के वस्त्र।
- (इर्ष) भारत के बाहर निर्यातित कृत्रिम रोक्षम का सूत या कृत्रिम रोक्षम के वस्त्र।
- (उ) हाथ से कता हुआ कृत्रिम रेशम का स्त।
- (क) हस्तकरघो पर उत्पादित कृत्रिम रोशम के वस्त्र।
- (ए) विधियन के लिए विधियक को बेचा हुआ कृत्रिम रोगम का वस्त्र।
- (ए) टेप, रोप तेथा निकाड़ ।
- (दो):—500 ग्राम से ज्यादा है क, काप, कोन, चीज या बंडल के रूप में कृत्रिम रंशम के सूत के हर पैकेण पर ठीक तरह से चिपकाए हुए कागजी लेबलों पर निम्नोक्त मार्किन किए जायों गें।
 - (1) कृत्रिम रोगम का सूत (कता हुआ)
 - (अ) उत्पादक का नाम तथा पता।
 - (आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।

- (इ) पैकेज में कृत्रिम रत्यम के सूत का किलोग्राम में शुद्ध भार।
- (ई) स्त का नम्बर (अंग्रेजी काउनंट)।
- (उ) ''ली बृक्तिंग स्ट्रेन्थ'' इन शब्दों को बाद पाउन्ड में मजबूती(स्ट्रेन्थ) दर्शात हुन्ये अंक।
- (क) कते हुए सूत की बशा में , ''कृत्रिम रोशम का कता हुआ सूत'' ये शब्द और उसके बाद सूत के कृत भार के अन्सार विभिन्न तरह के रोशों का भार प्रतिशत में जैसा कि नीचे लिखे उदाहरण में दिया हैं:---
 - (एक) कृतिम रोशम का कता हुआ सूर पालिएस्टर — 100%
 - (दां) संसिश्च सूत की दशा में, शब्द, ''संमिश्च कृतिम रशम का कता ह्या सूत'' और उसके बाद उसका प्रजाति नाम और सही प्रतिशत घटते हुए कम में, उदाहरणार्थ ''संमिश्च कृतिम रशम का कता हुआ भूत''

पालिगस्टर -- 40% पालिगासिक -- 38% विस्कोज -- 22%

(2) कृतिम रोशम को सूत (फिलामेंट)

- (अ) उत्पादक का नाम तथा पता।
- ั(आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।
- (इ) पैकेंज में कृत्रिम रोभम के सूत का शूव्ध भार किलो-ग्राम में।
- (ई) ''फिलामेंट सूत'' ये शब्द तथा ''पालिएस्टर'', ''विस्कोज'' ''पालिनासिक'', ''नाइलान'', या ''एकायलिक'' जैसे प्रजाति नामों के साथ सूत का डॉनियर फिलामेंट की संस्था तथा प्रति मीटर् ट्वस्ट् की संस्था उदाहरणार्थ ''पालिएस्टर फिलामेंट यार्न 40/12/600''।
- (उ) शब्द ''टोनिसटी'' के आगे ग्राम में प्रति डॉनियर टोनिसटी अंको में।

सूचना:— कोनपर सूत की वशा में मार्किंग का लेबिल कोन के भीतर चिपकाया जाएगा तथा बीमपर सूत की दशा में विहित मार्किंग का लेबिल मजबूती से बीम से बांधा जाएगा।

(3) कृतिम रोगम के वस्त्र

कृतिम रोशम के वस्त्र अगर प्लोट के रूप में पैक हुए हो तो हर टाुकड़ के फस—प्लोट पर तथा रोल के रूप में पैक हुए हों तब ट्कड़े के सामने के किनारे पर, निम्नोक्त मार्किंग किए जाएंगा। अगर मार्किंग वाला भाग ग्राहक को अन्त में नहीं बेचा जाता हो तो उक्त मार्किंग कृतिम रोशम के कपड़े के ट्कड़े के दोनों किनारों पर किये जायेंगे।

- (अ) उत्पादक का नाम तथा पता।
- (आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।
- (इ) सामान्य रूप से परिचित नाम उदाहरणार्थ ''साड़ी'' ''शटिंग'', या ''सूटिग'' इत्यावि।

- (इं) मीटर में लम्बाई तथा से. मी. मे जौड़ाई।
- (उ) ''से बना ह्या'' इन शब्दों के साथ ''कता ह्या× कता ह्या'' ''फिलामें'ट×फिलामें'ट'' या ''कता ह्या×फिलामेंट सूत'' जैसा भी हो शब्द होंगे।
- (ऊ) कृत्रिम र शम के वस्त्र के दोनों ताना तथा बाना के कल सूत में प्रत्येक जातीय घटकों के वजनों के प्रतिशत के रूप में ठीक मिश्रण जैसे नीचे दर्शाया गया है: ----
 - पोलिएस्टर---100% ।
 - (2) संमिश्र वस्त्रों की दशा में शब्द, ''संमिश्र कृतिम रोशम के वस्त्र'' और उसके बाद प्रत्येक घटक का प्रजाति नाम और उसका मही प्रतिशत घटते हुए क्रम मो, उदाहरणार्थ।

''समिश्र कृत्रिम रकम के वस्त्र''

पोलिस्टर---40 [%]

पोलिनोमिक---38%

विस्केज---22¹⁶

- 4. (1) माकिंग के होत् सिर्फ प्रजाति नाम उदाहरणार्थ पोलिएस्टर विस्कोज, नायलान, पोलिप्रोपिलिन, एकायलिक, इत्यादि जैसा भी हो का मार्किंग जैसा उपरोक्त पैरा दो (1) (उत), वो (2) (ई) तथा तीन (उत) में उदाहरण वर्शाया गया है के अनुसार होगा। सेल्युलोजिक, पोलीअमाई इ, पोली क्लेफाई न, पोलीय्रेप्स, डोकान इत्यादि किसी अन्य शब्द का उपयोग नहीं होगा। उक्त पैराग्राफों में उल्लिखित के अलावा कोई भी सुकाब वर्शानेवाला या सूचनात्मक मिश्रण के प्रतिशत का मार्किंग नहीं किया आएगा।
- (2) उपरोक्स पैरा दो और तीन में निर्विष्ट लम्बाई, चौडाई काउनंट/डोनियर या वजन आदि का प्रत्येक मार्किंग, ट्रेड़ और मर्चन्डाईज मार्क अक्ट, 1958 (1958 का 43) समय-समय पर संशोधित की धारा 95 के अंतर्गत जारी की गई अधिमूचना में दी गई संबंधित परिवर्तनों की सीमाओं से बाध्य होगी।
- (5) मार्किंग, अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में या हिन्दी में दोव-नागरी लिपि मो तथा प्रयोग की गई संख्याएं आंतर्राष्ट्रिय अंकीं मों की जार्रगी तथा अक्षर और आंकड़े कृत्रिम रोग्नम के सूत की दशा मों आधे संस्टी-मीटर, तथा कृत्रिम रोग्नम के वस्त्र की दशा में एक से. मी. से कम उत्तेच नहीं होंगे।

मुरेश कामार, अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(अवियोगिक विकास विभाग)

विकास आय्क्त (लघ उद्योग का कार्यालयैं)

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर 1981

मं. ए-19018/528/81-प्रघा. (राज)---राष्ट्रपतिजी, श्री आनन्द कर्मार को विनांक 17 सितम्बर, 1981 (पूर्वाहन) म अगले आवंशिं तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता मी सहायक निदंशक, ग्रेड-। (वंद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी. सी. राय उप निद्यात (प्रशासन)

पुर्ति विभाग

पर्ति तथा निपटान महानिद्येशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नर्क दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

मं. ए-17011/187/81-प्र.6---महानिवंशक, पूर्ति तथा निपटान ने स्थायी भंडार परीक्षक (एस्मेड्रंग) तथा निदेशक पूर्ति तथा निपटान, अम्बर्ड के कार्यालय में स्थानापन्न किनष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री जे. पी. शर्मा को दिनांक 15-9-1981 के पूर्वाहन में तथा आगामी आदेशों तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के अन्तर्गत उप निरीक्षण निदेशक भिलार्ड के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में नियुक्त किया है।

एल . एल . कपूर उप निदोशक (प्रशासन) कृते महानिदोशक , पूर्ति तथा निप्हान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नर्क दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

मं. प्र. 1/1(737)—-राष्ट्रपति निम्निलिखित सहायक निद्येषकों (पूर्ति) (ग्रेड-।।) को विनांक 3-11-1981 के पूर्वाह्न में छ माम की अवधि अथवा मंघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामिति अधिकारियों के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो (भारतीय पूर्ति मेवा ग्रूप ''ए'' के ग्रेड ।।।) में तवर्थ आधार पर म्थानापन्स महायक निद्येशक (ग्रेड ।) के रूप में नियुक्त करते हैं।

- 1. श्रीएम. मी. शर्मा
- 2. श्री मनमोहन पाल सिंह
- 3. श्रीएम.के बन्ध्
- 4. श्री डी. के. त्यागी
- 5. श्रीडी. एस. एन**. म्थी**
- 6. श्रीक्यू सी. रस्तोगी

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निव शक पूर्ति (ग्रेड-।।) का प्रभार छोड़ दिया और दिनांक 3-11-81 (पूर्वाह्न) में पूर्ति तथा निपटान महानिद शालय में सहायक निद शक ग्रेड-। के पर का पर भार ग्रहण कर लिया।

मोहन लाल कपुर, उप निदंशक (प्रशासन)

(प्रणासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवस्बर 1981

मं० ए०-31013/4/79-प्र०-6-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित ग्रिध-कारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-III की धातु-रसायन णाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन शाखा) के रूप में स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

क्रं० सं०	** *	वर्तमान पद	स्थायी होने की तारीख	भ्रभ्युक्तियां
	सर्वश्री			
1.	वी० बी० खन्ना	सहायक निदे० निरीक्षण (धातु- रसायन) उ० नि० म०, नई दिल्ली	1-4-1973	श्री बी० बी० बनर्जी के स्थान पर जो उप निदेशक निरीक्षण (धातु-रमायंन) के रूप में स्थायी हुए।
2.	एच० प्रनन्तपद्भनाभुल्	उप निदेशक (धातु-रसायन) जमणेदपुर जो 31–7–80 (ध्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हुए	5-2-1979	श्री एम० एन० दत्ता गृप्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर ।
3.	एम० पी० चौधरी	उप निदेशक निरीक्षण (धातु- रसायन) बर्नपुर	10-6-1979	श्री के० एल० मूर्ति (सेवा निवृत्त) के स्थान पर
				पी० डी० सेठ,

पी० डी० सेठ, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक

1981

सं. 7444 बी/ए-19012 (1-एम. सी. यू.)/80-19-ए-- श्री महोश चन्द्र उपाध्याय को सहायक भूजैज़ानिक के रूप में भारतीय भूजैज़ानिक सर्वेक्षण में 650 रहे. प्रतिमाह के प्रारंभिक बेतन पर 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रहे. के बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश तक 13 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया जा रहा ही।

सं. 7457बी/ए-19012(बी. एन. बी.)/80/19ए.---श्री बी. एन. भारतीया को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूदौज्ञानिक सर्वोक्षण में 650-30-740-35-810- च. रो. -35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 रु. के न्यूनतम वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदश होने तक 28-9-1981 के पूर्वाहन से नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ, महा निद्याक

भारतीय सान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 नवस्बर 1981

सं. ए. .19011(23)/78-स्था.ए.---अफगानिस्तान सर-कार के साथ यनन विशेषक के पद पर पतिनियुक्ति की अयिषि समाप्त हो जाने के पश्चात् 10-11-80 से 14-11-80 तक कार्य- ग्रहण अविधि का उपयोग कर, श्री ओं पी. सचदेव, 14-11-80 को भारत वापस आ गये हैं। उन्हों ने दिनांक 15-11-80 से 29-9-1981 तक अर्जित अवकाश एवं अर्थ वेतन अवकाश लिया है और दिनांक 30-9-81 के पूर्वाहन से क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय बान ब्यूरो, बहरादून का पद भार ग्रहण कर लिया है।

एस. वी. अली, कार्यालय अध्यक्ष, भारतीय सान ब्यूरो

भारतीय प्रातत्व सर्वोक्षण

नर्क दिल्ली-11, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं 14/12/81-स्मा — मैं, कृष्ण म्रारी श्रीवास्तव, निद्शिक (स्मारक) प्राचीन संस्मारक और प्रातत्वीय स्थल एवं अवशिष नियम, 1959 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए निद्श देता हूं कि कृत्व के प्रातत्वीय क्षेत्र, महर्गाली, दिल्ली राज्य, में अवस्थित केन्द्र द्वारा संरक्षित संस्मारक, अर्थात् कृत्वृद्दीन की मीनार तत्काल से प्रभावी अगले आदेश तक आम जनता के लिए बन्द रहा जाएगा।

कृष्ण मूरारी श्रीवास्तव, निदोशक (स्मारक)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 नवम्बर 1981 -

सं 14/11/81-स्मा .-- मैं जगतपति शोशी, निवशिक (अन्वेषण) प्राचीन स्मारक और प्रातस्वीय स्थल एवं नियमावली, 1959 के नियम के अभीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए

यह निरोध जारी करता हूं कि जैत्य गिरि, विहार से वार्षि-कोत्सव को अवसर पर सांची, जिला रायमीना (मध्य प्रदेश) के बौद्ध स्मारकों में 29-11-81 और 30-11-81 तक प्रवेश श्लक नहीं लिया जाये।

> जगतपति जोशी, निद्येषक (अन्येषण) भारतीय पुरातत्व सर्वोक्षण

आकाशवाणी महानिव शालय

नर्ह दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

मं. 2/44/60-एस-दो---महानिदोशक, आकाशवाणी एतद-द्वारा श्री एच. एस. बतीशे, लेखाकार आकाशवाली, औरंगाबाद-6-11-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी जसर्गाव के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

विनांक 17 नवम्बर-1981

सं. 3/128/60-एस-दो.---महानिद्योगक, आकाशवाणी, एतदद्वारा श्री जवाहर सिंह प्रशासनिक अधिकार, विद्योग सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नर्दा दिल्ली 29-10-1981 (पर्वाहन) से विरुद्ध प्रशासनिक अधिकारी, उपग्रह द्रारंदर्शन केन्द्र के पद-पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस. बी. घोषाद्री, उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदोशक

स्वास्थ्य सेवा महानिद्रोशालय

नइ दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. ए.12024/7/80-प्रशासन-।---स्वास्थ्य सेवा महा-निदोशक ने डा. शरण कामार आलोक को 20 अगस्त, 1981 के पर्वास्न में आगामी आदोशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के अधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर तद्वर्थ आधार पर नियक्त किया है।

दिनांक 23 नवस्वर 1981

सं. ए. 35014/1/81 (सी. आर. आई.)/प्रशासन-।— स्वास्थ्य सेवा महानिद्शेक ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में श्री के. आर. आहुजा, डैस्क अधिकारी को 26 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाहन से आगामी आदोशों तक प्रतिनियक्ति आधार पर केन्द्रीय अनमधान, कसौली में प्रशासनिक अधिकारों के पद पर नियक्त कर दिया है।

> टी. सी. जैन, उप निदोशक प्रशासन (सं. एवं प.)

नइ दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1981

मं. ए. 19011/7/79-स्टोर-।—सरकारी चिकित्सा सामग्री डिपो, मद्रास में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे उप सहायक महानिद्देशक (एम. एम.) श्री सी. विटोबा, सेवा निवर्तन की अग्य के हो जाने पर 31 अक्तृबर, 1981 अपराहन में सेवा से रिटायर हो गए हैं।

शिव दयाल, उप निद्योशक प्रशासन (स्टोर)

सिचाई मंत्रालय

महा प्रबंधक का कार्यालय फरक्का बांध परियोजना

फरक्का, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. ई./पी. एफ.-11/257/1169(6)—-फरक्का बांध परियोजना, सिंबाई मंत्रालय, भारत सरकार के फरक्का बांध परियोजना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में श्री हरिश चन्द्र राम को उप प्रधानावार्य वेतनमान 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 14-8-81 से अगले आवेश तक के लिए नियुक्त किया गया है।

आर. वीं. रन्थी देवन महा प्रबंधक, फरक्कां बांध परियोजना; फरक्का

ग्रामीण प्निर्निमाण मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निद्देशालय फरीदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. ए. 19025/48/80-प्र. तृ.—इस निदेशालय के अधीन निम्निलिखत सहायक विपणन अधिकारियों (वर्ग-।) की तदर्थ नियुक्ति को 31-12-1981 तक या जब तक नियमित आधार पर भरो जाते हैं, बोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

- 1. श्रीबार्ड जे. पीटर
- 2. श्रीटी एस जोनी
- 3. श्रीएन. के. मिश्र
- 4. श्री पी. सत्यनारायण
- 5. श्रीए. के. दास
- 6. श्रीएच. सी. वत्सल
- 7. श्री ए. एस. शर्मी
- 8. श्रीप. आर. मित्रा

सं. ए. 19023/10/81-प्र. तृ.—इस निविधालय के अधीन उर्जभन में विषणन अधिकारी (वर्ग-।) के पद पर श्री ई. एस. पालूज, की तदर्थ नियुक्ति को विनांक 29-10-81 (अपराहन) तक बढाया गया है।

सं. ए. 19023/14/81-प्र. ह .--संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री बी. पी. सिंह, सहायक विपणन अधिकारी को इस निद्येशालय के अधीन उन्नेशा में दिनौंक 30-10-81 के पूर्वाहन से अगले आदोश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में पदोन्नित होने पर श्री सिंह ने राजकोट में दिनांक 29-10-81 के अपराह्न में सहायक शिषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1981

मं. ए. 19025/49/78-प्र. तृ.—विषणन अधिकारी के पद से प्रत्यावर्तित होने के उपरान्त श्री ई. एस. पालूज ने इस

निदोशालय के अधीन उन्नेका में दिनांक 30-10-81 (पूर्वाह्न) से सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-।) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> बी: एलः मनिहार, निदोशक प्रशासन **कृत** कृषि विपणन सला**ह**कार

भारतीय वन सर्वेक्षण

बोहराबून-248001, विनांक 20 नवम्बर 1981

सं. क्रमांक 4-4/81-प्रशासन—शी के. के. दर जो कि भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक के केडर के लेखापरीक्षा अधिकारी हो, को 17 नवम्बर, 1981 की पूर्वाहन से भारतीय वन सर्वेक्षण , दोहरादून में इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3-11/81-प्रशासन दिनांक 24 अक्तूबर, 1981 में दर्शाई गई प्रति-नियुक्ति की शर्ती के आधार पर आगामी आवेशों तक सहायक निवेशक (लेखा) नियुक्त किया जाता है।

ए. बी. चौधरी, निद्येशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बाई 400 085, दिनांक 23 अक्तूबर 1981

सं. पीए/79(11)79 आर 111—भारी पानी परियोजना, बम्बई से स्थानांतिरत किये जाने पर, श्री के. आर. बालसूब्र-मण्यम्, सहायक कार्मिक अधिकारी ने भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी का पदभार 15 अक्तूबर, 1981 पूर्वाष्ट्रन को संभाल लिया।

ए. शान्ताकामारा मेनोन, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

विव्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बद्दं-5, विनोक 22 अक्तुबर 1981

सं वि प्र इ. प्र /3(262)/78-प्रशासन/16442— निदशक, विख्त प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्-द्वारा इस प्रभाग के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न प्रव-रण श्रेणी लिपिक श्री एच. एख. शाह को अक्तूबर 14, 1981 के पूर्वाह्न से नवम्बर 21, 1981 के अपराहन तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह निय्किश सहायक कार्मिक अधिकारी श्री टी. एस. असवाल के स्थान पर की जा रही है जो छूट्टी पर गए हैं।

ब वि. थत्से, प्रशासन अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलन्दरहर, दिनांक 21 नवस्वर 1981

क. न. प्. दि. प. /प्रशा / 1 (162) / 81 / एस / 14873 — श्री पी. राधाकृष्णन, वैज्ञानिक अधिकारी / अभियन्ता ग्रंड एस.

बी., नरारा परमाणु विव्युत परियोजना, ने अपने त्यागपत्र पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त, दिनांक 26-10-81 के अपराहन में परियोजना में ग्रंड एम. बी. के. पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर. के. बाली, प्रशासन अधिकारी-।।।

क्रय एवं भंडार निद्देशालय

बम्बई-400001, विनांक 20 नवम्बर 1981

सं. क. भ. नि./21/1(2)/78-स्थापन्ना/22778— कय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने श्री अध्यनी कुमार मधुसूबन परेलकर स्थायी कय सहायक को स्थानापन्न अस्थायी सहायक का स्थानापन्न अस्थायी सहायक कय अधिकारी के पव पर रह. 650-30-740-35-810 व. रो. 35-880-40-1000 व. रो. 40-1200 के वेतनक में विनांक 9-6-1981 (पूर्वा.) से विनांक 16-11-81 (पूर्वा.) तक तदर्थ नियक्त किया है।

के. पी. जासफ, प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इंधिन सम्मिश्र

(हैंदराबाद,500 762, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं ना ई स/का प्र भ/1603/5681—नाभिकीय ई धन सिम्मश्र के उप मुख्य कार्यपालक (प्र) श्री एस रामानुजम, वैज्ञानिक सहायक (सी) का नाभिकीय ई धन सिम्मश्र में स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रेणी (एस बी.) के पद पर, रु. 710/- प्रति मास के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द रोक-35-880-40-1000-द रोक-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई तौर पर दिनांक 1-8-1981 से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

जी. जी. कालकणीं, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

मद्रास परमाणु विद्यूत परियोजना

कलपाककलम 603102, विशांक नवस्थर, 1981

सं एम ० ए ० पी ० पी ० / 18 (119) / 81 भर्ती — मुख्य परि-योजना ग्रिभयन्ता मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित धिधकारियों को इसी परियोजना में ग्रस्थाई रूप से उनके नाम के श्रागे उल्लेखित पदक्रमों पर दिनांक 1 श्रगस्त 1981 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र म सं०	नाम		वर्तमान पद	नियुक्ति पद
1	2		3	4
सर्वं 1. बी	श्री/ • रवीन्द्रन	•	वैज्ञानिक सहायक ''सी''	वैज्ञानिक श्रघि- कारी श्रभियन्ता ''एस० बी०''
2. एस	० उमापति		11	n
3. जी	० मेय्यपन		11	n

. 3	4
11	27
***	11
71	"
"	"
))))

ग्रार० पी० हरत, प्रशासनिक ग्रधिकारी

परमाणु सनिज प्रभाग

हेवराबाव-5,00016, विनाक नवम्बर 1981

सं. प स प्र-1/1/81-भर्ती--परमाण जर्जा विभाग, परमाण सिनज प्रभाग के निवासक एतब्द्यारा औ निवासि कामार प्रजा परमाण सिनज प्रभाग में 30 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह से अगले आवार होने तक अस्थायी रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियक्त करते हैं।

एम. एम. राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बद्द-400 008, 19 नवम्बर 1981

सं. 05012/भ । स्था प . / 6230—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कोषधंडइल थोमस थोमस, स्थायी धरण्य श्रेणी - लिपिक, भारी पानी परियोजना (मृस्य कार्यालय) को, उसी कार्यालय में अस्थायी तौर पर तदर्थ प्रधार पर 14 अक्नूबर, 1981 (पूर्वा) से 13 नवम्बर, 1981 (अपरा) तक के लिए श्रीमती के पी कल्याणी क्टूट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी-।।। नियुक्त की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर. सी. कोदिअनकर, प्रशासन अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

इसरा : शार केन्द्र

का. और सा. प्र. प्रभाग

श्री हरिकोटा-524124, विनांक 7 नवम्बर 1981

सं. एस. सी. एफ. का. और सा. प्र. /स्था /1. 72--शार केन्द्र के निवशिक ने श्री हरिकाटा में श्री पी. आनंबकृष्णन को इंजीनियर एस. बी. के पव पर नियुक्ति करने के लिए अपनी प्रसन्ता प्रकट की हैं। ये तारील 1 अक्तूबर 1981 पूर्वान्ह से स्थानापन्न क्षमता के रूप में सेवा करेंगे।

> आर. गोपालुरत्नम, प्रधान, का. और सा. प्र. कृते निरोधक

महानिवेशक नागर विमानम का कार्यालय

नई विल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1981

सं० ए० 32013/5/80-ई०ए० — राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रन्य भाषेश होने तक वरिष्ठ विमान क्षेत्र भक्षिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:---

कमसं०	नाम		तैनाती स्टेशन	पदोन्नति की तारी ख
सर्वश्री				
1. श्री एन०ए	(न० नायर		मश्रास	19-12-80
2. आर्थी के०पी	०वी० मेनन		मद्रास	19-12-80
3. श्री एस०	सी० जोशी	•	सहायक निदेशक	18-12-80
			(वि०मा०- वि०) योजना	
4. श्री ए० कृष	प् रणम् ति		वस्बई	22-12-80
5. श्रीवी० वे	ह० रंजन		कलकत्ता	7-12-80
6. श्रीडी०वी	·०कें०राव		बम्बई	6-2-81
7. श्री ए० एप	ह ० टिग्गा		कलकता	30-5-81
8. श्री०पी०	के० हलदार		रांची	10-8-81
9. श्री एल०	के <i>०</i> ठा कु र	•	श्रीनगर	14-10-81

दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं० ए० 32013/10/80-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित प्रधिकारियों की वरिष्ठ विमानक्षेत्र प्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को विनांक 31-12-81 तक प्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इसमें से जो भी पहले हों, जारी रखने की मंजूरी दी हैं:—

क्रम सं०	नाम	स्टेगन
		2

सर्वश्री:---1. एस० माहालिंगम मन्रास 2. एम० एन० के० मेनन मद्रास 3. ए० सी० जांन . कलकत्ता 4. भार० कृष्णामृति कुम्भीग्राम 5. एम० ए० पाल . नागपुर र्वगल्र 6. श्रो०पी० हीगरा 7. एस० पी० खोसला सहायक निवेकश (मुख्या-∙लय) 8. के० एस० प्रसाद कलकत्ता 9. एन० डी • घोष . कलकत्ता दिल्ली 10. रिव तनरा

भूवनेश्वर

कलकत्ता

11. सी० भार० राव

12. मारे० एस० भागवत

The state of the second control of the second secon			
1 2	3	1 2	3
13. कुन्दन लाल .	. श्रौरगांबाद	23. एस० के० बनर्जी	, वाराणसी
14. के० सी० मिश्रा	. नागर विमानन प्रशिक्षण	24. भार० कोदंडरमन	. स्त्रिची
	केन्द्र इलाहमाद	25. के० के० सक्सेना	. दिल्ली
15, जे०बी० के० नायर	. बस्बई	26. ए० एम० थांमस	, ब म्बर्ष
16. डी० डी० सरदाना	. दिल्ली	27. एस० ए० राम	. इम्फाल
		28. श्री०सी० स्वरव	. सहाप्रक निवेशक, वैमा-
17. के० एन० वेंकटचलैया	. बम्बई	·	निक सूचना सेवा
1-8. ∙ए स० सी० शेखरी	. दिल्ली		(मुख्यालय)
19. जी० रामानुजम्	. मद्रास	29. के० बी० के० खन्ना	. भोपाल
20. ए० टी० वरगीस	. कोयम्बटूर	30. डी० एन० धवन	. बम्बई
21. के० वी० एस० राव	. हैदराबाद		सुधाकर गुप्ता,
22. एन० पी० शर्मा	. बम्बई		उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से सहायक संघार प्रधिकारी के ग्रेड में तवर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए ग्राए क्टेशन पर तैनात किया है।

क्र० नाम	वर्तमान तैमाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया	कार्यभार संभालने र्क
सं ० -		गया	तारीख
सर्वेशी			
1. के० गणपति	वै० स० स्टेशन, मब्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-10-81 (पूर्वाह्न)
2. एस० गोपालन	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै ० सं० स्टेशन, मद्रास	1-10-81 (पूर्वाह्म)
3. जे ०सी०डी० सिलभा	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै ० सं० स्टेशन, मब्रास	2-10-81 (पूर्वाह्म)
 टी० एस० कृष्णामृति 	वै० सं० स्टेशन, बम्ब ई	वै ० स ० स्टेशन, बम्बई	30-9-81 (पूर्वाञ्च)
5. एस० एम ० कुलकर णी	वै ० सं ० स्टेशन, बम्बई	वै ० सं ० स्टेशन, बम्बई	30-9-81 (पूर्वाह्म)
6. जे ० भ्रार ० वेशमुख	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	30-9-81 (पूर्वाह्म)
7. भ्रार० के० मदान	व ै ० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० स० स्टेशन, नागपुर	30-9-81 (पूर्वाह्म)
8. एम० एल० वर्मा	वै० स० स्टेशन, सफदरजंग	वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली	30-9-81 (पूर्वाह्म)
9. र नजी त सिंह	वै० स० स्टशन सफदरजंग एयरपोटे, नई दिल्ली	वै० स० स्टोशन सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	30-9-81 (पूर्वाह्म)
10. एस० वरदाराजुलू	र्व ० स० स्टेशन, सफवरजग एयरपोर्ट, नई विल्ली	त्रै ० सं ० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई विल्ली	30-9-81 (पूर्वाह्न)

सं ए 38013/1/81-ई सी.—-निदोक्षक संचार, वैमानिक संचार स्टोक्सन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई को कार्यालय के श्री विकटर चन्द्रन, सहायक संचार अधिकारी व निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सवा से निवृत होने पर दिनांक 30-9-81 (अपरान्ह) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन संचार सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से ग्रीर दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार मधिकारी के ग्रेड में तदर्थ भ्राधार पर नियुक्त किया है:---

ऋं० नाम सं०	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य क्रहण करने की तारीख
सर्वेशी 1. ए० पेरिया स्वामी 2. यू० पी० विश्वनाथ 3. के० एस० मूर्ति	वै० सं० स्टेशन, बंगलीर	बै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	16-10-81 (पूर्वाह्न)
	वै० मं० स्टेशन, अम्बई	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	30-9-81 (पूर्वाह्म)
	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	बै० सं० स्टेशन, मागपुर	30-9-81 (पूर्वाह्म)

सं ० ए० 32014/5/80-ई०सी० महानिवेशक नागर
विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, जो इस
समय सहायक तकनीकी भ्रधिकारी के पद पर
तवर्थ आधार पर कार्य कर रहें हैं, प्रत्येक के नाम के सामने
दिए गए स्टेशन पर विनांक 1-10-81 से नियमित आधार
पर सहायक तकनीकी भ्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया
है श्रौर उन्हीं स्टेशनों पर तैनात किया है :—–

कम सं०	1	वनाव।	स्ट्यान ^ट
सर्व	श्री		
1. ची०	के०मुखर्जी.	व ै मानिक गौ हाटी	संचार स्टेशन,
2. के०ब	ी० रामचन्द्रन	वैमानिक बंगलीर	संचार स्टेशन,
3. जोिंग	न्दर सिंह मान	वैमानिक ल ख नऊ	संचार स्टेशन, ।

1	2
4. पी० एस० दलबी .	. वैमानिक संचार स्टे णम , अस्बई ।
5. सुरिन्दरजीत सिंह कांग	. वैमानिक संचार स्टेशन, पालम ।
6. टी० के ० दास गृप् ता	. वैमानिक संचार स्टेशन, भ्रगरतला :
7. के० के ० इच् पनानी	. वैमानिक संधार स्टेशन, श्रगरतला ।
8. जे०एस०स ह गल .	. वैमानिक संचार स्टेशन, पालम ।
9. एस० के० विष्वास	. वैमानिक संचार स्टेप्नन, मोहनवाड़ी ।

सं ए. 38015/13/81-ई. सी.—-राष्ट्रपति ने निद्योवक संचार, वैमानिक संचार स्टोशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के श्री के एस. गोपालन, संचार अधिकारी को मूल नियम 56(के) के उपबन्धों के अधीन 30-9-81 (अपराहन) से सरकारी मेवा से निवृत होने की अनुमति प्रदान की है।

दिनांक, 21 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/4/80-ई० सी०---महानिवेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित वो संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है:---

ऋ० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारी ख र्
	े एस० नागर	वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली	12-10-81 (पूर्वाह्न)
	डी० विक्टर, 🖁	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	29-10-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38013/1/81-ई०सी०——नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृक्त होने पर दिनांक 31-10-81 (श्रपराह्न) से ग्रपने पव का कार्यभार त्याग दिया है:—

ऋम सं ०	नाम भ्रौर पदनाम	तैन(ती	स्टेशन	_,
1	2		3	
	ा एम० राघवन, चार-ग्रक्षिकारी	वैमानिक	∗संचार	- स्टेशन,
2. র্গ	ो जगदीश सिंह,	मद्रास वैमानिक		
	हायक संचार श्रधिकारी	सफवर नई	गंग ए दिस्ली	्यरपोर्ट, —

प्रेम चन्द्र, सहायक निर्देशक प्रशा०

वन अनुसंधान एवं महाविद्यालय

दहरादान, दिनांक 18 नवस्वर 1981

मं 16/374/81-स्थापना-।—अध्यक्ष, वन अन्संधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वहरावून, महाराष्ट्र वन विभाग के राज आफिसर श्री एन बी क्लकणीं को दिनांक 14 जुलाई, 1981 के पूर्वाहन सं अगले आदाेशों तक केन्द्रीय वन राजिक महाविद्यालय, चन्त्रपूर में प्रतिनिय्वित की शतों पर महर्ष सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

विनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 16/1/65-स्थापना-!—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, ने श्री भारत सिंह बिष्ट, अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग (वरण ग्रेड) वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को दिनांक 28 अक्तूबर, 1981 को पूर्वीहन से अगल आदेशों तक उसी संस्थान में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी (तदर्थ) नियुक्त करते हैं।

रचत क्मार कृत सन्विव वन अमुसंधान संस्थाम एवं महाविद्यालय

कार्यालय समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क पटना, दिनांक 18 नवस्थर 1981

सं० 11(7) 2 स्था०/79/11669—संघ लोक सेवा आयोग के अनुशंसा पर इस कार्यालय के पत्न संख्या 11(3)-119-स्था/79/4377-79 दिनांक 9-7-80, 11(3)119-स्था० 79/6771, दिनांक 27-9-80 एवं 11(3)119-स्था०/79/8037, दिनांक 31-10-80 के द्वारा निम्नलिखित उम्मीदवारों को वेतनमान ६० 650-30-740-35-810 द०रो०-35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200/पर अधो-अक, समूह (ख) (एक्सपर्ट) के अस्थाई पद पर नियुक्ति की गई थी, जो अपने नाम के सामने दिखाये गये स्थान पर तिथि और समयानुसार अधीक्षक समूह 'ख' (एक्सपर्ट), केन्द्रीय उत्पाद के पद पर कार्यभार ग्रहण किये:—

क्रम स०	नाम	पदस्थापना का स्थान	पदग्रहण क <i>र</i> ने की तिथि
	1	2	3
	सर्वश्री		
1.	डी० के० सिन्हा	केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल जमसेदपुर ।	23-7-80 (अपराह्म)
2.	स्वतंत्र कुमार	केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, गया ।	5- 3-8 0 (पूर्वाह्र)
3.	कमलेश प्रसाद मिश्रा	केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, पटना	18-7-80 (पूर्वाह्म)
4.	सुरेन्द्र कुमार माधव राव सोनुने	केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, रांची	15-10-80 (पूर्वाह्न)
5.	सी० बी० सुक्रामनयम	केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल जमशेद- पुर	5-11-80 (पूर्वीह्न)

कृ० कु० श्रीवास्तव सहायक समाहत्ती (मुख्यालय)

केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, पटना

मदुरई, दिनांक 5 नवम्बर 1981

सं० 3/81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित का लिय अधीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक कु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द०रो०-40-1200 के देतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (ग्रुप वी') के रूप में की गई है । प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी सहायक मुख्य लेखा अधिकारी सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया गया

स्थान एवं तारी व उनके श्रनुसार है।	नाम के सामने	' दिये' गये
क्रम ग्रधिकारी का नाम सं०	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
<u>1</u> <u>2</u> सर्व श्री :	3	4
 के० नंबिराज एम० राजारामन 	मदुरई प्रभाग-1. मुख्यालय, मदुरई,	23-9-81 24-4-81

सं. 4/81—कोन्द्रीय उत्पावन शूल्क के निम्निलिखित विरष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की निय्क्ति अगले आवश होने तक 650-30-740-35-810-दः रो.-35-880-40-1000-दः रो.-40-1200 के वेतनभान पर स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रूप 'बी' के रूप में की गई है। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रह्ण किये गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गये अनुसार है।

ऋभ सं.	अधिकारी का नाम	नियुक्ति स्थान	कार्यभार प्रहण की गर्च तारीस
1	. 2	3	4

सर्वश्री

- 1. के. के. वेंकटाचलपति, मुख्यालय, मसुरई--30-1-81
- 2. एम. सी. आरोक्यसामी, शंकरनकोइल रंज--22-1-81
- 3. एम. कास्तान, अरियलूर रेंज--20-1-81
- 4. एस. पोन्नुसामी, निवारक दल, मद्दाराई प्रभाग ।।--21-1-81
- 5 के कल्लयन, मुख्यालय, मद्राई---19-1-81
- 6 एस शण्मगम्, टाटिकोरिन रॉज--4-2-81
- 7. कें. रंगसामी, रामनाथपुरम--27-1-81 (अप.)
- 8 डी बालस्दरम, शिवकाशी रीज ।।--6-3-81
- 9 जी गूरिसामी, तिरुचेंदूर रोज--16-3-81
- 10 वी गोपालन, तिरुत्तंगल रेंज ।--26-3-81
- 11 के एम पांडियन, मुख्यालय, मद्राई--11-2-81
- 12. आर. विकटर धर्मराज, सीमा शुल्क सर्विकल, रामेश्वरम ──29-7-81
- 13 एस महालिंगम, सीमा शुल्क सर्किल, रामेश्वरम— 29-7-81
- 14 . एस . जे . फ्रांकितिन , मुख्यालय , मद्दार्ह -- 20-7-81
- 15 ए हा्सैन बेग, दिंडगिल---29-7-81
- 16. आर. रामसामी, रामनाथपुरम--27-7-81 (अप.)
- 17. एस. पिरमनायगम, सी. श्रू. निवारक, टूटिकोरिन्— 30-7-81
- 18. आर. अलिंग्यिसिंगम, एट्टयपुरम र्नेज--30-7-81
- 19. पि. चेल्लसामी, मृख्यालय, मव्राह्---20-7-81 (अप.)
- 20 पि एस मन्नारसामी, तेनी रोंज--30-7-81
- 21 अार नरसिंहन ।।, रामनाथपुरम——12-10**-**81

आर. <mark>अयरामन</mark> समाहर्ता

नौतहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिद्दशालय

बम्बर्ड-400038, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. 2-एस. एच. (1)/81—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर नौवहन महानिद्देशक श्री तारमेंस कुमार की तारील 31 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों नक, अस्थायी तौर पर, जल परिवहन विभाग, मदास में डेक यात्री कल्याण अधिकारी के रूप में नियक्त करते हैं।

एस. एम. ओचाणी नीवहन वरिष्ठ उप भहानिदोशक

बम्बइ -400038, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 25-ए डी एम एन (1)/81—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम. बी. ओसामनी को तारीस 12 नवस्बर, 1981 (अपराहन) से अगले आदेश तक, अस्थायी तीर पर, नौवहन महानिदोशालय, बम्बई में नौवहन सहायक महानिदोशाल करते हैं।

स. का. माध्र नौवहन उपमहानिवाशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी ला बोर्ड कम्पनियों के रजिस्टार कार्यालय

कस्पनी अधिनियम, 1956 और आर. एल. ओबोराय एन्ड कं. लिमिटोड के विषय में।

नई दिल्ली, विनांक 28 अक्तूबर 1981

सं. 2881—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनूसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर. एल. ओबोराय एण्ड कं., प्राइविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह. अपठनय सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं **हरि**याणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केईरा इनवेस्टमेन्ट प्राइयंट लिमिटोड के विषय मीं।

अहमदाबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं 560/2181— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत् द्वारा यह मूचना दी जाती है कि, इस तारीस सं तीन मास के अवसान पर कोई रा इनवेस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेसर्स धनाव जेनीकीट प्राइकेट निर्मिट इ.क. थिएस मी।

अहमदाबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1981

मं. 560/2085—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचनी दी जाती है कि, मेमर्स धनाद जेनीकीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधाटित हो गयी है।

िह्ह. वाय. राने सहायक प्रमंडल पंजीयक, ग्जरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियस, 1956 और हरियाणा प्लास्टिक्स लिमिटेड के विषय में।

नर्ड दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

मं एष-7023—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव् व्वारा यह सूचनां दी आती है कि इस तारीख से तीन मास के अधसान पर हरियाणा प्लास्टिक्स लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आयेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी. बी. सक्सेना सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विवक कौरियरस प्रा. लि. कैं
 विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

मं. 1454 (560) ---कम्पनी अभिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतव व्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर विवक केरियरस प्रा. लि. का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आन्ध्रलाटाईमिस प्रा. लि. के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 533/560——कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण के एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्र ला टाईमिस प्राइवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कस्मिनी अधिनियस , 1956 और शी लक्ष्मी गनेक श्वर फक्टी' (खंडसारी) प्रा. लि. के विषय में ।

हैवराधाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 846/560— कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण के एतद् व्वारा सूचना दी जाती है कि श्री लक्ष्मी गनेश हुमर फैक्ट्री (खंडसारी) प्राइवेट लिमिटेड का नाम अन्य-रिजस्टर-से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

> वि . एस . राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदोश, हौदराबाद

कमानी अधिनियम, 1956 और ''अरिविन्य साल्तेनग प्राइनेट लिमिटोड'' के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 20 नवम्बर 1981

मं 127/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अन्सरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर ''अरिवन्द साल्येक्स प्राइवेट लिमिट डे' का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

बी. काटेच्बर राव कम्पनियों का रिजस्ट्रार, पांडियोरी प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्षे विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-।/3-81/7546--च्किमें, विसल विशिष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं 2005 है एवं जो बाजार लाल कां आ में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संतर्ग अनुस्ची में दिया गया की पंजीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

करें पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि थ्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त लिखित में बास्तिवक कम में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों अर्थात्:-3—366GI/81

- श्री विलायर सिंह भुपुत श्री काशभीर चन्द्र, निदासी-922, स्ट्रीट्र चाह, श्रीन फ्रास खाना, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पदमा कपूर, पत्नी नरिन्दर नाथ, निवासी सी-1, दाया नन्द कालोनी, लाजपत नगर, रहाँ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हि**यां करता **ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध जाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सोप नं . 2005, बाजार लाल कां्आ, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 6-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एक'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्ह विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवस्वर 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . /एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4352—चूं कि \mathbb{Z}^* , विश्ल विशिष्ट ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिस बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो टीकरी कालां धिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को प्यांकित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन्न या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, जकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1 श्रीमती माँहर कार पत्नी धरमा, ग्राम-टीकरी कला विल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2 में. हुकम सिंह एण्ड क. ग्राम-टीकरी कलां विल्ली।

(हस्सांतरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की वनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया एवा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-टीकरी कलां दिल्ली क्षेत्रफल-48 विषे और 11 विष्ये,

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नर्ह दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्रकृप भाई• टी• एन•एस•----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

भारत प्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेंट नर्द विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4374--- चूंकि में, विमल बिशिष्ट,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंद सम्पत्ति जिसका उचित बाजाद मूल्य 25,000/- द • से अधिक है

जिसको सं. 19, ब्लीक नं. 60 है एवं जो अशोक नगर तीहार-2 में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संतग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांफ मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रियमान प्रितिक से के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उनत प्राय-नियम के अधीन कर बेने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्टानियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर घिष्टानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अकतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-चं की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री चुनीलाल सुपृत्र श्री सुन्दर दास, निवामी-60/ 19, तीहाइ-2 अशोध नगर, नई दिल्ली। (हस्तांतरणकर्ता)
- 2. श्रीमती एगजीत कार अरोड़ा पत्नी श्री दलजीत सिं निवासी-ईप्-117/2, टौगौर गाडौंन, नई दिल्ली (हस्तांतरिसी)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन. की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की प्रवित, जो भी ग्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पान निखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण :--इसमें प्रमुक्त कन्वों भीर पदों का, जो उक्त भिकि नियम, के अध्याय 20क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 19, ब्लौंक नं. 60, स्थापित अशोक नगर, ग्राम-तिहाड़-2, नई दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज्-2, नुई विल्ली

तारीख : 6-11-1981

प्ररूप आहु⁵. टी . एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्ष दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्ब्र 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4362—-चृंकि में, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं ओ ग्राम पीयारा गढ़ी में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संसम्म अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को

पूर्वोक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उंकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधिक कहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तेत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

- श्री महन्दर कुमार जैन सुपूत्र श्री सोहन लाल जैन, निवासी-1-73, किसी नगर, दिल्ली।
 - (हस्तांतरणकर्ता)
- 2. मैं तंत्र प्लास्टिक्स, ई-16/668-69, बापानगर, टीक रोड, दिल्ली।

(हस्सांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष्मीक रण:--इसमें प्रमुक्त इड्डॉ और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

कृषि भूमि 375, वर्ग गज, लाल डोरा, ग्राम-पीयारा गढ़ी: खसरा नं. 487, दिल्ली।

> ं विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

विर्गाक : 6-11-1981

प्ररूप् आहे. टी. एन्. एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ''एच'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नर्ह दिल्ली-110002

नर्ध दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि स. आ, आ /एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7542--चृंकि मैं, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- लुके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र_{िसे} अधिक **ह**ै और

जिसकी सं. 3664-65/3903 है एवं जां सरदा नन्द मार्ग में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अभीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को

पूर्वेक्ति संपत्ति के उिधत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफुल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्सर्व बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (इ.) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती लीलावती निवासी-2113, मस्जीव-खजुर, विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महाबीर प्रसाद जैन, एण्ड बुदर्श, निवासी-40/ न्य रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जों भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रो \cdot नं \cdot 3664-65/3903 , गली शातारा , सरदानन्द मार्ग , दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981 भोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-फ (1) के अधीन सूचना

भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लौंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्दो दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7596--चंकि में, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और

जिसकी सं 95 है एवं जो ग्राम धीर पुर निरंकारी कालोनी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् \mathfrak{C} --

- श्रीमती विमला कोहली, पत्नी श्री गुरब्याल सिंहै कोहली निवासी-95, निरंकारी कालोनी, विल्ली। (अन्तरक)
- श्री पथन कुमार गुप्ता, श्री तिलक राम गुप्ता 156, गुजरानवाला टाउन, पार्ट-।, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्युष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, ओ उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 95, एरीया 416, वर्ग गंज, ग्राम-धीरपूर निरंकारी कालोनी, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

विनांक : 6-11-1981

मोहर ∄

प्ररूप आई० ठी० ग्न० एस०----

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (17) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन्, इन्क्रप्रस्थ एस्टोट नक्ष्मीवल्ली-110002

नर्ष विल्ली-110002, दिनांक 6 नवस्थर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. /एक्वीजीशन-2/एस-जार-2/ 3-81/4350---च्रिक में, विमल विशष्ट,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- द के अधिक है

जिसकी सं. कृषि भूमि हैं एवं जो मसुदा बाद नजफगढ़ में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किमनिलिसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभि-शियम के सकीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के किए। सीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध्याची अस्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः धव, उत्तत प्रधिनियम भी आरा 269-न ने धनुसरण में, में, अन्त प्रधिनियम की जारा 269-च की अपवारा (1) को सुधीन निम्नुसिचित व्यक्तियों सुधीत् हि—

- श्री राजीन्दर सिंह और श्रीमती सतवन्त कार बी-4/
 तसंत त्रिहार, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- श्री मोहन लाल गम्भीर, और श्री सुबास गम्भीर, 88-ए, (एम आई.जी.) डीडीए फ्लंट, राजोरी गाउँन, नई घिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के भजेन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडित रण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पटों का, जो छक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ं कृषि भूमि 4 बीघे और 16 बिश्वे, ससरा नं 96, मनि (3-16), और 97 मीन (1-0, मसुदाबाद, नजफ गढ़, नर्हे दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र¹ज-2, नर्ह दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

भोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्चाय ः र यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7637—चंकि मैं, विभन वशिष्ट,

वायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वार नम्पति, जिमका उचित बाकार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

जिसकी सं म्यूनिसीपल नं 287, वार्ड नं 8 है एवं जो अजमेरी गेट दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16कां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त अन्यात के बिन न नागर मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्य तन प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिशत से प्रशिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (भन्तरितिशों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, विश्वान निम्नितिशों विश्व उद्देश्य से स्वत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किखन नहीं किया गया है।——

- (ह) अन्तरण ते दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसने यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें नारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 कः 11) या उनत श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिए भे में सुविधा के लिए।

ग्रतः क्षयः उपत बांधनियम को धारा 269ना के मनुसरण में, में लगत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जेतीन्दर कामार गुप्ता सुपृत्र एल. डा. विलायती राम गुप्ता, निवासी-53, पंचकाइयां रोड, नई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री विष्णु क्षुमार भगवान सक्त्य सुपुत्र फाल चंद अग्रवाल निवासी-2667, बारादरी, बालीमारान, विल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनधि, जो भी घनधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचता के राजप्त में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्ष रो के पास लिखित में किए ना सकोंगे।

स्पव्टीक रणः --- इसमें प्रमुक्त गव्दों और पदीं का, जो उक्त अधिियम के अध्याय 2ा-क में परिभाषित है, वहीं सर्वे होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

युनिसीपल नं. 287 वार्ड नं. 8, अजमेरी गेट, दिल्ली।

विमल विश्वष्ट सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्इ दिल्ली

विनांक : 6-11-1981

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्ड विल्ली-110002

नर्ह दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

- 3 िन . स . आ . आ . ∕ एक्यीजीशन-2 ∕ एस-आर- । ∕ 3-81/7636--चुिक में , विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रु. से अधिक **ह**ै

'जिसकी सं. डी-50 है एवं जो बाली नगर कालोनी, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर लिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियाँ अर्थात् 🖫 🖚

4-366Gf/81

मोहर 🥲

- कुमारी राजकुमारी पुत्री श्री सैम दास, निवासी-474, गली बाहर वाली, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री एसः के गुप्ता सुपुत्र एल जुगल किशोर, 12/4, पंजाबी बाग, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वसें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (चा) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रम्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वृद्धाीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभावित ह", बही अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुस्ची

प्रो. नं. डी-50, बाली नगर कालोनी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नर्घ विल्ली

दिसांक : 6-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थृस्टोट नई दिल्ली-110002

नर्दा दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7632—-चंकि में, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

स्नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. 13/721 से 723(पुराना) है एवं जो 1995 से 1997(नई) शिवाजी राड़, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

की पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—

- सन्त चीत एण्ड ट्रोडिंग प्रा. लि. रिज. ऑफिस 880 इस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री पवन कुमार सुपृत्र एल. काशी राम, डी-1, डी. एम. मल्का गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रों. नं. 13 / 721 से 723 (पुरानी) और 1995 से 1997 (नर्झ) शिवाजी रोड, शीक्ष महल, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्रस्प आई० टी० एत० एस०----

मायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मिन्नी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भयन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्झ दिल्ली-110002

नर्षः दिल्ली-110002, दिनांक 6 नयम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर1/3-81/7622--चूं कि में, दिमल वशिष्ट,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

जिसकी संख्या 9/19 है एवं जो साउथ पटोल नगर, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विम्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर वी गई है

को पूर्षोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या अनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः -- (1) श्री राम धारी मल स्पृत्र शिव चन्द राय, निवासी 183, डी. डी. ए. फ्लैंट, रणजीत नगर, न्हें दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे सी. बंगल सुपत्र हरदेव सहाय एण्ड अदर्स, निवासी 183, डी. डी. ए. फ्लैंट, रणजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ह्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसकी

प्रो. नं. 8/19, साउथ पटोल नगर, न**र्इ दिल्ली।**

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

विनांक : 6-11**-**1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7602-- चूंकि में, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं जिसकी संख्या 4633, 19-ए, दरीया गंज है एवं जो दरीया गंज अंसारी रोड, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है") की पंजीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (●) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अनस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर्अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

(1) मै. एस. चन्द एण्ड कां., राम नगर, नई दिल्ली डाइरक्टर श्री राजेन्दर कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री स्याम लाल गुप्ता, निवासी 16-बी/4, असम अली रांड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कामार बना सुपुत्र श्री दिवान चन्द बना निवासी इ-487, ग्रेटर कौलाश-2, नई विल्ली-

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 विन की अवधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएूजा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

अमुसूची

प्रो. नं. 4633, 19-ए, दूरीया गंज, अंसारी रोड, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज-2, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- थ की उपभारत (1)

के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात :--

विनीक : 6-11-1981

सील:

प्रकप प्रार्थ टी एन एस ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नर्इ दिल्ली-110002

नर्षः दिल्ली-110002, दिनांक 6 नदम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. सं. आ. आ./एव-वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7601---चू कि मैं, विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या 19-ए हैं एवं जो अंसारी रोड, दरीया गंज विल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मैं एस. चन्द एण्ड क. लि., डाइरेक्टर श्री राजेन्द्र कूमार गुप्ता सुपुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता राम नगर, नई दिल्ली।
 - (हस्तांतरणकर्ता)
- (2) श्री शिव दयाल अग्रवाल सूपूत्र स्वर्गीय श्री मोहन लाल, निवासी 4-सी, अंसारी रोड, दरीया गंज, दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मुर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम मंजिल 647 वर्ग गज, का विल्डींग म्यूनिसीपल नं. 4633, ससरा नं. 63, स्थापित 19-ए, अंसारी रोड, वरीया गंज, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

अतः अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियाँ, मुर्थातः :--

िदनोंक : 6-11-1981

सील ः

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सर्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लीक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि . स . आ . आ . /एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/ 3-81/7585---चूं कि मैं , विभल विशष्ट ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है और

25,000/~ रह. सं आधक हु आर जिसकी संख्या शोप नं. 76 है एवं जो इन्द्रा मार्कोट, एस/मंडी, विल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रति-फल (अपार्ट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर धी गई है जो पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अम्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्यिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः

- (1) श्री राम प्रकाश खना, सूपृत्र श्री राम भोजा मल निवासी 19/5, मोती नगर, नुई विल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री महोन्द्र कुमार सुपुत्र श्री रती लाल पटोल, शिश कार्त, सुरोश भाई, इन्द्रा वदनभाई, नवनीत भाई, बिपिन चन्द्र, सुपुत्र श्री छागन लाल पटोल, निवासी 30, नन्द किशोर बिल्डींग, मेन बाजार, एस/मंडी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्**ची**

शाप नं 76, इन्द्रा मार्केट, एस/मंडी, दिल्ली।

विमल विधिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 6-11-1981 े-

मोहरः

प्रकप शाई० टी० एन०, एस०-

आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नर्ध दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं 3 नि स आ आ /एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7562---चूं कि में, विमल विशिष्ट, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/= हपये से प्रधिक है और

जिसकी संख्या 2202, इलाका नं. 8 है एवं जो बाजार सीता राम विल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विथा गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारंट कन्मीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है भीर मुझे यह विभ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्राधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्ग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत अक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या अनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्थारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः, श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीतः --- (1) क्रुमारी सत्य वती स्पृत्ती पं. राज जय नारायण, पत्नी स्वर्गीय श्री हजारी शेर सिंह, निवासी 2208/13, पार्ट नं. 2, बाजार सीताराम, दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री विनोद काुमार पुत्र श्री कांती प्रसाद, नियासी 2191, काुचा अकिल लां बाजार सीता राम, दिल्ली-6।

(अंतरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उना सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूवता के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रश्चिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत मुक्ता क राजगत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्राधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिट नियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2202, इलाका नं. 8, बाजार सीताराम, दिल्ली।

विमल विद्यालय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 6-11-1981

सील 🖫

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज, ''एच'' ब्लांक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्घ दिल्ली

नर्क दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

मंदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7487-- चुंकि में, विमल विशिष्ट, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-

ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्था**वर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

रु. से अधिक ही और

जिसकी संख्या 5413 है एवं जो लंबेरो, कमाबपुरा रोड, सदर बाजार में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेंट कन्सीडरशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है . ओ पुर्वाकित संपृतित के उचित बाजार मृल्य में कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा 🕏 लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री चुनी लाल सुपुत्र श्री सन्धर दास, 7050, गली मसँजीद वाली, ब्रेरी वाला बाग, पुल बंगस दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री राममोहन. 2-सी, रामनगर, पहाडगंज, नई दिल्ली। (अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, षा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

प्रो. नं. 5413, कसाबपुरा रोड़, सदर बाजार, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, नहीं दिल्ली

दिनोक : 6-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवस्वर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. //एक्सीजीशन-2/एस-आर1/3-81/7477---यत:, मुक्ते, विमल विशिष्ट, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अश्रीत नक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है श्रीर

जिसकी संख्या प्लाट नं. 43, ब्लौक 'इ' है एवं जो मानसरोवर गाडोंन, वसई दारापुर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली रिथत कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सींडरोचन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गवा है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रमीन कर देने के ग्रन्तरम के बाबित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उक्त ग्रीव्यनियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, छक्त ग्रीव्यनियम की बारा 269-न की उपवारा (1) के ग्रावीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—— 5—366GI/81

(1) श्रीमती इन्दीरा अंरोड़ा पत्नी श्री चमन लाल अरोड़ा व्वारा जेनरल अटानी श्री वार्ड. पी. प्री एल-4, कौनाश कालोनी, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर पाल सिंह सूपुत्र एस. ग्रचरन रिसंह, निवासी अ-5/165, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब स किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास जिखात में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उच्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 43, ब्लीक 'ई' एरीया 300 वर्ग गज, मान-सरोवर गार्डेन, बसई दारापुर, नई दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकार स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रौज 2, नई विल्ली

विनाक : 6-11-1981

माहर 🔅

प्ररूप आहू .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नहीं दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4357---च्वि म्भो, विमल विशिष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम बपरौला, विल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची में दिया गया है, की पंजीकरण अबिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरोशन) पर हम्तान्तरित कर दी गई है

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री गीरधारी सूप्त्र श्री हाथी, ग्राम बपराँसा, दिल्ली, जेनरल अटनी श्री शकरीया सूप्त्र श्री निहाल, निवासी बपराँला, दिल्ली।

हस्तात**र**णकर्ता

(2) श्री राजीन्दर सिंह सुप्त्र श्री रीजल सिंह, निवासी अपूरीला, दिल्ली। (हस्सातरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिधा गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 27 बिघे और 8 बिख्वे, ग्राम बपरौला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-2, नई दिल्ली

क्तः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधित प्र---

तारी**व**ः 6**-**11-1981

मोहर् 🕾

प्ररूप आई. टी. एन्. एत.---

भाक्कर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन्, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्द दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्कीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4355---यत:, मुभ्ने, विमल विशिष्ट,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

जिसकी संख्या 6/1, खसरा नं. 34/12-1 है एवं जो शामेपूर ब्लौक-ए, पार्ट-1 में स्तिथ है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विद्या गया है, की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्वित व्यक्तियों, अधीत है—-

- (1) श्री राम जी दास सूपूत्र श्री टहेल सिंह भूटानी, मदन लाल सूपूत्र श्री घमन लाल, निवासी 1465, पारा मोहला इलाका नं 3, राहतक (हरियाणा)। (अंसरक)
- (2) श्रीमती विद्यावंती पत्नी श्री छोटे लाल, श्रीमती सोभा जैन, पत्नी श्री मोहन लाल, निवासी 123, विरनगर, जैन कालोनी, जी. टी. रोड, दिल्ली करनाल, दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि शांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, व्ही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 6/1, ब्लौंक-1, पार्ट-1, ससरा नं. 34/12-19, ग्राम शामेपूर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर 🌣

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमुता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, ''एच'' ब्लाँक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्घा दिल्ली-110002

नर्द दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4347—यतः मुक्ते, विमल विशष्ट, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

जिसकी संख्या स्वसरा नं. 326, 10 विष्या है एवं जो ग्राम साहिबाबाद, वीलतपूर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के भिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धांधक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तमे वजन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आध या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्री दिलेल सिंह सुपूत्र श्री हीरा सिंह निवासी ग्राम और पो. साहिबाबाद, दौलसपूर, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री अभिष्य गुप्ता बेनिफिट ट्रस्ट, 950 कर्ष्मा पाती राम, बाजार सीता राम दिल्ली ट्रस्टी श्री राम गोपाल गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीतत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पधों का, जी उक्त अधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसूची

भूमि 10 विश्वे, भाग खस्तरा नं. 326, ग्राम्-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन् रोज-2, नई विल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

नायुकर अ<u>धिन्यम</u>, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- श (1) के अधीन सुन्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्इ विल्ली-110002

नक्ष दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4345—-यतः म्फे, विमल विशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो साहिबाबाद दौलतपुर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पृशांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्त्रिक रूप से कृषित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविशा के लिए; अडि/या
- (ड) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित अधिनत्यों, अधीत ह—

- (1) श्री दीलेल सिंह पूत्र श्री हिरा सिंह निवासी ग्राम पो. साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली । (हस्तांतरणकर्ता)
- (2) श्री कपील खन्ड लवाल बैनीफिट ट्रस्ट, 950 कर्षा पाती राम बाजार सीता राम, विल्ली । (हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरुण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 विश्वे, अस'रा नं 326, ग्राम-साहिबाबाद, बौलत, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहरः∄

प्रक्षम् आर्थे० द्वी • एन • एस •---

भारत का राजवत, दिसम्बर 12, 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज. नक्क विल्ली

नई विल्ली-110002, विनांक 6 नवस्वर 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . आ . /एक्क्वीजीकन-2/एस-आर-1 3-81/7629—-कृ कि में , विमल विशिष्ट ,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी संख्या 7786 है, एवं जो बाराहिन्दु राव में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्य से कम के व्राप्तान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्म, उस हे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित तहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिचित व्यक्तियों अर्थात् ह—

- (1) श्री अभरनाथ खेमका सुपुत्र स्वर्गीय श्री आत्मा राम खेमका, निवासी-4428, गनेश बाजार, विल्ली (अंतरक)
- (2) श्रीमती निरमला जैन पत्नी श्री भागवत प्रसाद जैन, निवासी गली जैन मंदिर, पहारी धीरज, दिल्ली। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींश्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इव सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्ण होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अनसची

दों मंजीली मकान पार्ट 7786, प्राइवेट नं 43, 44, 46, 47, 48 जी एफ 1-ए, 2-ए, 4-ए, 5-ए, 6-ए, एफ एफ , स्थापित-धमेलीयान रोड, बाराहिन्द राव वार्ड नं 14. दिल्ली।

विमल वृष्ठाष्ट्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

प्रकृष् आइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नर्क दिल्ली

नर्षः दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . आ . /एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/4316--चुं कि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-🕊 के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण \mathbf{g}^{\bullet} कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं. 8, रोड नं. 68 है, एवं जो पंजाबी बाग, नर्द दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रष्ठ प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उक्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिन्दिस व्यक्तियों अर्थात् धन-

(1) श्रीमती पृष्प लता हुंन्डा विधवा पत्नी श्री सोम नाथ हुन्डा निवासी-258, जोशी गोड, करोल बाग, नर्डा दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नव निहाल सिंह साहनी सुपूत्र एसः अवतार सिंह साहनी निवासी-ए-88, विशाल-इनक्लेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सू ची

प्लाट नं. 8, रोड नं. 68, एरिया 279 55 वर्ग गुज पंजाबी बाग, नई विल्ली ।

> विसल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नक्क दिल्ली

नर्इ दिल्ली-110002, दिलांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/4319---चृतिक में, विमन्त विशिष्ट,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक है

25,000/ रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या डब्ल्यू-जेड-603, प्लाट नं. 21 हैं, एवं जो खसरा नं. 602, ग्राम-तीहार, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया बया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को पूर्नोंक्त संपर्तित के उधित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- पल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त, व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री सीरी राम, सुपृत्र लाला मोहन मल निवासी-20 बी/91-बी, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुरजीत कार लम्बा, पत्नी एल. अमृत सिंह लम्बा, के-36, फत्तेह नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

डब्ल्यू-जेंड-603, प्लाट नं. 21, खमरा नं. 602, स्थापित फतह नगर, ग्राम-तिहार, नई बिल्ली, 150 वर्ग गज।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

तारीब : 6-11-1981

महिर 🦠

प्रकप आई• टी• एव• एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-2 े "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट अर्जन रंज, नर्द्र दिल्ली

नर्द दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

मंदर्भ सं . 3 नि . स . आ . / एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/ 3-81/3-81/4328---चृंकि मैं, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 41/41 है, एवं जो पंजाबी बाग, में स्थित है, जिस्का अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पैर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धर्ममान प्रतिफल से, ऐसे धर्ममान प्रतिफल का पन्द्रहः प्रतिचात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ं (क) अन्तरण से हुइ किसी बागुकी वावत उक्त अभि-नियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गैर/या
 - (स) एोसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जला त्राहिए था, कियाने में सर्विभा ने लिए:

बत: अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुतरण बें, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिंखित व्यक्तियों मर्थात् 🖫 😑

6-366GI/81

(1) मैं नानकसर आश्रम, सीयाहर, जिला-लधीयाना, (पंजाब), द्वारा ट्रस्टी श्री हरनेक सिंह सुपुप्र श्री सौदागर सिंह

(अन्तरक)

(2) मैं ओ. पी. जीन्दल चंरीट बत इस्ट हिसार (हरी-याणा) - रतन कामार जीन्दाय समूत्र श्री आं. पी. **जीन्द**ल

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वोदित सम्परितं के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोकत . व्यक्तियों मीं सी किसी व्यक्ति बनाना,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में अकारतन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभारताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्परकीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

प्रो. नं 41/41, पंजाबी बाग, दिल्ली ग्राम-मादीपूर, 2222 - 22 वर्ग गज ≀

> विभव बिशप्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 18-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप धाई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 वि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एम-आर-1/3-81/7532——च कि में, विभल विशिष्ट,

भायकर श्रिधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिरे इनर्नेडनके पश्चात् 'छक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के प्रधीर मजन नाधिकारी को पर विश्वास करते का कारण है कि स्मावर वस्तीत जिनका उत्ति जानार पूर्व 25,000/- स्पर् मे अधिक है

और जिसकी संख्या 2238 है, एवं को कोरा काठी, एस/मंडी, मों क्थित हो, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची मो दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय मों दिस्कि मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से यजि है और यन्तरह (पनारहों) और ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छड़ेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनयम, या धनकर ग्रीधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्न लिखित न्यक्तियों अर्थात :—

- (1) श्रीमती विद्या बन्ती विधवा पत्नी मुलस राज 2238 शोरा कोठी, एस/मंडी, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राज बाला चमनलाल गुप्ता और अदर्स 29/ 3, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा ग्रश्रोहस्ताक्षरी के पास खिख्लित में किये जा सकेंगे।

हराबड़ी हरगा: ---इसमें प्रयुक्त गाव्दों श्रीर पदों हा, जी उक्त ग्राधिक नियम के श्राच्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस ग्राह्माय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो. नं. 2238, शोरा कोठी, एस/मंडी, दिल्ली।

विभाग विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, स्इीदल्ली

ता्रीम : 16-11-1981

प्ररूप बाई. टी. एन. एस ------

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

न**र्ह** विल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1[,]3-81/7499——चुकि मीं, विमल विशय्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वं) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था 2662 वार्ड -6 है, एवं जो बरादरीशेर अफयसान, बलीमारन, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यलय में दिलांक मार्च 81

(अपरंट कन्सीडर्शन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्त्विक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मंजूर इलाही मुपूत्र एल. शंख मेहर इलाही हबीब जहान पत्नी मजूर इलाही, निवासी 2446, बारादरी बंलीमारन, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरंश कुमार जैन सूपूत्र जगदीश प्रसाद जैन, निवासी 1734, नई दस्ती नया त्राजार, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- समुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रा. नं 2662, वार्डन 6, बारदरों शेर अफ्यन खान, बलीमारन, दिल्ली।

विमल ब्रिक्ट स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

सतः अस, जनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित स्यक्तियों, अर्थात्:—

तारांख : 16-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सह।यक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
. अर्जन रोज-2, नहीं विल्ली

नइ दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7489--च कि मी, विमल विशिष्ट, व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उपित बाजार मृल्य 25,000/- रत्पए से अधिक **ह**ै और जिसकी रहिया 105 है, एवं जो बनारसी वास स्टोट तिमार पुर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संनग्न अनू-सुची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली रिथत कार्या-लय में दिनांक सार्च, 1981 (अपार्श्ट कम्मीडरोशन) पर हम्तांतरित कर दी गई है ओ को पूर्विक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपृत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उ**द्दरेय से उक्त अन्तरण** लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग को अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित अयिकत्यों अर्थात्ः—

- (1) श्रीमती सुधिल कुमारी बागा, पत्नी श्री सीताराम बागा, निवासी-105, बनारसी दास इस्टेट, तिमार पुर, दिल्ली
 - (अन्तरक)
- -(2) श्रीमती विभला वर्मा विश्वा पत्नी श्री सतदेव वर्मा, निवासी-105, बनारसी दास इस्टेंट, दिल्ली (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उत्कत स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त पाब्दों और पर्वों का जो उपक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्की

प्रो. नं. 105, बनारसी दास इस्टेंट तीमार पुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

तारीच : 16-11-1981

सीव 🗵

प्रकृप आई. टी. एन.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संवर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4287--- चू कि मैं, विमल विशष्ट, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि हो, एवं जो ग्राम-मौजे मिरजापूर, पालम, में स्थित हो, जिमका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुमूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री हाशियार सिंह सृपुत्र भरतु निवासी-पालम, नर्दा दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै. जी. एस. बिल्डर्स एण्ड एसोसिएट्स, सी-50, एन. डी. एस. इं.-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि किला नं 19 और 22, ग्राम-मौजा मिरजापूर, पालम, नई दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-11-1981

प्रकप भाईं टी० एन० एस०-

अस्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, नद्द दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिसांक 6 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7525--- चुकि मैं, विमल विशिष्ट,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका ढिबन राजार मुख्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. एच-51 है, एवं जो नर्दन सीटी स्कीम, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवर्ण संलग्न अनुसची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पृव्यैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रति फूल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अपरने का कारण है कि ययापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर मन्तरक (मन्तरकों) घोर अन्तरिती (अम्तरितियों) के भीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उत्तर मन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया बबा है :---

- (क) पन्तरण में हुई किसी माय की बाबत उकत भ्रिष्ठ-नियम के प्रश्रीत कर देने के अन्तरक के दाण्टित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (स्त्र) ऐसी कियो पात्र या किसी धन या अस्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, (1922 का 11) वा उपत प्रक्षिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मूर्विधा के लिए ।

अतः अत्र, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अकिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) •बिक्तयों, निम्नलिकित अर्थात :---

- (1) श्रीमती सुमन सँहरल पत्नी के. एन. सहराल एण्ड आदर्श, निवासी-23-ए, रिंग रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला खन्ना पत्नी मदन लाल खन्ना, निवासी 4/53, रूप नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रजेत के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी घवशि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति हितवड किसी भ्रम्य ग्यक्ति द्वारा, भ्रश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवदीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-新 परिमाणित हैं, वहीं मर्थे होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

मकान नं. 51, नर्दान सीटी स्कीम, रूप नगर, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर 🛭

प्रकृष प्राई • टी • एन • एस •----

आथकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. जा. आ./एक्बीजीशन-2/एम-आर-1/3-81/7480——चृकि में, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के पश्वात् 'उक्त प्रितियम' कड़ा गया है), की घारा 269-ख के अधीत समम पाष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्यत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी संख्या आई-30-ए हैं, एवं जो किती नगर, में स्थित है जिसका अधिक दिस्तृत विदरण संलग्न अन्सूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यनय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अनतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रसारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमो करा या उसने बचने में सुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन एग अन्य भास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए।

मतः सम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थन :--

- (1) श्रीमती कमलावन्ती पत्नी रोशन लाल रावल निवासी-1-30ए, कीती नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) में इन्डिया आवरमीज एक्सपोर्ट, 19 अमृत कौर मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की भवश्चिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवश्चि को भी भवश्चित्रा में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 • दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राष्ट्रीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनसूची

मकान नं. 1-30ए, कितीं नगर, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख: 6-11-1981

मोहर 🗓

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

मंदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्त्रीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7520—द्दा:, मुक्ते, विमल विशष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 19 है, एवं जो ग्रीन हाउस, रोशनारा, एक्स. स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारों के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81' को इतने प्रकट प्रतिफल (आपरेट इन्सीइ्शेन) पर हस्तांन्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलि<u>चित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--</u>

- (1) श्रीमती स्रदा जी. अरनेजा, पत्नी एल. गोबिन्द राम, एच-21, महारानी बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरवती दोवी, पत्नी सत्य नारायण, एण्ड अदर्म, 19/4, शक्ति नगर, ग्रीन हाउस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

वनुस्ची

प्लाट नं. 4, ब्लाक नं. 19, ग्रीन हाउस, रोशनारा एक्स, स्कीम, एस/मंडी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नहीं विल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर₄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ इस्टोट, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन- $2/\nu$ स-आर-1/3-81/7502—-्यतः, मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के धधीन सभम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिचत बाजार मृष्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 27 रोड-10 है, एवं जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्गेट इन्सीड्रेशन) पर हस्तान्तरित कर वी गर्ड है

जो नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य छसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य से उन्त अन्तरिन लिखित में बास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सायत उपनत अधि-नियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दाविश्व में कमी करने या उपसे जयने में वृषिता के जिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की जणबारा (1) के अधीन, जिम्नलिखिन व्यक्तियों,अर्थात ।—-ए—366GI/81 (1) श्रीमती गुरुबचन कौर छाबड़ा पत्नी बी. एस. छाबड़ा, निवासी-ए-48-ए./1, नारायणा विहार, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द गर्ग सृपुत्र एल्. श्री शम्बूं दयाल गर्ग, निवासी-15/26, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका सम्प्रित के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस मे 30 दिन की धविष्ठ, जो भी शविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्बों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राह्माय 20-क में परिचाणित है, वही ग्रर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं. 27, रोड मं. 10, पंजाबी बाग, ग्राम-बसर्घ दारा पुर, नर्घ दिल्ली।

> ावमल वाद्याष्ट्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, नर्द्य दिल्ली

तारी**स** : 6-11-1981

प्ररूप आह. दी. एन . एस: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नद्य दिल्ली-110002 रुट्ट दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ/एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4304---यतः, म्फो, विभान विशिष्ट, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-सिंघौला में स्थित हैं जिसका अधिक विरुत्त विदरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81 को इतनं प्रकट प्रतिफल (जणरीट कन्सी- इरोशन पर हस्तारित कर दी गई हैं जो

को पूर्वोक्षत संमित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय काँ वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क्षें अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री राम चन्दर सुपुत्र अवय राम एण्ड अदर्स, निवासी-ग्राम-सिंघौला, दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री गुरबचन सिंह सुपृत्र मेहर सिंह, निवासी-डी-90, अशोक विहार फॅस-1, नई दिल्ली। . (अन्तरिसी)

का यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त क्रोती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---ध्समें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-सिंघौला, दिल्ली।

विकल वर्षिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्द दिल्ली

तारील : 6-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नद्याः दिल्ली

नर्ध दिल्ली-110002, दिसांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्त्रीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7631—यतः, म्भ्के, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था 7786 है, एवं जो चमेलीयन रोड, बारा हिन्द् राव में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपानेट कन्सीडरोशन पर हस्तान्तरण कर दी गई है

जो पूर्वितित संपित के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री असर नाथ खोमका सुपुत्र श्री आत्मारास खोमका, 4428, गनेश बाजार, क्लाथ मार्केट, फतेहपूरी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्त लाल सुपृत्र बीशम्बर दयाल गुप्ता, निवासी 8756, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

र्नः 7786, चर्मलीयन राष्ट्र, बाराहिन्द् राव, वार्ड नंः 14, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981 ---

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।। नहाँ दिल्ली

नर्द्ध हिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/ 3-81/1789—-चुंकि मैं विमल विशिष्ट,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2813, है एवं जो वार्ड-6, गली पिपल महा-देव, हांज काजी, में स्थित है जिसका अधिक बिस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती लता रानी, पत्नी शशि कुमार सिंह - निवासी-2813, पिपल महादेव होज काजी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला सक्सेना, पत्नी निरंजन स्वरूप सक्सेना, निवासी-2813, पीपल महादेव, हाँज काजी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:----

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अगसरी

ने. 2813, वार्ड नं. 6, गली पीपल महादवे, हाँज काजी, दिल्ली।

विमल वि**शब्ध** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्इ दिल्ली।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में उक्त अधिनियम की धारा 296-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः---

तारीख : 6-11-81

प्र**क**प माई० टी० एन० एस०---

आयकर अभिगंत्रयम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269ष(1) के भ्राघीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संबर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7598---चूं कि में, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छन्ति बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी संख्या सी-6/20, है एवं जो राणा प्रताप बाग, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां)

के अधिन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय से दिनांक

मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोतंफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितां (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काकत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं तुई कियो आग को नावन, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के घनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की खपधारा (1) के ग्राधीन, निम्निसित व्यक्तियों, प्रवितः :--- (1) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी दया राम गुप्ता सी-6/20, राणा प्रताप बाग, विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री ओ. पी. दता सुपृत्र गोबिन्द सहाय दता एण्ड अदर्स मकान नं. 18, रोड नं. 13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके । विकास सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उपत यंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की पविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति शरा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्पद्धीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसंची

मकान नं. सी-6/20, राणा प्रताप बाग, विल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हायक आवकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)** अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्क्रप्रस्थ स्टोट नई विल्ली

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7576— मुंकि में विमल विशिष्ट,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एच-55, हैं एवं जो राजोरी गार्डोन, बसई दाराप्र में स्थित अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 1081

को "पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री हरजीत सिंह कलसी सुपुत्र बीर सिंह कलसी, निवासी-सी-जे-6/147, राजोरी गाड न, नुई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री चीतरंजन कथुरीया सुपुत्र एस . पी . कथुरीया, निवासी एच-55, राजोरी गार्डोन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ,

प्लाट नं. एच-55, राजारी गाड[े]न ग्राम-बसडे वारापर. दिल्ली

> विमल **विश**ष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्दो विल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 6-11-1981

प्ररूप आई.दी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयक्त (निरीक्षण)

र्जन र ज-।।, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7482—चुकि में, विमल विशष्ट,

आयक र अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 127 है एवं जो ब्लीक 'सी' विर नगर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय मे दिनाक मार्च 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डिप्टी लाल जैन मकान नं 142, फेस-1, अशोक विहार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाश चन्द जैन एण्ड अदर्स निवासी-4614, पहारी चीरज दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 127, ब्लॉक 'सी'-विर नगर, बिस्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारीय : 6-11-1981

सील :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के समीन सुचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली

नर्झ दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

मंदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7569--चुकि में विमल विशिष्ट,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसेकी संख्या प्लाट ने 121 है एवं जो पुरानी गुफ्त कालोनी में स्थित हैं, जिसका अधिक बिस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीक रण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

की पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण कें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती देवका रानी पत्नी श्री ओ. पी. वर्मा निवासी-121 पुरानी गुप्ता कालोनी, विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सी. एस. पनवार सृपृत्र रधुबीर सिंह िनवासी-इ-6, सी. सी. कालोनी, दिल्ली (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

प्लाट नं. 121, पुरानी गुप्ता कालोनी, दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, नई विल्ली

तारीब : 6-11-1981

प्रूष्ट् आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली नहीं दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7488--चृकि मैं विमल विशिष्ट,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5671 है एवं जो चन्द्रावल एस/मंडी, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

कों पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रस्यमान प्रतिफल में, एमें द्रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जवने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

के लिए;

(1) श्री क्षेत्र भान सुपूत्र राम, पंजाब बस्ती एस, मंडी,

(अन्तरकः,

(2) श्रीमती रानी बजाज पत्नी सत पाल बजाज, निवासी-वार्ड नं 12, मकान नं 5671, चन्द्रावल एस/ मंजी, दिल्ली

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हितयब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा स्थाहिन्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं. 5671, वार्ड नं. 12, चन्द्रावल एस/मंडी, विल्ली

> विमल वृशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्हो दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7581—चूं कि में विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा

269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 9 ब्लॉंक 'इ' हैं एवं जो भारोत्वा, आदर्स नगर कालोनी में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विव-रण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के के विल्ली स्थित कार्यालय में विनाक मार्च 1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दौयित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती शिला वन्ती रघुकुल भुषण निवासी-सी-1/ 150, लाजपत नगर, नक्ष विल्ली
- (अन्तरक)
 (2) श्री बंद प्रकाश और पवन कुमार सुपृत्र राम अवतार, निवासी सी-79-ए, कमला नगर, विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 9, ब्लाँक ' \mathbf{x}^{i} ', ग्राम भारोला, आदर्श नगर, कालोनी दि $\frac{1}{2}$

विमल वृशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रजेनाा, नई दिल्ली

त्रारीख : 6-11-1981

मोहर 🔆

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7516——चूंकि में विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5836 है एवं जो बस्ती हरक ल सिंह सबर थाना रोड में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक ख्या से किथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धमन लाल पंडीत सूपृत्र एल श्री हर प्रसाद, पंडीत, निवासी-3205/2, काजी वारा अम्बाला सीटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन दोवी गुप्ता पत्नी में घासी राम निवासी निवासी 5663/20, बस्ती हरफूल सिंह, थाना रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो नं 5836, बस्ती हरफुल सिंह सदर थाना रोड, दिल्ली

विमल वृशिष्ट सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नद्दे दिल्ली

तारील : 6-11-1981

प्ररूप आर्च.टी.एन्.एस्. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/ 3-81/4298-- चूं कि मै विमल विशिष्ट, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो मसुदाबाद नजफगढ़, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसुची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

25,000 / रु. से अधिक है

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए`सीकिसीआय याकिसीभनमा अन्य अस्तियाँ क्रो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभाके लिए;

(1) श्री अन्थानी दोशाँजा सुपुत्र पेटरं दोशाँजा, ए-39 चितरंजन पार्क, नई विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीटी एस बागा एस करतार सिंह बागा, 9/6522, दोव नगर करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत् क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम्-मसुदाबाद, नजफ गढ़, दिल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई विल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

तारील : 6-11-1981

मोहर ≟

प्रकप् आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लोक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टांट, नर्दा दिल्ली

नक्षे दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. /एक्बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4297—**प्**कि मैं विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि हैं एवं जो सस्वाबाद, नजफगढ़, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

का पूर्वितत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पर्द्राध्व प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्भा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती वेरोनीका वेशींजा पत्नी अन्थानी देशींजा 'ए' -39, चितरजन पार्क, नई दिल्ली
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जी. एस. सागु सुपुत्र शाम सिंह निवासी-सी-4 ए/63-बी, जनक पुरी, नर्ह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वों कत सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कृषि भूमि ग्राम-मसुदाबाद, नजफ गढ़, नई दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ह दिल्ली

तारील : 6-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-2, ''एच'' ब्लॉक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्इ दिल्ली

नर्द विल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संबर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7519—चुक्ति में विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1680 है एवं जो कचा जाट मल, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिटफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रितिफल से, एसे दहयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती गयारसी व वी पत्नी निहाल चन्द एण्ड अवर्स 1820-ए, भागीरथ पुलंस, विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी ईश्वर नाथ एण्ड अदर्स निवासी-2111, धोवी वारा किनारी बाजार, दिल्ली (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूधी

1680, क्रुका जाट मल, दिल्ली

विमल वृशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रॅंज-2, नर्ह दिल्ली

तारी**व** : 6-11-1981 -

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

श्रायकर अधिनियेम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, ''एच'' ब्लोक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ह दिल्ली

नर्इ दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7605——चू कि में, विमल बिशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संस्था 408 से 410 हैं एवं जो कूचा बूजनाथ चान्दनी चौंक में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

जां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) शी गोपाल राय सूप्त्र श्रीमती मिरो बाई, निवासी~ 1913, पटेवान का रास्ता, चावरा रास्ता जयपूर (अन्तरक)
- (2) श्री हाशीयार सिंह सुपुत्र जवाला प्रमाद एण्ड अदर्स निवासी 41/16, अशांक नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा∦
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्त्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. मं. 408 से 410, कुचा बृज नाथ चान्दनी चौक, दिल्ली

विमल वृशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

सारील : 6-11-1981

शहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-2, ''एच'' ब्लोक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्बीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7630——चु कि मीं, विमल विशिष्ट,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन]सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी संख्या 7786, है एवं जो चमेलीयन रोड, बाराहिन्द्र राव, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के र श्यमान प्रतिफल के लिए प्राप्तरित की गई है और मुहं यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फश निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरच सिखित में बाम्यिक कप से किया नहीं किया नया है।—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या जन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मिंचियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '——

- (1) श्री अमर नाथ खोमका सुपृत्र स्वर्गीय श्री आत्मा राम खोमका, 4428, गनेश बाजार, क्लीथ मार्केट, फतेहपुरी दिल्ली-6, (अन्तरका)
- (2) मैं. कमल हारेसीयरी (इनडस्ट्री) 5-कमल कटी भव-मल कालोनी, मोडल टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मत्ति के प्रजैन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहरनाक्षरी के पाप निखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों त्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं दोगा जो उस प्रशाप में दिया गया है।

जम्सूची

दों मंजीली मकान नं 7786, प्राइवेट नं 55 से 59, और ग्राउन्ड फ्लोर 125, ग्राउन्ड फ्लोर-13-ए, 14-ए, 15-ए,-16-ए,-17-ए, प्रथम मंजी, चमेलीयन रोड, बाराहिन्दू राव, दिल्ली-6

> विमल वृशिष्ट सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नर्हे दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहरू 🗓

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एच्'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं नि सं आ आ /एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7620---चूंकि मैं, विमल विशष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

जिसकी संख्या बी-483 है एवं जो मजलीस पार्क में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संल्प्न सूची में दिया गया, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नेक दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बांया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रक्तरक के दाविस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, बक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---9 —366GI/11

- (1) श्री हरजास राय पूरी सूप्त्र बदरी नाथ पूरी बी-483, मंजलीस पार्क्, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जग रानी पत्नी शाम लाल एण्ड अदर्स, निवासी ई-13, कमला नगर, दिल्ली । (अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यता में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत हारा, अधोहरूताकारी के पास जिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त धाधिनियम; के भड़याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जी उस भड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. बी-483, मजलीस पार्क, दिल्ली।

विभल वशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, ''एच'' ब्लोक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/381/7627—-च्ंकि में, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

जिसकी संख्या प्लाट नं. 2 हैं एवं जो पंजाबी बाग में स्थित है, जिसका अधिक दिस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) का अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उव्वरेय से उका अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राम निवास खोशला एण्ड सन्स एक. यू. एफ. आर्ड/260, डीडीए फ्लंट, नरायणा, नर्झ दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लीलावती गोयल, 20/4, पूराना मार्केट वेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवती करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं . 2, रीड नं . 33, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्हा दिल्ली

विनांक : 6-11-81

प्रक्रम बार्ड . दी. एत., एस. -----

बायकर स्रिप्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के स्पीन स्थाना

भारत सरकार

काम्बियुक्त सहायक नायुक्त नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन् रॉज, ''एच्'' ब्लोक, विकास भवन्, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नुद्द⁶ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्बीजीशन-2/एसु-आर-1/3-81/7509--यतः, म्भे, विमल विशिष्ट,

जाबकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्दे प्रचाद 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-इन के मुधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

फ. से अधिक हैं

जिसकी संख्या 2115 से 2117 है एवं जो चाह इन्दरा, एच. सी. सेन रो में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार कुक्ष, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक क्स से किथत नहीं किया गया है:--

- (का) जन्तुरण से हुई किसी आश की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीत कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना शाक्षिण था कियाने में सविधा के निस्

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिवित क्विंक्सों, अधीत् :---

(1) श्री सुनील मोहन, डी-316, डिफन्स कालोनी, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनूप क्यार अग्रवाल, निवासी 2003, कर्ता लुख सिंह दिल्ली एण्ड अवर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पृष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृंग है।

अग्सूची

म्युनिसीपल नं. 2115 से 2117, चाह इन्दरा, एच. सी. सेनु राड, दिल्ली ।

विसल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आगुकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन <u>र</u>ज-2, नर्ष विल्ली

विनांक: 12-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पृता

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिनांक 16 नव्यक्तर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस्-आर-1/3-81/7625——चूिक में, विमल विशष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/—रु. से अधिक हैं

जिसकी संख्या जीवीक्यू-15/20 ही एवं जो ईस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली में स्थित ही, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विथा गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिलाक मार्च 81

की पूर्वोक्त संपत्ति के जिस्त नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निल्सित उद्देश्य से उस्त अन्तरण िल्हित में वास्तिन कम से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उनत अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सूबिशा के लिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती एलीयस नानकी दोवी, श्रीमती नानकी बाई विभवा पत्नी श्री लेख राज निवासी-15/20, इस्टि पटोल नगर, नई दिल्ली ।

(अ्न्तरक)

(2) श्री विश्वा मित्रा सुपृत्र श्री मूलस राज बहेल और अवर्स, निवासी-15/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के क्रांन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेपः --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर वृत्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

वनुसूची

जी बी क्यू. 15/20, **इ**स्ट पटोलु नगर, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट स्थान प्राप्तिकारी सहायक आयक्त (निरीक्तण) अर्जन रंज-2, नहीं दिल्ली

दिनांक : 16-11-1981

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एक्'' ब्लीक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टॉट नर्इ विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ सं नि स आ आ / एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-31/7643— चूं कि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है जसकी मंख्या 840 से 844 है एवं जो महश्च वास, वार्ड नं 5, नई मड़क में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण वंलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थरा कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खांचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के तिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रबः, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-घ की उपन्नारा (1) के के अभीन, निम्निविद्युत स्युविद्यों, वर्धांद् (1) श्रीमती राज रानी पत्नी हर नृरायन खना, निवासी-820 नहीं सड़क, दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर नरायण खना, अरिवन्द नरायण खना सूपुत्र हरनारायण खना निवासी-820, नर्द सड़क, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--वसमें प्रयुक्त एक्दों प्रौर पद्दों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में क्यिंग गया हैं।

अनुसूची

प्रो. नं. 840 से 844 कटरा महोश दास, वार्ड नं. 5, नुर्ह सङ्क्र, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रॉज-2, नर्द दिल्ली

विनांक : 16-11-1981

मोहार :

प्रस्प बाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली-110002

नक्षे दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.सं.आं.आं./एक्वीजीशन-1/एस-आर/3-81/2994—चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) (जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269-बी) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी होने के नाते कारणवश यह विश्वास करता हूं कि 25000/- के उचित बाजार मूल्य से अधिक की अचल संपरित जिसकी संख्या एच-31 है एवं जो एन.डी.एस.ईं.-1, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च 1981

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि युधापुन्नित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह बितस्त से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तिमां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिर्ती द्वारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (2) श्री अज़ीत सिंह, एच-31, एन्.डी.एस्.ई.-1, न्ई विल्ली। (बन्तरिती)

क्षेत्र बृचना जारी कर्के पृत्रीक्ष्य तुम्बुटित की अर्जन के सिक् कार्यनाहिन करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के उम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 विन की बन्धि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्थाबत ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मिकिरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उनक जिथिनियम, के अध्याय 20 क में पृत्रिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

मनसूची

प्रो. नं एच-31, एन.डी.एस.इ.-1, नह विल्ली ।

आर. बी. एल, अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् उर्ज-1, नुद्दे विल्ली

विनांक : 12-11-1981

माहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, ''एच'' ब्लोंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्द दिल्ली-110002

- ___ न६ दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवस्थर 1981

संवर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3002---च्रिंक में, आर. बी. एल. अग्रवाल, पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

र० से अधिक है,

और जिस्की सं. बी-10 है एवं जो कालिन्दी कालोनी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित | बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त भिर्मित्यम, के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उनत प्रधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उपत प्रविनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के बादीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीतः--

- (1) मैं. जार. सी. सूद एण्ड कं. प्रा. लि. इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगप्रा एक्स. नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शशि प्रभा सी/ओ मैं. किशोरी लाल एण्ड · सन्स क्लोथ मर्चोन्ट, नहीं सड़क दिल्ली । (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो खक्त श्रिष्ठितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/16, हिस्से प्लाट नं. बी-10, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली ।

> आर. बी. एल. अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981

मोहर ः

प्ररूप भाई०टी० इन० एस०---

भागकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ''एच'' ब्लिक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट

न**र्इ** दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3024—चूं कि मैं, आर. बी. एल. अप्रवाल, प्रायक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'जक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से धिक है

और जिसकी संख्या बी-1/54 है एवं जो मालवीय नगर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अगीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफ न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक स्था से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के जन्तरक के क्यिंटव में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसा घन या प्रस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क प्रधिनियम, या धन कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, ग्रंक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रंधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) डा. राज कुमार डांगरा, सूपूत्र श्री ठाकार दास डांगरा, इ-469, ग्रंटर कैलाश-।।, न**र्ह पि**ल्ली। (अंतरक)
- (2) श्री सतीश कामार सद स्पृत्र स्वर्गीय श्री सूल दयाल सूद, न 11, लोवर बाजार, शिमला (हिमाचल प्रदेश) ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्व**न के लिएकार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पढ़ों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि तथा भवन संख्या बी-1/54 मालवीय नगर नर्इ दिल्ली का 1/3 भाग ।

आर बी एल अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नर्झ दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981

मोहर 😃

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एक्'' ब्लॉिक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3004—चुकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या बी-63 है एवं जो निजामदीन वेस्ट में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूधी में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शिलक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करा। का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह भिताशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जक्त घर्षि-नियम के घ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या ग्रन्थ भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थातः :-10 —366GI/81

- (1) मैं. बक्शी राम विजय कूमार संठ, 649 कटरा हरदयाल, चादनी चौक विल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री अभन राय, मिस शिल्पीका राव, और वीपीका राव, सूपुत्री श्री शाँकत राय, निवासी 14-एफ सेन्ट्रल रिंग कनाट प्लेस, नई विल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रत्ति में हिन्-बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिप। गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. जी/63, क्षेत्रफल 198 वर्ग गज, निजामुदीन वेस्ट, नहीं दिल्ली ।

आर. बी. एल. अग्रक्षाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-1, नई दिल्ली

विनांक : 12-11-1981

मोहर 🚁

प्ररूप आहे.टी.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

शार्व ब्रेंकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2941—-चंकि में, आर.बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 47, ब्लाक 'मी' है एवं जो कैलाश अपार्ट मेन्ट, नई दिल्ली मो स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विदरण संलग्न अनुसूची मों दिया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मों दिनांक मार्च 1981

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक इष्प से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) वन्तरक से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धृत या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत् अधिनियम, या धृतकर निर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया च्या था वा किया जाना जाहिए था कियाने में स्रीवा के दिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, जनतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीन:— (1) श्री बी. एल. भला, निवासी-47 कीलाश अपार्ट-पेन्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. अमृक सिंह वालीया एस. त्रीलांचन सिंह सी-2, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुन्।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास
- (ज) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर सकत स्थानर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

मन्स्ची

1/50, अविभाजीत हिस्से का भूमि फ्लैट नं. 47, ब्लोक-सी, कौलाश अपार्टोमेन्ट लाला लाजपत राग गोड, नई दिल्ली ।

> आर. बी. एल. अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, विनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्लीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3019—चू कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परजात उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

जिसकी संस्था पी-39 है एवं जो साउथ एक्सटेनशन में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के उर्द विल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन ६--

- (1) श्री मूल राज आनन्द सूपूत्र श्री फलवू राम, जी-63, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अशोक साहनी सुपूत्र श्री ओ. पी. साहनी, एफ-39, एन. डी. एस. ईं.-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
- *3. औसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह क्यवित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 *4. और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्लाट नं. डी, क्षेत्रफल-1007 वर्ग फिट, प्लौट नं. पी-39, 683.3 वर्ग गण, साउथ एक्सटनेशन नं. 2, नर्इ दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

दिनांक: 12-11-1981

प्ररूप पाई• टी• एन• एस•----

आयक्तर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनाक 12 नवस्वर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/ 3-81/2949च्किमें, आर. बी. एल. अग्रवाल, (जिसे अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- ই০ से ग्रधिक है उचित बाजार मृल्य जिसकी संख्या औ-11/45 है एवं जो लाअपत नगर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नक्ष दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 की इंतने प्रकट प्रतिफल (अपार ट कन्सी अरोगन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस हे दश्यमान प्रक्तिल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निःनलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जि हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या. धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा. छिपाने में स्विधा के लिए ।

ग्रत: अन, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-**म की** उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दिवान सिंह और मोहिन्बर सिंह सूपूत्र श्री परमा नन्द, ए-3/251, जनक पुरी, नर्द दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राम पियारी पत्नी श्री विश्वन दास धधना, 2/9, नेहरू नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वो**क्त सम्पत्ति के **बर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितसद किसी अन्य व्यक्ति दारा, प्रधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरडदोकरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. ओ.-11/45, एरीया 20 वर्ग गज, लाजपत नगरः। नर्ष विल्ली।

> आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

दिनोक : 12-11-1981

ğ ı—

प्ररूप माई • ही • एन • एस • --

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ_़स्टोट न**र्इ** विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवस्वर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/4-81/131—चूिक मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रिकिक है

25,000/- दे सं प्राप्त हैं
जिसकी संख्या एस-61 है एवं जो ग्रेटर कौलाश-2 में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत वियरण संलग्न अन्सूची
में विया गया की पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का
16था) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित
कार्यालय में दिनाक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपार्टेट कल्सीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नृष्यमान प्रतिफल
है कि संपापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्तत से अधिक है
भीर सन्तरक (सन्तरकों) भीर मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
धन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त सम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उबत मिनियम के मधीन कर देने के चन्तरक के बायरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। घोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त घधिनियम, या धन-कर घिर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रीवनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त ग्रीवनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती निना मलहोत्रा पत्नी श्री राज मलहोत्रा, जी. पी. ए. श्री राम मलहोत्रा, निनासी 5/ 1988, नवधरा किनारी बाजार, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री आदित्य पंडीत सुपूत्र श्री सी. एस. पंडीत, निवासी एफ-32, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी साक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पाका किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट नं. एस-61, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली। एरिया 300 वर्ग गज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीकन-1/एस-आर-3/ 3-81/2961--चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृल्य 25,000/- रतपए से अधिक है जिसकी संख्या ए-1/145 है तथा जो लाजपुत नगर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विटरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारंट कन्सीडरशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लि एअन्तरिती की गई है और मुभ्हे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्धा क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; (1) श्री बृज लाल, निवासी क्याटर नं. ए-1/145, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्दर सिंह मेठी, निवासी ए-1/145, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त- अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं. ए-1/145, लाजपत नगर, नद्द दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

दिनाक : 18-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर ग्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-**ष (1) के ग्रधीन सुष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्घ विल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एववीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3026--- चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थय में प्रधिक है

जिसकी संख्या जी-56 है तथा जो ग्रीन पार्क में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत दिवरण संलग्न अन्सूची मे दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार ट कन्सीडर केन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उन्त अधि-शित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ीमें कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों अधितः --

- (1) श्री भनी राम मुपुत्र श्री जोहरी मल, निवासी एन-12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती उमा ग्प्ता पत्नी एस. के ग्प्ता, निवासी 1818, चूना मंडी, पहारगंज, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ऋधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किसे जा सकेंगे।

हपण्डीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम मंजी प्रो. नं. जी-56, एरीया 180 वर्ग गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नहीं दिल्ली

चिनाक : 18-11-1981

शील ∶

प्रकप धाई • टी ॰ एन • एस • ----

आय तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के ममीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नई विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, विनोक 18 नवस्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/3-81/2051—चूं कि में, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर मितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्न मितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तीन सभय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिपका उविन बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधक है

जिसकी संख्या आइ-1/73 है एवं जो लाजपत नगर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर मन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी पात्र की नाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः, प्रव, उत्तव प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उत्तत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धातः--

- श्री जगदीश क्षार और प्रेम प्रकाश, निवासी 1657, प्रताप गेट, केटल, हरियाणा।
- (अन्तरक) 2. श्री सूरक्षा बत्रा, निवासी-आर्झ-1/73, लाजपर नगर, नर्झ दिल्ली

(अन्तरितीं)
3. श्रीमती लाजबन्ती चावला निवासी-बी-2/100,
सफदरजंग इनकोव, नर्द दिल्ली।
(वे व्यक्ति जिनका संपरित पर कब्जा हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति<mark>के धर्ज</mark>न के लिएकार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्की तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त भिक्षितियम के सम्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो नं. आर्ह-1/173, लाजपत नगर, नर्ह विल्ली, एरिया 100 वर्ग गज ।

आर. बी. एल. अग्रयाल सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-1, नर्ह दिल्ली

तारीब : 18-11-1981

प्रकप धाई • टी • एन ० एस •----

आयकर अधिनियम: 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेंट नई विल्ली-110002

नर्द्र दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निव है सं. 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीयन 1/एस-आर-3/3-81/2952—चूं कि में, आर. थी. एल. अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 जे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित वाकार महय 25,000/- ४० से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संल्गन अनुसूची में विया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मे विनांक मार्च, 1981

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम अतिफल से, ऐसे वृश्यमाम प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उनत अधिनियम के प्रधीन कर देने के बन्धरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निक्तिक्कित क्यक्तियों, मुर्चात्ः → 1—366GI/81

- 1. निहाल सिंह, रोहताश सिंह, ओम प्रकाश सुपूत्र श्री अर्जुन सिंह और श्रीमती कमला देवी विधवा पत्नी श्री छोट्र राम निवासी-ग्राम-बिजवाशन, मेह-रीली, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री राधे श्याम बंशीवाल सपूत्र श्री सोहन लाले बंशी-वाल बृज भूशन घनेश्याम दा और अदर्श, निवासी-6/46, पंजीबी बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर एक्स स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही खर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 16 बिघे और 18 बिह्वे, म्यूनिसीपल नं. 27, किला नं. 17/1(2-3), सङ्क 16/2(3-16), गरब-24/2(2-8), होक और म्यूनिसीपल नं. 54, किला नं. 4(4-16), 7(4-10), ग्राम-विजवाधन, महर्गली, नर्ह विल्ली ।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्ह दिल्ली

तारीख : 18-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नर्ह दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवस्बर 1981

निर्दोश संख्या 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन 1/एस-3/3-81/3043--चू कि मैं, आर. बी. एन. अग्रवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं जिसकी संख्या जी-56, ही एवं जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूजी भों विया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदुष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, लिए। में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--- श्री धनीराम सुपुत्र श्री जोहरी मल, एन-12, ग्रीन पार्क, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

 उमा गुप्ता पत्नी एस. कं. गुप्ता, निवासी-1818, चुना संडी, पहाड़ गंज, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बरसाती फ्लोर 2 · 1 / 2 मंजी , प्लाट नं . 56 , ब्लौंक 'जी , ' ग्रीन पार्क नर्इ फिल्ली , एरिया - 180 वर्ग गज ।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्झ दिल्ली

तारीख: 18-11-1981

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जागुवत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ विल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्दोश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस.आर-3/3-81/3034—चू कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सं. कं-15/102, हैं एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्दोश्य से उस्त मृत्तरण लिश्वत में वास्त्विक स्प से कथित नहीं किया गया हैं।--

- (क) नत्तुरमः से हुई किसी भाग की बाब्तु, उक्ता अभिनियम् के अभीन कर दोने के नृतारक के वासित्य में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा के सिएश और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा की दिस्पा

 श्री मिनन्दर सिंह सी/ओं मैं पाल एवड एसोसी-एट्स, 12-रीगल बिल्डिंग, पाली यमें ट स्ट्रीट, नर्द दिल्ली।

(अन्सरक)

2. होमलता गांयल सी/ओ. श्री होम चन्द जैन, नियर स्टोट बैंक आफ इन्डिया, बरावत (यू.पी.)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कत् सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति ष्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पर्दा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लांट नं . 102, बिल्डिंग को-15 ग्रीन पार्क, दर्श दिल्ली ।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनुरोज-1, नर्द सिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिषुत व्यक्तियों, अर्थात् :--

्ता**रीब**् ः 18-11-1981

मोहरु 🖫

प्ररूप कर्त्यः दी. एन. एस.----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्पाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ''एष'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्दो दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निव ें श सं 3 नि. सं आ आ /एक्बीजीशन 1/एस आर-3/3-81/3035— चू कि मैं, आर बी एल अग्रवाल, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रं. से अधिक है और

जिसकी संख्या के-15/101, हैं एवं जो ग्रीन पार्क में के अधीन पंजीकारण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्सूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

मतः अत्र, उत्तत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जुधीन निम्नुमिखित व्यक्तियों, अथिहः— मितन्बर सिंह सी/ओ. मैं पाल एण्ड एसोसीएट्स, 12-रीगृल बिल्डिंग, पालीियामेंट स्ट्रीट, नर्ह विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामवती, निवासी, के-15/101, ग्रीन पार्क, न**र्द दि**ल्ली ।

(अन्तुरिती)

को यह स्थाना पारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 101, बिल्डिंग के-15, ग्रीन पार्क, एक्स. नर्ह, दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रधाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-1, नहाँ विल्ली

तारींब् € 18-11-1981 मोहर ⊜ प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

वर्जन रोज, ''एच'' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नद्र दिल्ली-110002

नर्द्र दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981 निवर्भेश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्यीजीशन 1/एस-आर-बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 रु. संअधिक हैं

जिसकी संख्या के-15/202, है एवं जी ग्रीन पार्क में स्थित है, (जिसका जिथक विस्तृत विवरण संसम् अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकारण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

प्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित में वास्तियक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; वौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्ही भारतीय बायकर ब्रिशनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के मिए:

1. श्री मनिन्दर सिंह सी/ओं. मैं. पाल एण्ड एसोसिएटस 12-रीगल बिल्डिंग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. रंजना हन्डा, v-1/बी, रीवन्य ऑफिस, प्लंट भायापुरी, नर्घ दिल्ली । (अंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- 🗷) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-अपुध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पटकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सर अधिनियम^{ें} के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

अनुसूची

पलेट नं. 202, बिल्डिंग-के-15, ग्रीन पाक, नई दिल्ली ।

आर् बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

वंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:---

तारीबः 18-11-1981 मोहर 🖫

प्रारूप आर्धः टी. एन. एस. ----

अग्रायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नई विल्ली नई दिल्ली-120002, विनांक 18 नवम्बर 1981

संबर्भ 3 नि . सं . आ . आ . / अक्बीजीशन । / एसु-आरु-3--चूंकि मैं , आर . बी . एल . अग्रवाल ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संस्था के-15/301, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुमूची में विया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहां दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्ज-1981

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उन्न ता प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण निख्त में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे व्यन में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों उत्ते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

- (1) श्री मनिन्दर सिंह सी/ओ मी पाल एण्ड एसोसीएट्स, 12-शीगल बिल्डींग, पालींयमेंट स्ट्रीट नई विल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री सतीश अग्रेड़ा, पी-17, ग्रीन पार्क, एक्स्टेशन, नई विल्ली

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची -

फ्लेट नं 301, बिल्डोंग-के-15, ग्रीन पार्क, एक्स_ः नर्द्दिल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सूर्जन् रेज् ।, नक्षे विक्सी

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थोत्:——

तारीस: 31-10-1981

महिर् 🖟

शकप धाई• टी• एत• एस•----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

धारम सरकाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज, न**र्ह** दिल्ली

नई दिल्ली-120002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ. /एक्वीजीशन । /एस-आर-3-3-81/30033—चूिक में, आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रक्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंगे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के श्रधीन सम्माधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका छिषत बाजार मूक्य 25,000/- क्पाएंसे श्रधिक है

और जिसकी संख्या पलेट नं 201, के-15, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-1981

को पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित काजार पट्र से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्षत सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्ष्य, उभके वश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे तृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह पनिगत से प्रतिक है और अन्तरम (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयापित्कत तिम्तिलिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रतिश्वत में वास्तकिल इप से काक्त नहीं किया प्रया है:---

- (क) सम्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उभत सिवियम के सभीत कर देने के भन्तरक के विश्वसिक में भागी करने या जससे कचने में सुविधा के सिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय धायकर श्रिधनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त श्रिधनियम, या अन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के एमोलदार्थ सम्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में सविद्या के लिए:

भृत: अब, उक्त पश्चिमियम की धारा 269-न के श्रनुसरण में, में, जणा प्रतिसिद्धा में प्राप्त 269-ण की 'उपकारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अधीत ५-- (1) श्री मिन दर सिंह सी/ओ मै पाल एण्ड एसोसीएट्स 12-रोगल बिल्डीग, पालीयामेंट स्ट्रीट, नर्इ दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्दर शर्मा, के-15/201, ग्रीन पार्क नर्ड दिल्ली

(अन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी को 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हपब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं हीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लीट नं. 201, बिल्डींग नं. के-15, ग्रीन पार्क, नर्इ विल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, । नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर निषित्तियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, नहीं दिल्ली-110002

नई वि ल्ली-110002, दिनांक 18 नवुम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन।/एस.-आर.-3/3-81/3037— चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चाट 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है और जिसकी संख्या 302, के-15, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अन्सूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्टित बाजार मून्य से कम के द्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनिन्दर सिंह सी/ओ मैं पाल एण्ड एसोसीएट्स 12-रीमल बिल्डी ग, पाली यामें ट स्ट्रीट, नर्ड विल्ली

(बन्त्रक)

(2) श्रीमती सरोजीनी मसी सी-732, सरोजीनी नृग्र, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी माुक्षेप्ः --

- (क) इस स्वाग के राज्यक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्थान्थी व्यक्तियों पर स्वाग की तामिस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ब्वाराह
- (स) इस् स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित्यव्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पासु विवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भूसा है।

क्षमु**भू**भी

फ्लंट नं . 302, के-15, ग्रीन पार्क, नुई विल्ली

भारः बी. एलः अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि, । मर्हादिल्ली

तारीब : 18-11-1981

महेर:

प्रकप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

श्रायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। , अहमवाक्षाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निविधानं रोफ नं पी. आर. नं 1444 अर्जन रोज 23-1/ 81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया नै), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2557/ए. है तथा जो वाधपांडी भावनगर मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाव-नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीयक है ग्रीर अन्तरिक (अन्तरिकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण निजित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया प्या है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—366GI/81

(1) तारदेशली मुल्ला अथ्युलानी, 2 श्री तारदेशली सान-भाई, 3 श्री तारदेशली इस्मारतजी, 4 श्री भरमद-अली कादरभाई

(अन्तरक)

(2) श्री सपनीभाई त्रीकस्भाई पटल, श्री धरमशीभाई वीकमभाई पटेल, श्री धीकमभाई गौसाभाई पटेल 2757/ए वाघपांडी, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जबत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→-

- (क) इन मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में ने कि की वाद त्याराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

मकान मिलिक्यित जो भावनगर में स्थित है जिसका प्लाट नं. 2557/ए, जिसका क्षुत्र क्षेत्रफल 1300 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीक्षाता नं. 636/ 25-3-1981 में विया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, अहम्दाबाद

तारीख: 7-11-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 7 नवस्वर 1981

निवोध नं रौफ नं . पी. आर. नं . 1445 अर्जन रौज 23-।/ 81-82---अतः मूक्ते, जी. सी. गर्ग,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं. सर्वों न. 34-जी-5 प्लाट नं. ए-9 है तथा जो जामनगर मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री गोकुलदास लालजी, श्री नरन्द्र गोपालदास राजानी ग्रेन मीकॉट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश बाबूलाल 4, पटल कालोनी, जामनगर।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है पे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिलिक्यत जो जामनगर में स्थित है जिसका सर्वे मं. 34-जी-5, प्लाट नं. ए/9, जिसका कुल क्षेत्रफल 362.23 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-.काता नं. 656/5-3-1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहासक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज-1, अहमदाबाद

तारीख: 7-11-81

१**स्प् बाइ<u>ै.टी.</u>एन्.पुर्<u>स</u>्------**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

साउव चरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१, अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 7 नवम्बर 1981

निविश नं रोफ नं पी आर.नं 1446 अर्जन रोज 23-1/ 81-82--अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 35 गांव मिरजापूर, है तथा जो भूज-मांडवी रोड पर स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-81

को पूर्वोदत संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक के जिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्ति चिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आँड्र/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म नारिस्तर्यों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्तिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री पटोल धनजी पाल जी भुडिया सृत्वपर नया बांस, तालुका-भूज, कच्छ

(अन्तरक)

(2) मधुसूदन लखमीदास भद्र गांव-बीटीपारी, तालुका-अबदासा, कच्छ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपर्टित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्तु सम्मत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा?
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बवृध् किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मृथोहस्ताक्र्री के पासु लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8 एकड़ हैं, जिसका सर्वे नं 35 चैकी जो मिरजापूर, भूज-मांडवी रोड पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भूज रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीशाता नं 597/10-3-81 में विया गया है।

जीं. सीं. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, अहमवाबाद

ता्री**ब** : 7-11-1981

प्ररूप भाइं. टी. एन्. एस.----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदंश नं. पी. आर. नं. 1447 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- हा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एम. सी. नं. 1216/113(2) से 1216/113(10) है तथा जो घनश्याम नगर, भूज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्गिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण अधि-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बाम्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत उक्त अभि-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सृविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधी के लिए;

अतः ज्व, उक्त जीभीनयमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, व्यक्तिय--

- श्री पटले लालजी हीराजी गांध-कड़की, तासुका भुज।
 (अन्तरक)
- (1) श्री सानारा वाउदअली सीदीक
 (2) श्रीमक्षी मीनाबाई दाउदअली सीदीक सानारा, गांव-कोठारा, तालूका-अबङासा, कच्छ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान माल्कत जो घनश्यामनगर भुज में स्थित है जिसका सर्वे 12/6/133(2) से 12/6/113(10) ''केशई भुवन'' नाम से मशहुर है, जिसका कुल क्षेत्रफल 278.70 वर्गमीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भुज रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीबत नं. 518/7-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख 7-11-1981 मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।, अहमवाबाद
अहमवाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रफे. नं. पी. आर. नं. 1448 अर्जन रॉज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिल्दा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित हाजार गूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 482, 489, 495, 496, 503 पैकी है तथा जो उपलेटा जीला-शंजकोर में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, उपलेटा में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर 7-3-81

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तिशति (अंतिरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्नविक का ने किया नहीं किया गया है !---

- (क) जन्तरण के हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ज की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :---

- (1) श्री व वासी भोजा चंद्रवाडीया की ओर से पृत्र श्री आडीर रामा द वसी चंद्रवाडीया, उपलंटा (सौराष्ट्र) (अन्तरक)
- (2) श्री सरदार पटोल को . ओ . हा . सोसायटी लिमि-टोड प्रमुख-श्री रतीलाल जीवाभाई पडारीया उपलेटा, (सौराष्ट्र)

को यह सूचना जारी करके पृषोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पतित में नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं!

अनुसूची

भील्कत जो उपलेटा शहर में स्थित है, जिसका सर्वे नं 482, 489, 495, 496 503 पैकी खूली जमीन जिसका पूरण वरणन उपलेटा रिजस्ट्रीकर्ता बिकक्षित नं 463/81 दिनांक 7-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जना, अक्षमदाबाद

तीरीय : 7-11-81

प्रका भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के धवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, विनांक 7 नवम्बर 1981

रफे. नं. पी. आर. नं. 1449 अर्जन रॉज 23-ा/81-82—-अतः सुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विश्वास ता उचित वाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं. सकान मील्कत, है तथा जो गांव - गढडा, (स्वामीनारायण) मं स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन 9-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के वृश्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यनान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तर ए (श्रन्तर घो) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तिक इन से किंवत नहीं किया गया है.-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधोन कर बेने के घन्तरक के दायित्य में कभी करने या उनके बाबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी जिसी आव या किसी घन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिसी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, किया से सुबिधा के सिए।

ब्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तितयों अर्थात् :--- (1) श्री साधर भानभाई नजाभाई नवी लाईन, गढडा (स्वामीनारायण), जीला-भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री गापीनाथजी दंवमंदीर ट्रस्ट, स्वामीनारायन मंदीर गढडा (स्वामीनारायन) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी **करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन** केलिए कार्यवा**हियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो गी अवधि बाद में समाप्त होतो ही, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राज-व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

हाइटी हरण :──इसमें प्रयुक्त शब्दों आरीर पदीं का, जो उक्त अधि-नियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगः मो उन अख्याय में विया गया है।

अमुस्ची

मकान मील्कत जो गांव गढडा (स्वामीनारायन) में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 215 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूरण वर्णन बोटाड रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं 76/81 दिनांक 9-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तीरीख : 7-11-81

प्ररूप् आहर्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिगांक 7 गडम्बर 1981

रफे. नं. पी. आर. नं. 1450 अर्जन रॉज 23-1/81-82--अतः मुफ्ते, जी. मी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान मील्कित है, तथा जो गांच - गढडा (स्वामीनारायण) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, बोटाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-81

को पूर्वाक्षित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि संथापृष्वीकत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वदेश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कृप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :-- (1) श्री खाचर मैगलुभाई भामभाई नवी लाइन, गढडा (स्वामीनारायन) नीला - भावनगर

(अन्तर्क)

(2) श्री गोपीनाथजी दोवसंदीर ट्रस्ट स्थामीनारायन संदीर गढीडा, स्वामीनारायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह^ह, वही अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान मील्कात जो गढ़ड़ा में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 173.1 वर्ग यार्च है तथा जिसका पूरण करणन बोटाद रिजस्ट्री-कर्ता बिक्कीबत नं. 77/81 दिनांक 9-3-1981 में दिया गया है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। अहमदाबाद

न्रांच : 7-11-1981

प्रकप बाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रोफ. नं. पी. आर. नं. 1451 अर्जन रोज 23-। /81- 82—अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान मील्कत है, तथा जो गढ़डा (स्वामी-नारायन) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर 9-3-81

को प्रवीवत सम्मति के उपित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से यधिक है घीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय पाकिसी धन या श्रभ्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे मधीन निम्निनिमित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्री खाभर राम्फुभाई भानभाई नवी लाइन गढडा (स्लामीनारायन), जीता - भावनरर

(अन्सरक)

(2) श्री गोंपीनाथजी दोवमंदीर ट्रस्ट स्वामीनारायन मंदीर गढडा, (स्वामीनारायन) जीला - भावनगर (अन्तरिती)

को य**ह सू**चना जारीकारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अर्ज**न के लिए का**र्यवाहियां क**रताहं।

उपन सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी **आक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोक्ता, जी 'खन्त श्रीध-नियम', के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं; बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

असमची

मकान मील्कत जो गढडा में स्थित ही, जिसका कुल क्षेत्रफल 380.3 दर्ग गार्ड ही, तथा जिसका प्रण वरणन बोटाड रजि-स्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 78/81 दिनांक 9-3-1981 में दिया गया ही।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

त्रिशेख : 7-11-81

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रफे. नं. पी. आर. नं. 1452 अर्जन रॉज 23-। /81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजारं मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. मकान मील्कत है, तथा जो गढडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाड मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय ,या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- (1) श्रीमती राजबानबेन भानभाई नवी लाइन, गठडा (स्वामीनाराय्न), জीला - সামস্থ্য (अन्तरक)
- (2) श्री गोपीनाथजी व वमंदीर ट्रस्ट स्वामीनारायन मंदीर, गढडा (स्वामीनारायण), जीला-भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

मकान मील्कत जो गढडा (स्वामीनारायन) में स्थित है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 147 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूरण वरणन बोटाई रिजस्ट्रीकर्ता बिकीस्त नं . 79/81 दिनांक 9-3-81 में दिया गया है।

> जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन् रॉज-। , अहमदाबाद

तीरीख : 7-11-81

प्ररूप आर्हा. टी. एन. एस.----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयक्तर लाग्नुवत (निरीक्षण) कर्णन र³ज-1, अहगदालाव

अहमदाबाद, दिनांदा १ वदम्बर 1981

निर्दोश नं. पी. भार. नं. 1453 अर्जन रॉज 23~1/81-82—-अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. 543, सब प्लाट नं. 2 और 3 है तथा जो सादलप्र, अहमदाबाद से स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी से और एप रूप से निर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, अहमदाबाद से रिजस्ट्री-कारण अधिनिग्या, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथएपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित दृश्वेका में प्रका अपनरण विश्वित से बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या िकसी पन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही दुशारा पत्रट नहीं किया गंधा था या शिक्षा जाता चाहिए था, शिलाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उल्ल अधिनियम की धारा 269-च की उपक्षारा (1) के अधीर जिम्मलियित व्यक्तिम्हों, भूभीत :——

- (1)श्री होमेन्द्र कान्तीलास पटोल 'नीलधरा' ओलीस-ब्रीज, अहमदाबाद।
 - (2) श्री महोज्ञाचंद्र की, पटेल,

नीलधरा,

(3) श्री गिरीशसंद्रके पटल,

ओलीसम्रीज

(4) की रमेंग्रानंद्र कें. पटेल, (5) श्री सरोशचंद्र कों. पटेल,

अहमदाबाद ।

(अन्तरक)
2. श्री महाराना प्रताप सेन्टर आनर्स एंसोसियशन, सेकेंटरी-श्री रामभाई मातमभाई, गोपालक सोसायटी,
वाइज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तृक्षारा;
- (क) 'इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाधारी के जान कि जिल्ला में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्सूची

जमीन जिसका फुल क्षेत्रफल 507, 507, 507 और 507 वर्ग यार्ड है जिसका टी. पी. एस. 3, एफ. पी. नं. 543 सब प्लाट नं. 2 और 3, तथा जो छडावड, मादलपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णम, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 817, 318 मार्च 1981, 807 और 8, 811 और 812, 813, और 814, और 799 और 800/11-3-1981 में दिया गंगा है।

ी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

तारीख: 9~11-1981

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

भाष्यात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयकर अप्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिशांक 7 नवम्बर 1981

निदाभ नं. पी. आर. नं. 1454 अर्जन रॉज 23-1/81-82--अत: युक्ते, जी. सी. गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका सं क्वी नं, 1130 से 1153 जमालपूर ही तथा जो बानापीठ, गोल लीमडाके नजबीक, अहमबाबाद में स्थित ही (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकता अधिकारी वे कार्यात्व, अहमदावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारमें, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-3-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उच्चा स्वार्थ के प्रतिकार है, गूंची दृश्यमांग अतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक ही और अन्तरक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच गूंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इस्प से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या पन-अर अधिनियम, या पन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः

- अहमदाबाद थाहंर दानापीठ जुना पदबोका महाजनका वहीपट्दार श्री रमणलाल जमनादास, फतेहपूर, नवा विकास गृह के सामने, धूमकेतू रोड, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2. मीनार चील्डर्स की ओर से भागीदार श्री शैलेशभाई नृयेन्द्रभाई, अंधेरी, बोम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत म्यितसों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास कि किस में किए से सकत्री।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्सूची

मकान जो दीनापीठ अहमदाबाद में स्थित ही, जिसका सर्वो नं र 1130 से 1153, जमालपुर तथा जिसका पूर्ण वर्णन् अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीसित नं 3264/31-3-1981 में दिया ग्या ही।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, अहमवाबाद

तारीख: 7-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1455 अर्थन रॉज 23-। /81-82--अतः मुभ्हे, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसभें पत्त्वात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से बीधक है और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 495, टी. पी. एस. 3 सेल प्लाट है तथा जो नं . 1, मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-81 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रीतफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निर्मालिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीतक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए;

बत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अनुसरण की मारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री अय भव गोरधनदास गज्जर, नेहरु क्षिज के नज-दीक, गज्जर बंगला, अलिसब्जि, अहमवाबाद। (अन्तरक)
- 2. जय मंगल हाउस ओनर्स एसोसियेशन, की ओर से से अटेरी-श्री विश्रुप्रसाद नारनवास सोनी, फंलुलवाड़ी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका एक. पी. नं. 495, टी. पी. एस. 3, सब प्लाट नं. 1, जिसका कुल क्षेत्रफल 904-61 वर्गमीटर हैं तथा जो मीठाखली अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखत नं. 2911/23-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन र[ो]ज-।, अहमदाबाद

तारीख: 7-11-1981

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1456 अर्जन रेज 23-1/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सवै नं. 86-बी-3 एफ. पी. नं. 90, पैकी सब है तथा जो प्लाट नं. 3, दरीयापुर, काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उक्त बीध-नियम के अर्थान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, उनत निर्मित्यम, की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिन्ति व्यक्तियों, अधृति ह-- श्री भानप्रसाद गोविंदलाल पटोल, पटोल सेनेटोरियम, गिरधरनगर, अहमदाबाद।

(अम्तरक)

 रुसीका एपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसियशेन, की ओर से प्रमुख---श्री हसमुखलाल रणछोडलाल महोता, 1, ताराकाज सोसायटी। रोलवे कोसींग के सामने, नवा वाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्थाव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1046 वर्ग यार्ड है जिसका सर्वे नं. 86/बी/3, एफ. पी. नं. 90 पैकी सब प्लाट नं. 3 तथा जो वरीयापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता निकीसत नं. 2941/23-3-1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, अहमदाबाद

ता्रीब : 7-11-1981

प्ररूप माइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवस्थर 1981

निर्देश नं. पी. थार. नं. 1457 अर्जन रॉज 23-ा/81-82—-अतः मुभ्हे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण, हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 53-1, 2 पैकी टो. पी. एस. 20, एफ. पी. नं. है तथा जो 60, सब प्लाट नं. 3, चंगीलपूर, अहमदायाद में स्थित हूं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-81

को पूर्वित संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से वाम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का अचित वाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्दरक (अन्तरको) और अन्दरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कृष अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक्व नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित स्थितियों, अधीत :--

1 श्री प्रबाध मणीलाल मीठाखली, अहमदाबाद। (अन्त्र्रक)

 लक्ष्मी एपाट मेस्टस को अो हा सोसायटी लिभिट उ की और से प्रामीटर-धी रणळाउमाई छमनजान पटल 9, पारसमणी सीसायटी, भाटनी जीवा, अहमधावात। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवत व्यक्तियों में से विश्ती व्यक्ति कुन्तरः,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दे और पदों का, जरं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें गरिभाषित है, कही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में वियम गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सबों नं. 53-1, 2 पैकी टी. पी. एस. 20, एक पी. नं. 60, सब प्लाट नं. 3, जिसका कर्ल क्षेत्रफल 620 वर्ग यादी ही तथा। जो नंगीसपुर अहमदाबाद मी स्थित ही तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकति जिकाकता पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकति जिकाकता जो.. 3143/30-3-81 मी दिया गया ही।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाजाद

तारीख : 7-11-1981

प्ररूप आई • टी० एन० एस • -

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बब़ीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1458 अर्जन रॉज 23-।/81-82--अ्तः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं मिल्कत मकान, स्टेशन रोड, है। तथा जो धांग्रवा जिला-पठवान में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धांग्रधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-81

को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारलिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्दत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वास्त्र के किया

 श्री बुरजोरजी नवरोज्जी पालीया और अन्य माछली-पीठ, वाडीया स्ट्रीट, सुरत।

(अन्तरक्)

2. (1) श्री रतनशी हीरजी,

(2) श्रीमती देवकीवेन रतनशी,

(3) लीलावटीबेन गोपालभाई,

(4) रतनबेन दयाराम, गांव-सैयरा, जिला -(कच्छ) (अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपने के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं.
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
 सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त,
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कृ , वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन् स्**ची**

मकान, जो स्टोशन रोड, धांग्रथा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1432 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन धांग्रेधर रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखित नं. 440/16-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमदाबांद

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः :——
16—356GI/81

तारीख : 7-11-1981

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{चे}ज-।, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

ानदेश नं. पी. आर. नं. 1459 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुक्ते, जी. नी. गर्ग, ब्रायकर मुक्ते, जी. नी. गर्ग, ब्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 4679, 4780 है तथा जो अहमदाबाव में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-81

को पूर्वितत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की बाबन, उक्त जीभीनियम के ज्भीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सरस्यतीबंन कान्ताराव संभेसीराव कोली की विध्वा पत्नी नारायण भवन, ची कांटा, अहमबाबाद।
 - (2) चंदा परमेश्वरी बी. राव. 8-45, पत्राकर कालोनी, नारायणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अहमव हुसेन मोहमद हुसेन मनसूरी और अन्य, थानकोर नाका, अहमदाबाद।

(2) कापश्रीया ट क्सटाल्स - प्रोपाइटर ए. एम. मन-सूरी ट्रस्ट, ट्रस्टी-श्री युसूफ अहमवहासने मनस्री और अन्य थानकोर नाका, अहमवाबाद।

(3) सूफीयाबेन, जाफरहुसेन हुसनभाई मनसूरी की पत्नी और अन्य थानकोर नाका, ढालगरबाड, अहमदाबख:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्राेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हासे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उस्त जिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस वश्याय में दिया वसा हैं।

मन्त्री

मकान जिसका सर्वो नं. 4679 और 4680, काल्पुर-3 प्लाट नं. 5 और 6 पैकी जिसका कुल क्षेत्रफल 412.2 312, वर्ग सार्व और 140 वर्ग मीटर और 130 वर्ग मीटर है तथा जो रिलीफ रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिलस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत ं 3109, 3119 और 3112/27-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)' अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

सारील : 9-11-1981

प्ररूप बाहाँ, टी. एन्, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।।, अहमदाबाद

अहभदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्दोश नं पी आर. नं 1225/एक्बी -23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत से अधिक है

और जिसकी सं नोद नं 1747, त्रावा मोहला है। तथा जो सियवपूरा, सूणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूणा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-3-1981

करों पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
14—366GI/81

- (1) श्री नागेश दारा काएडीया, क्लंसमूकतयार, य्कतवाय नैशीर लेयिन, मेरीयकोतन, 6/9, मैण्ड मेरी रोड, बानन्द्रा, बंबे।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री मोहमव लतीप अबदूल सयार, वाजजी शोरि, सुतार पुलिया, सुरत।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की मारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थन्स्ची

मिलकत थो नोद नं 1747, मूरावा मोहोलों, सैयमपूरा, सूरन यथाविधि तारीख 23-3-1981 में रिअस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज-।।, अहमदाबाव

तारीसः : 7-11-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदर्भेश नं पी अार नं 1226/एक्वी/23-।।/81-·82--- अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक **है** -और जिसकी सं. नोंद नं. 1818−18,19, वार्डनं. तथा जो लाल गेट, मुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय स्रत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, 16-3-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-

रिती (अन्तरिनियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भौर/या
 - (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती दीनाबेन कावसजी लसकरी, 4-एफ, इ^{*}न्वराणी एपार्टमेन्ट, बाढीया सट्टीट, नानपूरा, स्**र**त।

(अन्तरक)

(2) श्री लावजीभाहें वयाभाहें पटेल, 9-बी, रंनग अवधून सोसेटी, वाराछा रोड, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोव नं 1818-1819, वार्ड नं 9, लाल-गेट, सुरत यथाविधि तारीच 16-3-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी . गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों अर्थात :--

सारीस : 7-11-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमद्ाबाद

अहमवाबाद, दिनाक 9 नवम्बर 1981

निद्धा नं. पी. आर. नं. 1227/एक्वी/23-11/81-82--अतः म्फे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वारा करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है और जिसकी मं. नोंद नं. 2794, 2795, 2796, वार्ड

और जिसकी मं. नोंद नं. 2794, 2795, 2796, वार्ड नं. 6 है तथा जो लाल दरवाजा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-3-1981

1908 (1908 का 16) के अधान, 18-3-1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्थमान प्रतिफल से, एसे उर्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त- विक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों अधीन:--

- (1) श्री वीमलाबन मानुभाई दशाई, दीवाली भाग, अतवा लैनस, सुरत।
 - (1) रीता मुक्तूल विशार्झ, दीवाली भाग, अतवा लैनस, सरत।
 - (2) भकती अरिवन्द भाई देशाई, महादेवनगर सोसायटी, साग्रामपुरा, सुरत। (अन्तरक)
- (2) श्री युन्स अहमद गीवाला, क्लयुकसायार :--
 - (1) अबद्दलसयाद ईसयेयिल गीवाला, मुगलीसारा, पटनी कोलोणी, सुरत।
 - (2) फातया ई सर्वेचिल, पढ़जी कोलोणी के सामने, मुगलीसारा, सुरत।

(अन्तरिती).

को यह स्वना जारी करके पृथांकित सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा आई उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्**ची**ं

मिलकत जो नोंद नं 2794, 2797, 2796, बार्ड नं 6, लाल दरवाजा, सूरत यथाविधि तारील 18-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-११, अहमवाबाद

सारीस : 9-11-1981 ----

प्रकृष थाई- टो- थ्न- एत---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 था 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्वोध नं. पी. आर. नं. 1228/एक्सी/23-।।/81-82----अतः मुफो, जी. सी. गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, अ961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वं से प्रधिक है

और जिसकी सं नोद नं 3404, वार्ड नं 4 है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर पाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1. (1) हीरालाल लल्लू भाई सोपारीवाला,
 - (2) जयश्रीबेन, शशीकान्त लल्लु भाई की विधवा,
 - (3) जीनेन्द्रा शंशीकान्त,
 - (4) चन् श शशीकान्त,
 - (5) नीलंब बाबीकान्त,
 - (6) वेवीका शशीकान्त,
 - (7) पुषपाबन, नटवरलाल लल्लुभाई की विधवा,
 - (8) एम. नटवरलाल,
 - (9) संबाष नटवरलाल,
 - (10) सतीश नटवरलाल, जामपा बाजार, हाथी फलिया सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री हासीमभाई साहब अबेवाली साहब वालीजल्ला, बेगमपुरा, हैंद्राली कासमजी सट्टीट, स्रत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो धार्ड नं. 4, नोद नं. 3404, यथाविधि तारील 17-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आर्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अहमवाबाद

तारीख : 9-11-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्दोश नं पी आर. नं 1229/एक्वी/23-।।/81-82-- असः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से पधिक मुख्य और जिसकी सं अतवा गेट विस्तार, नोद नं 910 पैकी, प्लाट नं 12 है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, .(1908 का 16) के अभीन, 27-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्क्रिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, सुधातु ५---

- श्रीमती प्रेगीलाबेन धनसूखलाल गजर का ंक्ल्युक-तयार :--
 - (1) डा. मधुबन धनस्खलाल,
 - (2) हारशे धनसुखलाल गजर, गंजर बेन्गलो, अतवा लियनस, सुरत और श्रीमती लकक्षमी-बेन धनसुखलाल गंजर, गंजर बेनगलो, अतवा लियनस, सुरत।

(अन्तरंक)

2. प्रमुह और सिचन, अलकेश एपार्टमेंट को. ओ. हा-सोसायिटी, वसनालाल चन्द्रलाल शाह, दीपमंगल एसदेयिव, अतवा गेट, सूरत्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी, करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पंतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं 910, प्लाट नं 12, 11 और वार्ड नं 1, अतवा गेट, सूरत यथाविधि तारीख 27-3-1981 में रिजस्ट्रोशन नं 2019 और 2020 पर रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।. अहमवाबाद

तारीख : 9-11-1981

प्रकप धाई॰ डी॰ एन॰ एस॰--

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्रजीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1230/एक्बी/23-11/81-82 -- अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **छपित** 25,000/- रुपये से मू रूप ग्रधिक और जिसकी सं. 910, प्लाट नं. 5, 6, वार्ड नं. 1, अतवा गेट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, 27-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्म से कम के बुश्यमान प्रतिकल **के लिए अन्तरित को नई है और मुझे यह** विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उनत प्रस्तरण निव्धित में बारदाविक अप से क्षित नहीं किया चना है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत सकत अधिनियम के धनीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने बा उससे बचने में सुविधा के विष्] धौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या धनत श्रीवित्यम, या बन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रीवित्यम, वित्रारा प्रकट नहीं किया यथा वा या किया वाना वाहिए वा, जिपाने में सुविधा के शिए;

धतः अव, उन्त प्रधिनियम् की धाराः 269-म के धनुबरण में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भवति :--- डा. मद्बेन धनसुखलाल गेजर, गेजर बेंनगलो, अतवा लेनस, सुरत, डा. लेनाबेन, धनसुखलाल गेजर गेजर बेंगलो, अतवा लियनस, सुरत। (अन्तरक)

2 प्रमुख और सिवाब, सिधाचल एपार्टमिन्ड को ओ . हा सोसायिटी :

(1) श्रीमती वसनमाबेन जयनमीलाल शाह, दीप-मंगल सोसायिटी, अतवा लियनस, स्रत।

(2) छाटालाल नगीनदास शाह, गोपीपुरा, काजी मादन, स्रता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्र किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा धन्नोहस्ताकारी के पास विखित में किए जा सकोंने।

स्पवडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, को धक्त भीकिनियम, के अभ्याय 20-क में परिचाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

वनुसूची

मिलकत जो नोद नं 910, प्लाट नं 5, 6, वार्ड नं 1, अभव गेट, सुरत यथाविधि सुरत तारीख 27-6-1981 में रिजस्ट्री की ग्यो है।

जी सी गर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई. धी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबीद

अहमवाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1231/एक्जी/23-।।/81-82—-अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर एस नं 379, अधितीन कूमार नवागाम है तथा जो एफ पी. नं 60 जिमन, स्रत में स्थित है (और इसमें उपादद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरत में रिजस्ट्री-क़रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री नाराणभाई, परषोतम भाई पटोल खुद और कर्ता और मनेजर, एच. य. एफ., टी. बी. हासपिटल कार्पेनड रोड, अशिवन कामार, मूरत, िक्शोर कामार नारायणभाई पटोल, टी. बी. हासपिटल कर्पणड रोड, अशवीनक्मार, स्रत, मूकेश चन्द्रां, नाराणभाई पटोल।
- (अन्तरक)
 (2) प्रमृह नाराणभाई ताकोबीस, महदारप्रा, तोथाशोरी, सुरत, सचिव——जावलील अमृतलाल,
 क्रमीटी में मबर हणीभाई वालजी भाई, लालदर्वाजा,
 मोतीशोरी, स्रत, सर्वोदया स्थल इ नडसद्रीयल
 को-ओ-सरवीस सोसायिटी लिमिटेड, स्रत।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 379 टि. पि. एस. अशवीन कुमार, नवाणाय, एफ. पी. नं. 60, यथाविधि तारीख 31-3-1981 में रिजम्ट्री की गयी हैं।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीखः 9-11-1981 मोहरः∄` प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाव अहमदाबाद, विनोक 9 नवम्बर 1981

निर्दोंश नं. पी. आर. नं. 1232/एक्बी/23-11/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, - 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. वार्ड नं. 14, प्लाट नं. 3, एस. नं. 32, है तथा जो एफ. पी. नं. 194 कटोद्रा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाददध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के एर्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अबबुल गंफार साधीक खत्री, 114, दूसरा माले, आली ठयर स्ट्रीट, यथाकरती, बंबे-3। (अन्तरक)
- (2) श्री वश्रमभाई किशोबीस पटोल, मकान नं 41, बि. नं 609, शासत्रीनगर, कटोद्रा, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ ही, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिलकत जो कटौद्रा, वार्ड नं. 14, प्लाट नं. 3, एस. नं. 32, एफ. पी. नं. 194, यथाविधि तारील 7-3-1981 में रुजिस्ट्री की गयी हो।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 9-11-1981

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्रं.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमधाबाद

अहमवाश्वाव, विनांक 9 नवम्बर 1981

निवंश नं. पी. आर. नं. 1233/एक्वी.-23-11/81 -82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

इसक परचात् अक्त आधानयम कहा गयाह), काधारा 269-**च के अधीन सक्षम** प्राधिकारीको यह विश्वास करनेका कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/ रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं. 63/1, टी-8, म्लाट नं. 4-सी, है। तथा जो उमार, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का फ्लूह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (उन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के किए; जीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात -- 15—366GI/81

1. श्री चुनीलाल नाथुभाई कनसारा, 21, विजयवाडा, जोर योजार लग्य-400002. उत्कार मुस्क्त्यार श्री हीरालाल मुलक्ष्य कानसारा, 21, किल्यब्राडा, चार वाजार, वाब-400002।

(अन्तण्क)

- 2. (1) श्री किरन कुमार कान्तीलाल जवेरी, प्रकाश सासायटी, श्रथवा लाईनस सुरत ।
 - (2) श्रीमती रेशमीबेन सहंशचन्द्रा वकील, अनवा लार्डनस वाडीया बूमैन्स कालेज, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिन्तकतः जो उमा, एस. नं. 63/1, टी-8, प्लाट नं. 4-5 यथाविधी तारीस 3-3-1981 में रजिस्टी की गयी हो।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

वा**री**ख : 9-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-११, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1234/एक्बी.-23-11/81-82—अत: म्फे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. बार्ड नं. 11, नाद नं. 1151-1166 पैकी हैं सथा जो 1161-1666 सुरस में स्थित हैं (और इसमें उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अभीन 5-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और स्फूमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शुरमान प्रतिफल में, तमें शुरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिय हैं और अन्तर्ण के लिए तप पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तिवक इप में किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी जान की नावत, उपतः अधिनयम के अधीम कर दोने के जन्दरक के दासित्व में कभी करने या उससे मुचने में सुनिधा के लिए। और/मा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा ?69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

 श्री प्रवीणधना किकाभाई चोकवी, नानावढ, मिथन गोड, सुरत।

(अन्सरक)

2. श्री हीलाबेन नावरांजी लमकरी, 3 लमकरी रोड, मछलीपीढा सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिमियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, मृही अर्थ होता को उत्तर मुख्य में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मछलीपीढ, वार्ड नं 11, नोंद नं, 1659, 1660 पैकी, 1661-1666, स्रस यथाविधि तारील 5-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाण

ता**री**ख:: 9-11-1981

मील:

प्रकृष् आर्दः टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद अहमवाबाद, विनांक 9 नवम्बर 1981

निवंश नं. पी. आर. नं. 1235/एक्नी.-23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. नोंद नं 1659, 1160 पैकी 1661-1666 हैं। तथा जो बार्ड नं 11, मछली पीढ, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उत्थक दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिधत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दुष देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री प्रवीण चद्रा किकाभाई छोकवी, नानावट मेथिन राड, सुरत। (अन्तरक)
- 2. श्री वारायाश नवरांजी लस्करी, 3: लस्करी रोड, मछलीपीढ, सुरत।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकार।

स्युष्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनुसूची

मिलकत जो मछलीपीढ़, वार्ड नं. 11, नोद नं. 1659, 1660 पैकी 1661 और 1666, सुरत यवाविधी सारीस 5-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

ता्रीख : 9-11-1981

प्ररूप आर्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-११, अहम<mark>वाबाद</mark> अहमवाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निंदोश नं पी आर. नं. 1236 ∕**एक्वी.-**23-।।**/**81 -82--अतः मुभ्ने, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से आधिक है और जिसको सं. नांद नं. 1659, 1160 पैकी 1661-1666 है। तथा जो बार्ड नं. 11, मछली पीढ, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानर, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दर्श से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हफ संवर्धनत मही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रशीन कर दाने के प्रन्तरक हैं दाधित्व मो कमी करने या उससे बचने मी सूर्विधा के लिए; आर्थिया
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- श्री प्रवीण चन्द्र िककाभाई छोकवी, नानावट मेथिन रोख, सुरत।
 (अन्सरक)
- 2. श्री नौशीर नवरांजी लस्करी, 3: लस्करी रोड, मछलीपीढ, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

जम्सूची

मिलकत जो मछलीपीढ, वार्ड नं 11, नोद नं 1659, 1660 ^{टै}की 1661 और 1666, सुरत यथाविधी तारीस 5-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी **ह**ै।

> जी. सी. गर्ग तक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 9-11-1981

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, अहमसाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निद्येष नं पी आर. नं 1237/एक्वी 23-11/81-82---अतः मुफ्ते, जी सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. एसं. नं. 30-ए. 2 31-2, टी. पी. एसं. - 6, ही। तथा जो एफं. पी. -4, मजुरा, सूरत में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81 को पूर्वीक्षत संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उपन अन्तरण निस्ति में वास्तिवक हम से अधिक नहीं जिला हो।

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मेसर्स पमीर बदर्श का भागीवरों :--
 - (1) तुलसीवास माधवजी परमार,
 - (2) नानजी भाई माधवजी परमार,
 - (3) भगवानजी माधवजी परमार, यथा माहाेला, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री नाकोदीस श्रीभवनदास महता एल बी सनीमा के सामने, बनार रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

. स्पडतीकरण :---ध्रसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त स्रवि-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

मिलकत जो माजुरा, एस. नं. 30-ए. $2^{+}31$ -2, टी. पी. एस. 6, एफ. पी. 4, सब प्लाट 5, सुरत यथाविधि तारीख 9-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रजे-।, अहमधाबाद

अहमदाबाद, विनांक 9 नवम्बर 1981

निद्धा नं. पी. आर. नं. 1238/एक्बी.-23-।।/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-3 के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रुपए से मिधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 30-ए. 2 131-2, टी. पी. एस. - 6, है। तथा जो एफ. पी. -4, मजूरा, मुरत मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मूख्य में कम है दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिश की गई है और मुझे यह विषया मस्ते का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मूख्य में कम है दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिश की गई है और मुझे यह विषया मूख्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्यापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में अग्राहिक अप से हिंदा नहीं किया गया है:----

- (क) श्रम्तरण स हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवितयम के ग्रिवीन कर देने के भ्रम्तरक के वाधिरन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसा पाय था किसी धन या अभ्य आस्तिया, की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स पमीर ब्वर्श का भागीदरों :--
 - (1) तुलसीभाई माधवजी भाई पमीर,
 - (2) नानजी भाई माधवजी भाई पमीर,
 - (3) भगवानाजी भार्ड माधवजी भार्ड पमीर, नानप्रा, माया महाल्ला, सूरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री जयाबेन जादावरम पणिडिया,
 - (2) नाकाभार्ष जादाराम पणडिया,
 - (3) रमेशचंद्रा जाद्दराम पणडिया, 6, गणशामनगर एल. डी. सीबीया, मानार रोड, सुरहा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करह पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्ययाहियां हरता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इन सूचना है राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी पत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स अक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति बारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सर्वेगे।

स्पब्दोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उन्त प्रवित्तियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भिलकत जो माजूरा, एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस. 6, एफ. पी. 4, सब प्लाट नं. 6, सुरत यथाविधी तीरीस 9-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

तारीष : 9-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवोध नं. पी. आर. नं. 1239/एक्वी.-23-।।/81-82---अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मं. 49, बी. नं. 12, प्लाट नं. 79-92 है। तथा जो लिमबायत, नालूब चारयासी, स्रतः मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य मे वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1981 को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिकृति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत उक्त अधि-गियत में अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, अक्स अधिनियमः की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमःकी धारा 269-घ वर्षे उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 1. श्री अर्जनवास निहालचन्द अरोरा, महा प्रभृ बंगलो, कादमपती सोसायटी रोड, निमालीयाबाड, नानपुरा, राग्यः। प्रितसदारः नीहाल चन्द अरोरा, दालीचन्द-नगर, अग्या गट स्रता।

(अन्तरक)

- 2. (1) मुसा दाउन्द, पानोली, ता-अकल्लशवर, जिला बेरोडा।
 - (2) यूस्फ सुलेगान पटल ता-अकलशवर जिला वराडा।
 - (3) युम्फ मोहम्मद हमाजी, ता अकलशयर जिला बेराँडा।
 - (4) कासम मोहम्मद, ता अकलशवर जिला बेरोडा।
 - (5) दाउन्द सृलेमान कोलीया, गांव हानुरान मंगरोल ताः मंगरोल, जिला स्रप्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मिल्कत जो लिमायन एस. गं. 49, बि. नं. 12, प्लाट नं. 79-89 यथाविधी तारींस्य 10-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

लागील : 9-11-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रश्नीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1240/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस. -6, ही। तथा जो एफ. पी.-4, मजुरा, सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिक्त उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की स्ववत उपत जिथ-विश्वध के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स पमीर बुदर्श का भागीवरों :--
 - (1) तुलसीवास माधवजी परमार,
 - (2) नारणी भाइ माधवजी परमार,
 - (3) भगवानजी साधवजी परमार, यथा माहाेला, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वसन्तलाल कान्सीलाल सांपारीवाला,

(2) **शशीका**न्त कान्तीलाल सोपारीबाला, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हु^{*}।

उन्त सम्पत्ति के अर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भाज्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

मनसर्ची

मिलकत जो माजूरा, एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस. नं. 6, एफ. पी. 4, सब प्लाट नं. 8, यथाविधि तारीस 18-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजी, अहमदाबाद

तारीख: 9-11-1981

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदोश नं. पी. आर.नं. 1241/एक्बी.-23-11/81-82---अतः मुभ्ने, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं नोद नं 1952, वार्ड नं 5, है तथा जो सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-3-1981

का पृवािकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (रू) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धातः——
16—366GI/81

- 1. (1) श्री ईसाभाई रहेमान भाई,
 - (2) म्लामहर्गेन इक्षि।भाइ,
 - (3) नारत्धीन द्याशार्दा,
 - (4) हासन इसाभाई, हरिप्रा, गोकानना रोड, सरत।
 - (5) यनुधीन इसाभादः, सियधप्रा नाराधा माहालो, सरत।

(अन्तरक)

- (1) श्री विषीनचन्द्रा बेलवानतराई, हरीप्रा, भवानीवाई, स्रत।
 - (2) जगदीशचन्द्रा बेलवनतराई हरीपुरा, भवानी-वार्ड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अभूसूची

मिलकत जो यार्ड नं . 55, लोद नं . 1952 वर्णन किया है स्थाविधी तारील 26-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजें-।।, अहमदाबाद

तारीव : 9-11-1981

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निद्धा न'. पी. आर. नं. 1242/एक्बी.-23-11/81-82---अत: मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. नं. 1691, नर्मदानगर है तथा जो अनव, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकृत स, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिश्वित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक क्ष से किश्यत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) श्री ब्न्सीलाल ताकावीस महता, कर्ना और एच . य. एफ कव्यमंपास।

(2) हारिविधया बन्सीलाल मंहता, वी. पी. रोड, बाम्बे।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स प्रीथनसी बिल्डर्स के भागीवरों:--

(1) को किला क्यूदचन्ना डाक्टर,

(2) कल्पना तृषार डाक्टर, 26, निर्मल निवास, गोवालीया मानक रोड, बाम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

मीलकत जो एस. नं. 1691, नर्मवानगर, अथवा लायनस, सुरत यथाविधी तारीख 31-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यधितयों, अर्थात :---

तारीख: 9-11-1981

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

धायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र[ो]ज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 9 नवम्बर 1981

निवोध सं. पी. आर. नं. 1243/एक्वी.-23-।।/81-82---अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

खायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

बौर जिसकी सं. नवा डीसा आर. एस. नं. 21+30 सी है। तथा जो एस. नं. 4017 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डीसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) आग्तरण से हुई किसो भाध की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रष्ठीत कर देने के भ्रन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रत-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

सत: श्रम, उन्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, शक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुभीन निक्नसिचित व्यक्तियों, मुभीत् क्ष--- सगंवी संवनतीलाल रोवाचन्द्र, नवा डीसा, थूस्ट सोसायटी।

(अन्तरक)

 श्री प्रमृह लुसिया भानदास, सिस्टर आफ चारीटी आफ सीयनड एन ट्रस्ट, रिजस्ट्रेशन नं. केयिरा-डी-13, निष्ठपाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित. बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो धक्त प्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

नम्स्यी

मिलकत जो नवा डीसा आर. एस. नं. 21+30, सी. एस. नं. 4017, यथाविधी तारीख 3-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रूज-११, अहमवाबाद

सा्री**स** : 9-11-1981

मोहर 🖫

प्रस्पु आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवंश नं. पी. आर. नं. 1244/एक्वी.-23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर एपिटा जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

क. से अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. तं. 1/1 पैकी हैं। तथा जां निजाम-पुरा बेरोंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ट्रोकतां अधिकारों के कार्यालय, बरोडा में रिजर्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीत 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, , 957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री धनसुखराम अनोपराम पोरोहीत, निसामपूरा, बेरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमुह नील तरग को-आं-हैं-सांसायटी, श्री नवीन-कुमार लालजी भाई पटाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो नीसामपुरा, आर. एस. नं. 1/1 यथाविधी तारील 3-3-1981 में रिजिस्ट्री की गयी हो।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरक्षिण) अर्जन् रज-।।, अहमबाबाद

तारीख: 9-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नगम्बर 1981

निद`श नं. पी. आर. नं. 1245ं/एक्वी.∻23-।।/81-82—–अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 518 है। तथा को प्रतापनगर, बेरोड़ा मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजरूट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोड़ा मो रिजरूट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नित्वित उव्वरेय से उक्त अन्तरण शिवित में वास्त्विक कप से कि शित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के काशित्व में कमी करने या उसके ब्वने में सृष्णिभा के लिए, और या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विद्या के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री शान्तीलाल भकीरचन्द्र शाह, बाससद, ता -बेरोडा।
- (2) शान्ताबेन धीरूभाई पटोल, बोरसद, ता-बोरसव, (3) भकीरचन्द बाप्लाल शाह बोर्सद, ता-बोर्सद।
 - (4) जीवनलाल बाबुँलाल शाहे, बोर्सद, ता बोर्सद। (अन्तरक)
- (2) हाजी नीसामुधीन फियस मोहमव प्रतापनगर, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत जो एस. नं. 518, प्रतापनगर, बेरोडा यथाविधी मार्च 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

प्ररूप धाई • टी० एन० एस०---

भायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1246/एक्बी.-23-11/81-82—अत: मुके, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/ द० से अधिक है

वर्षर जिसकी सं विभाग-सी, टिका नं 3/1, सी हैं। तथा जो एस. नं 10 आनंदपुरा, कोमी सटोबन रोड, बडोबा में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति कें उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रशिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का काएण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का क्षित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय की वाबत जक्त अधिनियम के घंधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उचने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी शर्म या घण्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय पायकर पश्चिमियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिमियम, या धन-कर प्रधिमियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में मुविधा के लिए;

अतः घवः उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1 मिस्सि पदमा वसन्ता सातं, मिसिस माया अरूण जोशी 1907, सदाशीव पेतं, पुने-30 (फोन-30), महा-राष्ट्रा स्टेट। (अन्तरक)
- मेसर्स होरमब बिल्डर्स, काश्रिया पोल, मृलहोर्कर पागा बाब्बाजीपारा, बेरोडा-390001। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पुचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 4 के विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की भविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उंकर स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को असत अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

मिलकत जो विभाग सी, टिका नं. 3/1, सी. एस. नं. 10 अन्नावपुरा, कॉनी स्टोशन रॉड, बेरोडा यथाविधी तारीस 16-3-1981 में रिजस्ट्री की गृयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

ता्रीब : 9-11-1981

प्ररूप नाइ. टी. एन्., एस.-----

शायकर शिंपिनग्र, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रेज्-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवस्वर 1981

निवर्षेश सं. पी. बार. नं. 1247/एक्बी/23-11/81-82---अतः मभ्हे, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा: से अधिक हैं और

जिसकी सं. एसं. नं. 532-25 प्लाट नं. 24-25, है। तथा जो 28-29-32-33 अलकापुर शापिंग सेन्टर, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-3-1981

को पृथा कत सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा का सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरण काँ, मीँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् रं-→

- 1. निलबीबन अरुण कुमार शाहा देयाल बेनगली अरुणदेया सोसाइटी, बेरोडा।
 - (अन्तरक)
- 2. राजू अरविन्द और वूसरो। 75, ''याणिग'' आर. ए. किंद्वाई रोड, माढूंगा, बंबेई 400019। (अन्तरितीं

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सूच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्ची

मिलकत जो एस. नं. 532.25, प्लाट 24-25-28-29-32-33 अलकापूरी शोपिंग सेन्टर, बेरोडा यथाविधी तारीख 17-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, अक्षमखाबाद

ता्रीच : 9-11-1981

भोहर:

प्रक्रिप आहु. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961का 43)की धारा 269-घ (1)के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्दोश सं.पी. आर. नं. 1248/एक्**वी**/23-।।/81-82--अतः मुभ्ते, जी सी गर्ग, अराजकर अधिनिजम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् ' उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 व के प्रधीन मतम प्रश्विकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर य=पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र∙ से अधिक है और जिसकी सं पारनाक दी काक मोहीले नेकरो है तथा जो कारीनाव राड-1, बेरांडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु-सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बेगेडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1981 को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दश्यभान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से चवित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में मुखिद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- कुसुमबेन मनुबाई पटेल और दूसरे, ढालामालु चेमपर्स, बोली, बम्बई ।

(अन्तरक)

 डी. ए. चंबलकर, गनगा विहार को-ओपेरेटिव सोसाइटी, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

मिलकन जो पाणीकादी, काका मोहीले छोकरो, कारीनाव रोड, बोरोडा, यथाविधी तारील 11-3-1981 में रिजस्ट्री की गर्ह ही।

> जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज-।।, अहमदाबाद

तारील : 9-11-1981

प्रकप आई० टी• एन० एस०----

ब्यायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 268-में (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 नवस्वर 1981

निवर्षेश सं. पी. आर. नं. 1249/एक्वी/23-11/81-82--अतः मूओ, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्तम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- . रुपये से श्रीधक है और जिसकी सं. आर एस. नं. 203-1, वाडी वियाग हैं। तथा जो प्रतापनगर, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अना-सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे प्रत्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेशा में उस्त प्रनरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधि-नियम, के अधीन कर वेने के अग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर श्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या या किया जाना चाहिए था छिपाने यें सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग. के अन्-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; ग्रायीत्:—— 17—366GI/81 2. कर्मार्शयल एस्टोट का भागीदारों प्राणलाल जायसवाल, बाबुलाल शाह, रमेश भाई मानवाणी, राधाकिकन मानवाणी।

(अन्तरक)

2. चनन्त्रकानच मूलचणन्तद शाह, नवा रोड के पास, स्वान प्रा, गलवाड, बेरनेडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई थी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीध्य से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोत्स्ताकारी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें श्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, कही शर्थ दोगा, जो उस श्रष्टयाय में दिका गया है

अनुसुधी

मिलकत जो आर. एम. नं. 203-1, प्रतापनगर, बाडी विभाग, बेराँडा यथाबिधी मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गयी क्षेत्री

> ंजी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

- मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक ० नवम्बर 1981

निवर्भेश सं. पी. आर. नं. 1250/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं 1611 (1617) जो डाबोर्ड ताल्ला है तथा जो बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के निए;

खतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. पुनजाभाई नागजी भाई पटल, खुणी भाई नागजी भाई पटल, दाबाई तालुखा।
 - (अन्तरक)
- 2. प्रमृह-यूनियन वर्क सोसाइटी, वसनमलाल मृलजी भाई पटेल, डाबोई, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1601 (1617) डाबोर्ड यथाविधी मार्च, 1981 में रुजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

ता्रीब: 9-11-1981

मोहर ः

प्रकृष धाई• टी० एन• एस•----

भाय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निद^{क्ष}श सं. पी. आर. नं. 1251/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

मायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उपित बाबार मुख्य 25,000/-रपर्व से शक्ति है

और जिसकी सं. वर्णित किया हुआ प्राय नं. 37-जी में है। तथा जो कोटेक्वर, गांधी नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाधार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (छ) ऐसी किसी पाव या किसी बन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः, अब, उश्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा <u>.</u> घोऱाजी बागजी
- 2 ु दानीबन् मोनाजी, माग्जी का विधव
- 3 : जयप्रकाश प्रभादभाइ
- 4 . कामनीलाल मगनलाल
- 5 ु साया भाई प्रभुवास
- 6 नास्भाई देयाभाई
- 7. इ. धाभाई मेगाभाई
- 8 . हरीभाई मोतीभाई
- 9. पुरीबन मोहन भाई

- 10. हीराबन ब्याजी
- 11. बेचभाई नाथभाई
- 12. कपाभाई के भारवाड
- 13. जयन्तीभाई ध्लाभाई
- 14 . रमेशभाई धलाभाई
- 15. मधुभाई प्रुद्धास्तमः
- 16. मनस्खभाई माधाभाई
- 17, रटीलाल मणीलाल
- 18. भान्माबेन माधाणी
- 19. बिखभाई माधाणी
- 20. जासीबेन वागाजी
- 21. भूलाभाई मणीलाल
- 22. मनोभाई कासाभाई।

सभी कोट रेवर, गांधीनगर के निवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री परिसभाई बी पटील कांटेश्वर, गांधीनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेपा---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इपब्दोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी छन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अमुसुची

मिलकत जो कोटेश्वर, एस. नं. 115, 109, 119, 116, 118, 112, 104, 96, 108, 114, 99, 117, 107, 120, 113, 97, 300, 101_{F} 111, 102, 98, 110 युथाविधी मार्च, 1981 में रजिस्द्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोष-।।, अहमदाबाद

तारीख 🥫 9-11-1981

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक ९ नवम्बर 1981

निद^{्ध}श सं. पी. आर. नं. 125-2/एक्सी/23-11/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एसं. नं. 1470-1 है। तथा जो सायिण, कालांल (उमरा गुजरात) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलांल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हाँ और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्योक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिसास में अधिक हों और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. पढेल वेणीदास रामदास, जोनीक, ता. मेहसाना। (अन्तरक)
- 2. डथरकर, भगवती प्लोर मिलस, मनुभाई भागुभाई पढोल, नारसिन्हनगर, नान्पूरा चार रस्सा, अह-भदाबाद-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) ध्र स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात जो साजिय गांव एस. नं. 1470-। (उनरा गुजरात, कलोल, यथाविधी तारीख 3-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदां सं. पी. आर. नं. 1253/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और

और जिस्की सं. आर. एस. नं. 180-बी नं. 112 है। तथा जो हेडाया-हनुमन्त में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेहसाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित काजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल सं, एसे स्त्यमान प्रतिफल का एन्स्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांसु:— ठाकार सदाजी अमथजी, होडवा हनुमन्त, ता महिसाना।

(अन्तरक)

- 2. (1) पटल हरीभाई लाख्वास
 - (2) कान्तीलाल गणेशवासँ
 - (3) पटेल माधाभाई लल्लुभाई
 - (4) पटले रामभाई देवचन्ददास
 - (5) पटल अम्बाराम जौतराम
 - (6) पटेल मणिलाल शंकरदास
 - (७) पटले जेदाभाई गाराणदास
 - (8) पाला वासना, ता. भेंहसाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो होडवा हनुमन्त, ता. मेहसाना आर. एस. नं. 180, बी. नं. 112, यथाविधी तारील 19-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 9-11-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्दोश सं. पी. आर. नं. 1254/**एक्थी**/23-।।/81-82—–अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एसं. नं. 273/3, जमीन है, तथा जो सान्धकुता, नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1981

का 16) क अधान 12-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त सम से किथत महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;; आर्/र्या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री राजन्माक मार रिसकलाल जायेरी, दलपतलाल एण्ड कं. का मृखत्यार, ज्योति बिल्डिंग, दालिया घोरी, महीधारपुरा, सूरत्।

(अन्तरक)

 सेवांतीलाल कालीदास महता, श्री बेनासकान्था स्थानक जैवासी संघ का ट्रस्टीज, महादाव सोसाइटी, नृवृसारी।

(अन्त(रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो सान्धाकुवा आर. एस. नं 273/3, नवसारी यथाविभी तारील 12-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

जी सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीच ः 10-11-1981 मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अहमवाबाद

अहमवाबाद, विनांक 10 नवम्बर 1981

निद^रण सं पी. आर नं. 1256/एक्वी/23-11/81-82-- अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का**र**ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से मधिक है बाजार मुख्य अरिजिसकी सं. बोर्डनं. 1, टीका नं. 92, एस. नं. 3804, आर. एस. नं. 203/102-3 है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर ग्रन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच

ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ट-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **मौर/या**
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायक्षर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अय, सक्त प्रविनियम की धारा 269 ना के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रिविनयम की धारा की 2.69-म की अपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री श्रामसवीआर दीनशजी बोकारी, नव्सारी। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री फीराश डी. बहारीवाला
 - (2) नरीमान डी. बंदारीया
 - (3) तमुरास एसः तम्बोली
 - (4) रुस्तम डी भावडा जमशेदजी पेस्आनजी व साई अवायने भेरीटी ट्रस्ट के ट्रस्टी, नवसारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाद्यियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप ं। → -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ध्रिय-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उप ब्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिल्कतजो एस.न. 3804, आर.एस.नं. 1-2-3 से नवसारी में स्थित है और मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

तारीख ः 10-11-1981 मोहर 🤢

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निव श सं. पी. आर. नं. 1255/एक्वी/23-11/81-82---अतः मूफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 215/1, 2 और 216 टीका नं. 18, एस. नं. 32, 22 और 36 हैं। तथा जो नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1981

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिक के लिए अन्सरित की गएं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल के पन्द्रह श्रीतशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिंचत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिंचत में बास्तिवक क्ष के किंधत नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवध के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- 1 (1) श्री सगीर-समीर मन्हर
 - (2) अंबालाल बावाभाई पटेल
 - (3) हरीहर अंबालाल पटेल
 - (4) बैंद्य स्ट्रीट, नवसारी।

(अन्तरक)

 शांतिलाल भंवरलाल बारिमया गुवर्नमें ट गेस्ट हाउस के सामने तुलसीक हो, नवसारी।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कीत जो आर. एस. नं. 215/1-2, टीक़ा नं. 18, नं. 32.33 और 36 से नवसारी में स्थित है, और 16-3-1981 को रिजस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाव

तारीख: 10-11-1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रेज-।।, अहमवाबाव

अहमवाबाव, विनांक 10 नवम्बर 1981

निवर्षेत्र सं. पी. आर. नं. 1257/एक्की/23-11/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

और जिसकी सं. सी. एसं. नं. 48, एसं. नं. 1890 है तथा जो नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण विवित में नास्तिव्क कप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् --18—366GI/81

- 1. (1) सुरोष मगनलाल महता
 - (2) रणजीत मगनलाल मेहता के कुलमुखस्यार गीरीराज के सामने, नवसारी।

(अन्तरक)

 श्वामल बाबुभाइ शाह, नारण लाल हाउसींग सोसाइटी, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कीत जो नं, 284/2, सी. एस. नं. 48, एस. नं. 1890 से नवसारी में स्थित है और 23-3-1981 को रिजस्ट्री की गृह है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

सारी**स**ः 10-11-1981 मोहरः। प्ररूप खाइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निव^{र्}श सं. पी. आर. नं. 1258/एक्सी/23-11/81-82-- अतः मुभ्ते, जी. सी: गर्ग, क्षायकर अधिनियम, , 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/ रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. एस. नं. 50 सी. एस. नं. 207 है तथा जो महारानी शान्तिवेदी रांड, नवसारी में स्थित हाँ (और इससे उपाद्यद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, सर्थात् --- 1. चुनीलाल जगजीवनदास बाह, हसमुखलाल छोटोलाल बाह, नागरवाद, नवसारी।

(अन्तरक)

2. साभाना बिल्डर्स का भागीदार, श्री मुभाष बलवन्त राय देसाई नागरवाद, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कतः मिल्लिक्ति जो एस. नं. 50 सी. एस. नं. 207, शान्ति देवी रोड, नवसारी यथाविधी तारीख 31-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-१।, अहमदाबाद

तारीब : 10-11-1981

माहर 🗄

प्ररूप आइ. टी. एम्. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निद³श सं. पी. आर. नं. 1259/एक्की/23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

अरि जिसको सां. नं. 1601, टी.पी.एस. 4, एफ.पी. 127 है। तथा जो प्लाट 2, 4, 5 और 6, नेशनल डेयरी, देव बोर्ड आनन्व में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध बनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तितयों अधीत्:--- वांकारभाद्यं छोटाभाद्यं गोहील् और बूसरो, राजदेपुरा, ता. आनन्त्य ।

(अन्सरक)

- 1. (1) अनजानाबेन असवीनभाई शाह
 - (2) शारदाबेन रमनलाल बाराट
 - (3) दीनुभाई मगन भाई पटोल गांव-कामभोलाज-ता. अनन्द।
 - (4) शान्ताबेन जसवन्तभाई पटोल और दूसरो द्रानोल, ता. आनन्द।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्सि के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्युव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त स्थितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूगा हैं।

अनुसूची

मिल्कत जो एस. नं. 1601, टी. पी. एस. नं. 4, एफ. पी. 127, आनन्य यथाष्ट्रिभी मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1981 **मोहर**्क प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निद्देश नं पि. आर. नं 1260/एक्वी /23-11/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. शाप नं. 63, बीजा माले हैं, तथा जो रेशम-वाला माकींट, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनिय्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इद्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्री राजगृलकान सुन्दरदास गांवा, सुन्वरलाल मसन-लाल गांबा के कुलमुखतयार, नानपूरा, सापपा बाजार, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विमल रानी अमीनीथ डारा, मंगल प्रभात फ्लेटस, दिलचन्द नगर, अमवा गट, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

मिल्कीत जो रोशमवाला मीकीट शाप नं. 63, ह्रांसरा माले, सुरत यथाविधि तारीख 18-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजु-।।, अहमवाबाव

तारीख : 12-11-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदंश नं रोफ. नं पी. आर. नं 1261/अर्जन रोज 23-11/81-82--अतः सुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं.

और जिसकी सं. सर्वे नं. 353, 352/2 है, तथा जो काची-गाम, वमन में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पामा गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

(1) श्री मन्छा लाली, श्री मनुभाई आर. देसाई, श्री कालीवास चरणजी देसाई, काचीगाम, दमन। (अन्तरक)

(2) श्री अस अने पी पूंज, अरोफीस्टीक प्रोडक्टस कप्रमाटर 13, कनट प्लंस, नई दिल्ली-110001। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी को पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत काचीगाम में स्थित हैं, जिसका सर्वें नं 351-2 और 353-1 है, तथा जो मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 13-11-1981

महिर 🖫

प्ररूप आहुर.टी.एन्.एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) की भारा 269-भ (1) के बुधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवास नं पी. आर. नं. 1262, एक्वी. 23-11/81-82--अतः मूफे, जी. सी. गर्ग, जायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 69-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं ब्लोक नं 117 है, तथा जो अम्बोली में स्थित है (और इससे उपाबत्भ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस्थाति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्धि। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मंगलदास जीवणजी पटोल, श्री जगवीशक मार मंगलदास, श्री अरविंदक मार मंगलदास, श्री भरत-क मार मंगलदास, श्री दीलीपक मार मंगलदास, कठार (कामरेज)।

(अन्तरक)

(2) श्री डाह्याभाई अंबालाल पटोल, श्रीमती लक्ष्मणीबेन भाईलाल पटोल, श्री नटबरलाल अंबालाल पटोल, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पृक्षेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मिलकत जो एस. नं. 117, से अंबाली में स्थित है, और मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

> र्जीः सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

भतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधितः--

तारीख: 13-11-1981

मोहरः

पुरूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, अहमबाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निविश नं रोफ नं पी आर नं 1263/अर्जन रोज 23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 10/1 + 11 + 590 + 13 है, तथा जो बील्लीमोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गनदोनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 2-3-1981

को 16) क अधान, ताराख 2-3-1981 को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे देखने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्री जारबाई धनजी शाह, अंडमीनेस्ट्रेटर, जहांगीरजी दाजी शाह, सलवन्धा, बांस्बे-50।

(अन्तरक)

(2) राधा कि इन फ्लोर राइस मिल्स के भागीदार, कमलेश टोक्सटाइल्स, भगवती टोक्सटाइल्स, श्री वृजलाल भीखाभाई बेंगाली, वसारीया बन्दर रोड, बील्ली-मोरा।

(अन्सरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- स्थ्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अभूस्ची

मिलक्रेंत जिसका सर्वें नं. $10/1 \pm 590 \pm 13$, बील्ली-मोरा, जिसकी विनाक 2-3-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज-।।, अहमबाबाद

अतः अस्र, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियाँ क्योंत् हर---

तारी**स**ः 13-11**-**1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निद्येष नं. पी. आर. नं. 1264/एक्की./23-11/81-82-- जतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से अधिक है और जिसकी सं. एस. नं. 167, 180/2, 184 है, तथा जो दसरा, बिल्लीमोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गानदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 18-3-1981 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का. पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए आ, क्याने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जुनीन गिम्नुलिचित् व्यक्तियों अर्थात्:==

- (1) श्री अम्बालाल पर्षातम अमीन, धंशा, बिल्लीमोरा। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रामाबेन फकीरचन्द्र शाह, बिल्लीमोरा, ता-गानदेवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जातीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो वसेरा, एस. नं. 167, 180/2, 184 यथा-विधि तारीस 18-3-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजु-१२, अहमदाबाद

त्रीष : 13-11-1981

महिर:

संघ लोक संबा आयोग

नोदिस

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 25/3/80-प1(स)—भारत के राजपण दिशांक 12 दिसम्बर, 1981 में गह-मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित संवाओं के ग्रेड-। की चयन सूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जातियों के उम्मीददारों के लिए जारिक्षत रिक्तियों के मामने और नाम जोड़ने के लिए भंघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कहकत्ता, विल्ली, मदास, नागप्र तथा विदश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 27 अप्रैंल, 1982 को एक समिमलित मीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

मायोग प्रवि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपपूक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों के उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र वोने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवज्ञ किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र वे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेज वे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी वे वी आएगी (नीचे अनुबन्ध का पैरा 7 वेलिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ग 1

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड-1

33 (ग्र॰ जा॰ के लिए तथा ग्र॰ ज॰ जा॰ के लिए--(1979 के लिए 22 तथा 1980 के लिए 11)।

वर्ग-2

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग का ग्रेड–1 5 (म्र० जा० के लिए 3 तथा म्र० ज० जा० के लिए 2) (1980 के लिए 1 तथा 1981 के लिए 4)।

वर्ग--3

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-।

9 (ग्र० जा० के लिए 6 तथा ग्र० ज० जा० के लिए 3) (1979 के लिए 2, 1980 के लिए 4 तथा 1981 के लिए 3)।

उपर्युक्त संख्याम्नों में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार अपने आयंदन पत्र में उस वर्ग का स्पष्ट रूप से अवश्य उल्लेख कर जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं... 19—356GI/3!

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वालं उम्मीदिवार संलग्न आवेदन पत्र पर सिवय, संध लोक संवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करों। निर्धारित आवेदन पत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण मिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र अनुमूचित जाति तथा अनुमूचित जन जाति के लिए ग्रेड-। (अवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा 1982 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन-पत्र पर ही प्रस्तृत करों। अनुसूचित जाति तथा अनुमूचित जन जातियों के लिए ग्रेड-। (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र से अलावा अन्य आवेदन प्रपत्र पर प्रस्तृत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा ह्या आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक संवा आयोग औलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 18 जनवरी, 1982 (18 जनवरी, 1982 से पहले ही किसी तारीख से असम, मेघालय, अक्ष्णाचल प्रदेश, मिजोर्स्म, मणिपूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लव्वाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार व्वीप समूह या लक्षव्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदिवारों के मामले में 1 फरवरी, 1982) तक या उसमे पहले अवश्य भिजवा दिया जाए। निधारित तारीख के बाव प्राप्त होने वाले फिसी भी आवे-वन-पत्र पर विवार नहीं किया आएगा।

असम, मंघालय, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिप्र, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्कम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहों तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 18 जनवरी, 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिप्र, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (1):—— जो उम्मीदवार एमें क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तृति होत् अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हों आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् असम, मेघालम, जम्म तथा क्यारि राज्य का लद्दाक प्रभाग (क्यादि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न

टिप्पणी (।।):—-उम्मीदवारों को मलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र की ज्यसं होंग लोक सेवा अखोग के काउन्टर परं जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्यारा भेजे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी की दिए गए आवेदन पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होंगा।

> विनय आ संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग्

अनुबन्ध-।

उम्मीदवारों को अनुबोध

1. उम्मीदवार आयेवन पत्र भरने से पहले नोटिस आरे नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह बोस लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शतों में छूट नहीं वौ जा सकती हैं।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीववार को नोटिस के पैरा 1 में दिये केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा वेने का इच्छुक हो, अस्तिम रूप से चून लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होत अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस वात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता हैं। ऐसे अनुरोधों पर गणक्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 27 मार्च, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विवेश स्थित भारतीय मिशन
में परीक्षा बेना चाहता हो तो उसे अपनी पसन्य के क्रमान्सार
वो अन्य भारतीय मिशन (वह स्वयं िश्स बेश में है उससे
मिम्न बोगों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में
बेने चाहिए। आयोग यदि जाह तो, उम्मीदवार को उसके
व्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा
में बैठने के खिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों की आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइंट पैन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र, अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीचवार यह ध्यान रखे कि आवेदन पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भूम सथा संदिग्धता के लिये उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आयोग आवेदन पत्र मं उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों की वदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं करगा। इस लिए उन्हें आवेदन पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्या-लय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके आवेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज दोगा।

- उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र के साथ निम्निलिखता प्रमाण पत्र अवदय भेजें।
 - (1) उम्मीदनार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटों की दो एक जैसी प्रतियां जोंकि एक आवेदन पत्र पर और

- बूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गयी हो। उम्मीदवार को फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की आर स्याही से हस्साक्षर करने चाहिए।
- (2) लगभग 11.5 से. मी. × 27.5 से. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर अपना पता लिखा हो।
- (3) विधिवत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन प्रपृत्र के साथ संलग्न)।

''उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र के साथ संलग्न उपस्थिति पत्रक पर वे अपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के अलावा कोई अन्य प्रविष्टि न करें'

- 4. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेवन पत्र भरते समय कोई भूठा ब्यौरा न दे अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।
- 5. आवंदन पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवंदन प्रपत्र को अमूक तारील को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 6. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या आरी कर दी जाती है। यदि किमी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पंत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती होतू संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवंदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीय दे वी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा से शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवंदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई मूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एना नहीं किया ती वह अपने मामले में विधार किए जाने के दावे से विचित्त हो जाएगा।
- 8. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारो को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भस्ता नहीं मिलेगा।
- 9 आवेदन पत्र से सम्बन्ध का व्यवहार :——आवेदन पत्र में संबद्ध सभी पत्र आदि सचिद, संघ लोक सेदा आयोग, धौलपुर हाउस, नहीं दिल्ली-110011, को भेले जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यूरो अनिवार्य रूप से दिया शाये :——
 - (1) परीक्षाकानाम।
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
 - (3) उम्मीववार को आवेवन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर अथवा जन्म तिथि आवि आवेवन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर स्थित नहीं किया गया है।

- (4) उम्मी वार का नाम (पूरा तथा अक्षरों में) ।
- (5) आधेदन पत्र में दिया गया पत्र-ज्यवहार का पता ।

भ्यान व⁵:---

- (1) जिम पत्रों आदि में यह स्थीरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं विद्या जायेगा।
- (2) परीक्षा सभाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमे उसका पूरा नाम-और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान

नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

10. पते में परिवर्तन:— उम्मीवयार को इस बास की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आयेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवद्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग की उसकी सुचना, उपर्युक्त परा 9 में उल्लिखित ब्यौरो के साथ यथात्रीय वी जानी चाहिए यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान बेने का पूरा पूरा प्रयस्न करता है फिर भी इस विषय में वह जिम्मेवारी स्वीयंभर नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th November 1981

No. A. 32012/1/81-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 25th Aug. 1981 the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer of the Office of Union Public Service Commission to officiate as officer on Special Duty (Lang.) in the Commission's office on ad-hoc basis for the period for 19-11-81 to 18-2-82 or until further orders whichever is earlier.

P. S. RANA, Section Officer, for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 18th September 1981

No. A. 19013/2/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Natarajan, IA&AS, as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 16th September, 1981 until further orders.

The 13th November 1981

No. A. 12024/2/80-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-9-81, the President is pleased to appoint Smt. Prem V. P. Singh, an officer of IRS (C&CE-1970) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 1-11-1981, until further orders.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th November 1981

No. 2K RCT 15.—The Central Vigillance Commissioner hereby appoints Shri Sujit Banerjee, IAS (UP-1972) as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 12-10-1981 until further orders.

No. 2K RCT 15.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. K. Zutshi, IRS (C&CE: 1966) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 14th October, 1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 18th November 1981

No. A-19027/3/81-AD.V.- The President is pleased to appoint Shri S. K. Das Gupta, Iunior Scientific Officer (Photo) to officiate as Senior Scientific Officer (Photo) on ad-hoc basis in C.F.S.L./CBI with effect from 20-10-1981 to 31-12-1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19035/3/80-AD.V.—The Director/C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant, CBI, Head Office to officiate as Office Superintendent, on nurely ad-hoc basis, for a period of 45 days from 2-11-1981 to 16-12-1981 in the leave vacancy of Shri R. P. Arora, Office Supdt./Legal Division having proceeded on 45 days Earned Leave from 2-11-1981.

Q. L. GROVER. Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 21st November 1981

- No. O. II-1593/81-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri N. B. Bhat, an IPS officer of Karnataka Cadre as Deputy Inspector General of Police in the C.R.P.F.
- 2. Shri Bhat took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Imphal on the forenoon of 19th November, 1981.
- No. O. II-1609/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) G. Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 2-11-1981 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.
- No. O. II-1610/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Bhaskar as General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th November, 1981 subject to his being medically fit.
- No. O. II-1611/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. E.G. Gopikrishna as General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th Nov. 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 19th November 1981

No. 10/28/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. B. K. Roy, Assistant Registrar General (Map) in the office of the Registrar General, India New Delhi, as Deputy Registrar General (Map) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 26th October 1981, or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Dr. Roy will be at New Delhi.
- 3. The above-mentioned *cul-hoc* appointment will not bestow upon Dr. Roy and claim to regular appointment to the post of Deputy Registrar General (Map). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *cul-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without mentioning any reason therefor.

The 20th November 1981

- No. 11/26/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Vashistha, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Chandigarh, as Deputy Director of Census Operations, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the same office, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 19th October, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.
- 2. The President is also pleased to appoint Shri J. N. Suri, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Harvana, Chandigarh as Assistant Director of Census operations (Technical), on purely temporary and ad-hoc basis in the same office vice Shri J. R. Vashistha, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 19th October, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointments to the posts concerned. The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the concerned grade and for eligibility for promotion to the next higher grades. The above-mentioned ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

4. The headquarters of S/Shri Vashistha and Suri will be at Chandigarh.

No. 11/38/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri M. G. Mohril, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoo basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 22nd October, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Mohril will be at Bhopal.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Mohril any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The abovementioned ad-hoc appointment may be reversed at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 21st November 1981

No. 11/42/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 30th June, 1980, the President is pleased to appoint Shri Prem Nariani, an officer belonging to Grade 'A' of the C.S.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation and ad-hoc basis, for a further period upto the 30th June, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Nariani will be at Bombay.

No. 11/74-80-Ad.I.—The President is pleased to terminate the services of Shri P. Gopala Krishnan Nair, a retired officer belonging to Kerala Civil Service, and at present working as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on reemployment basis, with effect from the afternoon of the 30th September, 1981.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 13th November 1981

No. 177-A/4.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri V. N. Zadbuke,

Inspector Control. Currency Note Press to the post of Deputy Control Officer in the Currency Note Press on a purely ad-hoc basis from 2nd November, 1981 to 4th December, 1981.

S. D. IDGUNJI, General Manager, Currency Note Press

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 20th November 1981

No. Admn.1/8-132/81-82/348—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders:

Name	Date of assumption of char	go
1. M. Subba Rao-I .	. 22-10-1981 F.N.	_
2. A. Appalanarasimham	. On foreign service to Chuk Hydel Project, Bhutan.	ka
3. B. Ramakrishna Rao	. 22-10-1981 A.N.	
4. C. Rama Murthy .	. 22-10-1981 F.N.	

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, and also subject to the result of the Writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R. HARIHARAN, Sr. Dy Accountant General (Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 18th November 1981

No. AN/I/1799/5/Vol.I.—Shri S. S. Raghavan, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 15-4-82 (his date of birth is being 15-04-1924) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 30-04-1982 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 30-04-1982 (AN) in terms of FR 56(a).

R. K. MATHUR, Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin)

New Delhi the 23rd November, 1981

No. AN-II/2606/81-1—1. The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

SI, Name No.	with Roster No.					Grade	Date from which transferred to pension Estt.	Organisation
1 2				 		3	4	5
S/Shri 1, S.V. St P/160	i indar c swaran,	•	-	•	•	Pt. Accounts Officer	31-7-81	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2, V.R. R O/264	adhakrish <u>n</u> an	•			•	Offg. Accounts Officer.	31-7-81	Do.

1	2 ·							3	4	5
3.	S/Shri D.S. Gokale . O/213.							Offg. Accounts Officer		Controller of Defence Accounts, Southern
	M.K. Dabir . P/176					•	•	Pt. Accounts Officer		Comman d, Poona. Controller of Defence Accounts (Officer) Poona.
5.	P. Rangarajan P/54							Do.	31-7-81	Do.
6.	Raghubir Singh O/NYA	•		•			•	Offg. Accounts Officer	31-7-81	Controller of Defence Accounts, Western Com- mand, Meerut.
7.	Krishan Lal Nag P/83	gpal	ıř		•			Pt. Accounts Officer	31-7-81	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
8.	Jai Prakash .						,	Offg. Accounts Officer	31-7-81	Do.
9.	O/NYA Ganesh Das Setl P/277	hi .	•					Pt. Accounts Officer	31-7-81	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Moerut.
10.	Kishori Lal Jahr P/181	ι,	•		•	•		Pt. Accounts Officer	31-7-81	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
11.	Gurbachan Sing P/545	h Joha	г.				٠	Do.	31-7-81	Do.
12.	Ajit Kumar Roy O/145	· ·			٠			Offg. Accounts Officer	31-7-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
13.	M. Kandaswam; P/369	y .	•	•		•	•	Pt. Acounts Officer	31-7-81	Controller of Defence Accounts (Other Rank) South Madras,
14.	Amar Singh . P/249		•	•	•	•	•	Do.	31-7-81	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
15.	A.K. Bancrjee . P/250	•		•	•			Do.	31-7-81	Do.
16.	Jagdish Rai Kha P/290	anna		-	•	•	•	Do.	30-9-81	Do.
	T.R. Narasimha P/15	n,	•	•	•	•	•	Do.	31-8-81	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona,
18.	V.S. Kulkarni . O/47			•	, •			Offg. Acounts Officer	31-8-81	-
19.	D-D. Kavl P/309	•	•	•	•	•		Pt. Accounts Officer	31-8-81	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
20.	V. Subramanian P/370	•		•		•	•	Pt. Accounts Officer	31-8-81	Do.
21.	V.S. Kohli . P/214		•	•	•		•	Do.	31-8-81	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
22.	Puran Ram Parl O/410	kash		-	•	•		Offg. Accounts Officer	31-8-81	Do.
23,	A.S. Nagarajan O/41	•	•	•	٠	•	•	Do.	31-8-81	Controller of Defence Accounts (Other Rank) South Madras.
24.	C. Venkatasubb P/50	аууа	•	٠	•			Pt. Accounts Officer	31-8-81	Controllor of Defence Accounts (Other Ranks), South Madras.
25.	A,A,K. Ghori O/NYA		•	•	•	•	•	Offg Accounts Officer	31-8-81	Controller of Defence Accounts, Western Com- mand, Meerut Cantt.
26.	Ram Nath P/210	•	•	•	•			Pt. Accounts Officer	31-8-81	
27.	V.P. Murtekar P/380	•		•	•	•	•	Do.	31-8-81	Do.
28.	M.C. Kamalpur P/175	kar .	•	•	•	٠	•	Do.!	30-9-81	Controller of Defence Accounts, Southern Com- mand, Poona.
29.	D. Ramapathi P/90		•		•	•		Do.	30-9-81	Do.
30.	M,G. Datar · O/NYA	•			•		•	Offg Accounts Officer	30-9-81	Controller of Defence Accounts (Officers)Poona

1	2						3	4	5
31,	S/Shri P.G. Deshmukh P/195	,					Pt. Accounts Officer	30-9-81	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
32.	Dharam Pal Bhatia P/235					•	Do.	30-9-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
33.	V.S. Vaidya . P/470			•			Do.	30-9-81	Do.
34.	Birendra Nath Chak P/162	rabo	rty		٠		Do.	30-9-81	Do.

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer.

SI. Name, with Roster No.	Grade	Date of death	Struck of strength of the deptt.	Organisation
1 2	3	4	5	6
1. Shri S.K. Chakraborty P/220	Pt. Accounts Officer	25-5-81	26-5-81 (F.N.)	Controller of Accounts (Factories). Calcutta.

A. K. GHOSH,

Dy. Controller of Genl. of Defence Acets. (Project)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 016, the 18th November 1981

No. 43/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri V. I. Balakrishnan, Offg. Assistant Manager/Subst. and Permanent Foreman retired from service with effect from 31st July, 1981(A/N).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Simla, the 5th December 1981

No. 23/3/81-CPI.—The Alf-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 increased by four points to reach 460 (Four Hundred and Sixty) during the month of October, 1981. Converted to base: 1949=100 the indix for the month of October, 1981 works out to 559 (Five Hundred and fifty nine).

S. BHARADWAJ Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st November 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1014/73-Admn 'G'/6326.—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Rustagi an officer of the Section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi is permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1981.

A. N. KAUL Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 23rd November 1981

MARKING REGULATIONS

No. 5(2)/81-CLB, II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4(2) read with Clause 9 of the Artsilk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby specify that with effect from the first day of January, 1982, the following markings will be made by the manufacturers of artsilk yarn and cloth in the manner prescribed below:—

- I. This notification shall apply to all categories of artsilk yarn or artsilk cloth except the following:—
 - (a) Packages of artsilk yarn whether in the form of hanks, cops, cones, cheeses, beams and bundles not exceeding 500 grams in weight.
 - (b) Lengths of artsilk cloth not exceeding 50 cms.
 - (c) Artsilk yarn or artsilk cloth sold to the Central Government directly by the manufacturer.
 - (d) Artsilk yarn or art silk cloth exported out of India.
 - (e) Handspun artsilk yarn.
 - (f) Artsilk cloth manufactured on handlooms.
 - (g) Artsilk cloth sold to processors for processing.
 - (h) Tapes, ropes and newars.
- II. The following markings shall be made on paper labels securely pasted on each package exceeding 500 grams of artsilk yarn, whether in the form of hanks, cops, cones, cheeses, beams or bundles.
- (1) Artsilk Yarn (Spun)
 - (a) Name and address of the manufacturer.
 - (b) Month and year of packing.
 - (c) Net weight in kilogrammes of artsilk yarn in the package.
 - (d) Count of yarn (English count).
 - (e) The words "LEA BREAKING STRENGTH" followed by the figure indicating the strength in pounds (lbs).
 - (f) In the case of spun yarn the words "ARTSILK SPUN YARN" followed by the exact percentage by weight of each of the different types of fibres in the yarn to the total weight of yarn as illustrated below:—
 - (i) ARTSILK SPUN YARN—POLYESTER—100%

(ii) In the case of blended yarn, the words "BLENDED ARTSILK SPUN YARN" followed by the generic name and its exact percentage in the decending order e.g. "BLENDED ART-SILK SPUN YARN".

POLYESTER—40% POLYNOSIC—38% VISCOSE—22%

- (2) Artsilk Yarn (Filament)
 - (a) Name and address of the manufacturer.
 - (b) Month and year of packing.
 - (c) Net weight in kilogrammes of artsilk yarn in the package.
 - (d) Denier of the yarn with number of filaments and twists per metre preceded by the words "FILA-MENT YARN" and the generic name such as "POLYESTER", "VISCOSE", "POLYNOSIC", "NYLON" or "ACRYLIC" etc. e.g. "POLYESTER FILAMENT YARN 40/12/600".
 - (e) The words "TFNACITY" followed by the figure indicating tenacity in grams per denier.
- Note:—In case of yarn on cone, the label containing the markings shall be pasted inside the cone and in the case of yarn on beams the label containing the prescribed markings shall be securely fastened to the beams.

III, Artsilk Cloth

The following markings shall be made on the face-plait of each piece of art silk cloth when packed in plaits and on the front end of the piece when packed in rolls. When the portion containing the markings is not sold last to the consumer, the said markings shall be made on both ends of the piece of artsilk cloth.

- (a) Name and address of the manufacturer.
- (b) Month and year of packing.
- (c) The name by which it is commonly known e.g. "SAREE", "SHIRTING" or "SUITING" etc.
- (d) Length in metres and width in centimetres.
- (e) The words "MADE FROM" followed by the words "SPUN X SPUN" or "FILAMENT X FILAMENT" or "SPUN X FILAMENT YARN" as the case may be.
- (f) The exact composition of the artsilk cloth expressed in percentage by weight of each of the individual constituents to the total yarn content of both warp and weft put together as illustrated below:—
 - (i) POLYESTER---100%
 - (ii) In the case of Blended Cloth, the words "BLENDED ARTSILK CLOTH" followed by the generic name of each constituent and its exact percentage by weight in the descending order c.g.

"Blended Artsilk Cloth"
POLYESTER—40%
POLYNOSIC—38%
VISCOSE—22%

VI. (1) For the purpose of marking the generic name as specified in paragraphs II(1)(f), II(2)(d) and III-(f) herein above, only generic names e.g. Polyester, Viscose, Nylon, Polypropylene, Acrylic etc. as the case may be shall be marked as illustrated in the said paragraphs. The examples cited therein are only by way of illustration. No other words such as Cellulosic, Polyamide, Poly-olefine, Polyurethuc, Dacron etc. shall be used. No markings suggestive or indicative of the percentage composition except as specified in the said paragraphs shall be made.

- (2) Every marking specified in Paragraphs II and III above with respect to length, width, count/denier or weight etc. shall always be subject to the relevant limits of variations laid down in the Notification issued under Section 95 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958) as amended from time to time.
- V. The markings shall be in English in capital letters or in Hindi in Devanagri script and the numerals used should be the International numerals and the letters or figures should not be less than half centimetre in height in the case of artsilk yarn and not less than one centimetre in the case of artsilk cloth.

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER.

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18th November 1981

No. A-19018/528/81-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Anand Kumar as Assistant Director (Gr. 1) (Electronics) at Small Industries Sorvice Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 17th September, 1981 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 17th November 1981

No. A-17011/187/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri J. P. Sharma, permanent Examiner of Stores (Assaying) and officiating Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies & Disposals, Rombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspection Officer (Met-Chem) in the Office of Deputy Director of Inspection (Bhilai under Jamshedour Inspectorate w.e.f. the forenoon of 15th September, 1981 and until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 19th November 1981

No. A-1/1(737).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Grade I) Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoom of 3-11-81 for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier:—

- 1. Shrl S. C. Sharma
- 2. Shri Manmohan Pal Singh
- 3. Shri S. K. Bandhu
- 4. Shri D. K. Tyagi
- 5. /Shri D. S. N. Murthy
- 6. Shri O. C. Rustogi
- 2 The above officers relinquished charge of the root of Assistant Directors of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assit. Director (Gr. I) in the Directorate General of Supplies & Disnosals, New Delhi with effect from the forenoon of 3-11-1981.

S. L. KAPOOP.
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi-110001, the 20th November, 1981

No. A-31013/4/79:A6 —The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Assistant Director of Inspection (Metchem) in the Metallurgical/Chemical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' with effect from the date indicated against the name of each officer:—

S.	No. Name	,					Post held	Date of confir-mation	Remarki
1		_					3	4	5
	S/Shri								
1.	V.B. Khanna	•	٠	•	•	•	Assistant Director of Inspection (Met-Chem) N.,I. Circle, New Delhi.	1-4-73	Vice Shri B.B. Banerjee confirmed as DDI (Met-Chem.)
2.	H. Ananthapadmanabhulu	•		•	•	•	Deputy Director of Inspection (Met-Chem), Jamshedpur (Ref. w.e.f. 31-7-1980(AN)	n 5-2-79	Vice Sh. M.N. Dutta Gupta (Retd.)
3.	M.P. Chowdhury ,	ı		•	•		Deputy Director of Inspectio (Met-Chem), Burnpur.	n 10-6-79	Vice Shrl K.L. Murthy (Retd).

P. D. SETH, Deputy Director (Administration).

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 17th November 1981

No. 7444B/A. 19012(1-Mcu/80/19A.—Shri Mahesh Chander Upadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-* in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th August, 1981 until further orders.

No. 7457B/A-19012(BNB)/80/19A.—Shri B. N. Bhartiya is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay minimum of pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-9-1981, until further orders.

J. SWAMI NATH Director General Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th November 1981

No. A. 19011(23)/78-Estt. A.—On the expiry of the deputation period as Mining Expert to the Government of Afghanisthan, Shri O. P. Sachdeva reverted back to India on 14-11-80 after availing joining time from 10-11-80 to 14-11-80. He availed of earned leave and half pay leave from 15-11-80 to 29-9-81 and assumed the charge of the post of Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, Dehradun on the forenoon of 30-9-81.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-11, the 5th December 1981

No. 14/12/81-M.—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. K. M. Srivastava, Director (Monuments) hereby direct that the centrally protected monument namely Minar of Qutbuddin situated in the Qutb Archaeological area, Mehrauli of Delhi State shall not be open to public with immediate effect until further order.

K. M. SRIVASTAVA Director (Monuments)

New Delhi-110011, the 23rd November 1981

No. 14/11/81-M.—Archaeological Survey of India No. 14/11/81-M in exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, Jagatpati Joshi, Director (Explorations) hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Buddhist monument of Sanchi, District Raisen M.P. on 29th November 1981 and 30th November 1981 on account of the annual function of the exposition of sacred relics of the two chief deciples of Lord Buddha.

JAGAT PATI JOSHI Director (Explorations)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhl, the 16th November 1981

No. 3/128/60-SII.—The Director General. All India Radio, is pleased to appoint Shri Jawahar Singh, Administrative Officer, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Senior Administrative Officer, Upgrah Doordarshan Kendra with effect from 29th October 1981.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 13th November 1981

No 2/44/60-S II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri H. S. Battise, Accountant, All India Radio, Aurangabad to officiate as Administrative Officer All India Radio, Jalgaon with effect from 6-11-81.

S. V. SESHADRI, Deputy Director Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st November 1981

No. A 12024/7/80-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Arun Kumar Alok to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S., New Delhi, with effect from the forenoon of 20th August, 1981, on an ad-hoc basis and until further orders.

The 23rd November 1981

No. A.35014/1/81(CRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. R. Ahuja, Desk Officer in the Ministry of Health & F. W. to the post of Administrative Officer at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 6th October, 1981, on deputation basis, and until further orders.

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 23rd November 1981

No. A.19011/7/79-SI.—On attaining the age of superannuation Shri C. Vittoba, Officiating Deputy Assistant Director General (MS) Government Medical Store Depot, Madras retired from service with effect from the afternoon of 31st October, 1981.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

The 20th November 1981

No. 11269(6).—Shri Harish Chandra Roy has been appointed to the post of Vice Principal in the Farakka Barrage Project Higher Secondary School, F. B. Project, Ministry of Irrigation, Govt. of India on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 14-8-81 A.N. until further orders.

R. V. RANTHIDEVAN, General Manager Farakka Barrage Project.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION) Faridabad, the 19th November 1981

No. A-19025/48/80-A.III.—The ad hoc appointments of the under mentioned Asstt. Marketing Officers (Group I) in this Directorate have been further extended upto 31-12-1981 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

S/Shri

- 1. Y. J. Peter
- 2. T. S. Johny
- 3. N. K. Misra
- 4. P. Satvanaravana
- 5. A. K. Das
- 6. H. C. Vatsal
- 7. A. S. Sharma
- 8. A. R. Mitra

No. A-19023/10/81-A.III.—The ad hoc appointment of Shri E. S. Paulose to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Unjha has been extended upto 29-10-1981 (A/N).

No. A-19023/14/81-A III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri V. P. Singh, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Unjha in the forenoon of 30-10-1981, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketnig Officer, Shri Singh relinquished charge of the post of Assit, Masketing Officer at Rajkot in the afternoon of 29-10-1981.

The 21st November 1981

No. A-19025/49/78-A.III —Consequent on his reversion from the post of Marketing Officer at Uniha, Shri F. S. Paulose has taken over charge of the post of Asstt. Marketing Officer in this Directorate at Uniha w.c.f. 3010-81 (F/N).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 20th November 1981

No. 4-4/81-Adm.—Shri K. K. Dar, Audit Officer belonging to the Cadre of Comptroller and Auditor General of India, is hereby appointed as Assistant Director (Accounts) in Forest Survey of India, Dehradun w.c.f. the forenoon of 17th November, 1981 on deputation terms and conditions contained in this office letter No. 3-11/81-Adm. dated 24th October 1981, until further orders.

A. B. CHAUDHURI Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 23rd October 1981

No. PA/79(11)/79-R-III.—On transfer from Heavy Water Projects, Bombay, Shri K. R. Balasubramaniyam, Assistant Personnel Officer has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of October 15, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd October 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm./16442.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 14, 1981 to the afternoon of November 21, 1981 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE, Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT NAPP Township, the 21st November 1981

No. NAPP/Adm/1(162)/81-S/14513.—Consequent of his resignation having been accepted by the competent authority. Shri P. Radhakrishnan, Scientific Officer/Engineer Grade SB of the Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post in the grade 'SB' in this Project on the afternoon of 26-10-81.

R. K. BALI. Administrative Officer-III

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 20th November 1981

No. DPS/21/1(2)/78-Est/22778.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ashwinikumar Madhusudan Parelkar, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from June 9, 1981 (F/N) to November 16, 1981 (FN).

K. P. IOSEPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 20th November 1981

No. NFC/PAR/1603/5681.—Deputy Chief Executive (A). Nuclear Fuel Complex appoints Sri S. Ramanujam, Scientific Assistant(C) to officiate as Scientific Officer Grade (SB) on an initial pay of Rs. 710/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity w.e.f. 1-8-1981, until further orders.

G. G. KULKARNI. Manager, Personnel & Adm.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam, the November 1981

No. MAPP/18(119)/81-Rectt.—The Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders:

S. No.	Name	Present grade	Grade to which appointed			
1	2	3	4			
S/SI	ıri					
1. B. I	Ravindran	Scientific Assistant 'C'	Scientific Engineer	Officer/		
2. S. 1	Umapathy	Do.	Do.			
3. G.	Меууаррап	Do.	Do.			
4. D.A	A. Lawrence	Do.	Do.			
5. G.	Raghavan.	Do.	Do.			
6. H.	Ibrahim .	Do.	Do.			
7. N.	Kannan .	Do.	Do.			

R.P. HARAN, Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 20th November 1981

No. ADM-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nirdosh Kumar Punj as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of October 30, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative and Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th November 1981

No. 05012/R1/OP/6230.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundyil Thomas Thomas, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad hoc basis, from October 14, 1981 (F/N) to November 13, 1981 (A/N) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer-III.

R. C. KOTIANKAR, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO: SHAR CENTRE P & GA DIVISION

Sriharikota-524 124, the 7th November 1981

No. SCF.P&GA.Estt.1.72.—The Director, SHAR Centre is pleased to appoint Shri P. Anandakrishnan to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1981.

(Sd.) ILLEGIBLE Head, P&GA, for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st October 1981

No. A32013/5/80-EA.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Senior Aerodrome Officer on a regular basis with effect from the date mentioned against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Station of posting	Date of Promotion
1	2	3	4
2. K.F 3. S.C 4. A. J 5. V.K 6. D.V 7. A.F 8. P.K	N. Nair N. Menon .	Madras Madras Asstt. Dir. (ARA Plng.) Bombay Calcutta Bombay Calcutta Ranchi Srinagar	19-12-80 19-12-80 18-12-80 22-12-80 7-12-80 6-2-81 30-5-81 10-8-81 14-10-81

The 13th November, 1981

No. A32013/10/80-EA.—The President has been pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointments of the following Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer upto 31-12-1981 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No. Name	Station
1 2	3
S/Shri	
1. S. Mahalingam .	. Madras
2. M.N.K. Menon	. Madras
3. A.C. John	. Calcutta
4. R. Krishnamurthy .	. Kumbhirgram
5. M.A. Paul	. Nagpur.
6, O.P. Dhingra ,	Bangalore,
7. M.P. Khosla .	. Asstt. Dir. (Hqd).
8. K.S. Prasad	. Calcutta.
9, N.D. Ghosh	. Calcutta,
10. Ravi Tanka .	. Delhi
11. C.R. Rao	. Bhubaneswar
12. R.S. Bhagwat .	. Calcutta
13. Kundan Lal .	Aurngabad.
14. K.C. Misra	C.A.T.C. Allahabad.
15. G.B.K. Nair , .	. Bombay
16. D. D. Sardana	Delhi
17. K.N. Venkatachallaiah	. Bombay
18. S. C. Sekhri	. Delhi
D. Ramanujam .	. Madras.
20. A.T. Verghese .	. Coimbatore.
21, K.V.S. Rao	. Hyderabad
22. M.P. Sharma	Bombay
23. S.K. Banerjee	. Varanasi.
24. R. Kothandaraman	. Trichy
25, K.K. Saxena .	. Delhi
26. A.M. Thomas .	. Bombay
27. S.A. Ram	. Imphal.
28. D.C. Kharab	. Asstt. Dir. AIS Hqd
29. K.B.K. Khanna .	Bhopal
30. D.N. Dhawan	. Bombay

S. GUPTA Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 17th November 1981

No. A. 32014/1/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Asstt. Comm. Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—.

S. No.	Name						Present Stn. of posting.	Stn. to which posted	Date of taking over charge.
1	2						3	4	5
S/S	Shri		, —, —					- 	
1. K·	Ganapathi .						ACS, Madras	ACS, Madras	1-10-81 (FN)
2. S.	Gopalan .						ACS, Madras	ACS, Madras	1-10-81 (FN)
3. J.C	C.D. Silva .						ACS, Madras	ACS, Madras	2-10-81 (FN)
4, T.8	8. Krishnamoort	hу		i			ACS, Bombay	ACS, Bombay	30-9-81 (FN)
5, S.N	M. Kulkarni .						ACS, Bombay	ACS, Bombay	30-9-81 (FN)
6, J.R	t. Deshmukh						ACS, Bombay	ACS, Bombay	30-9-81 (FN)
7. R.	K. Modak .		,	,			ACS, Nagpur	ACS, Nagpur	30-9-81 (FN)
8, M.	L. Verma .		•	•	-		ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi	ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi.	30-9-81 (FN)
9. Ra	njeet Singh		•	•	•	•	ACS, Safdarjung Airport, New Delhi.	ACS, Safdarjung Airport, New Delhi.	30-9-81 (FN)
10. S.	Varadarajulu					•	ACS, Safdarjung Airport, New Delhi.	ACS, Safdarjung Airport, New Delhi.	30-9-81(FN)

No. A.28013/1/81-EC.—Shri Victor Chandran, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay

Airport, Bombay relinquished charge of his office on 30-9-81 (A/N) on retirement on attaining the age of superannuation.

The 18th November 1981

No. A 32014/1/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :

S. No. Name		 		Present Stn. of posting	Stn. to which transferred	Date of taking over charge.
1 2	-	 		3	4	5
S/Shri					·	
1. A. Periyaswam				, ACS, Bangalore	ACS, Hyderabad	16-10-81(FN)
2. U.P. Viswanath				. ACS, Bombay	ACS, Bombay	30-9-81 (FN)
3. K.S. Moorthy			٠	. ACS, Nagpur	ACS, Nagpur	30-9-81 (FN)

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Technical Assistants at present working as Asstt. Tech. Officer on ad-hoc basis at the stations indicated against each to the grade of Asstt. Tech. Officer on reglar basis with effect from the 1-10-81 and to post them to the same station:—

S. No	o. Name	Station of posting	_
ī	2	3	
			_

S/Shri

1. B.K. Mukherjee , Aero. Comm. Stn. Gauhati Bangalore 2. K.V. Ramachandran Do.

1	2	3	
3. Jog	inder Singh M	an Aero. Comm. St	n. Lucknow
4. P.S.	Dalvi .	. Do.	Bombay
5. Suri	inderjeet Singh	Kang Do.	Palam
6. T.K	. Das Gupta	. Do.	Agartala
7. K.K	. Ichupunani	. Do.	Nagpur
8. J.S.	Saigal	. Do.	Palam
9. S.K	Biswas .	. Do.	Mohanbari

No. A.38015/13/81-EC.—The President is pleased to permit Shri K. S. Gopalan, Communication Officer in the office of Director of Communication, Aero. Comm. Stn. Madras Airport, Madras to retire from Govt. service under the provisions of FR56(k) with effect from 30-9-81 (A/N).

The 21st November, 1981

No. A. 32014/4/80-BC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.c.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

S. Name No.	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1 2	3	4	5
S/Shri 1. R.S. Nagar 2. J.D. Victor Jaya Singh	. Aero. Comm. Stn. Delhi. . Aero. Comm. Stn. Calcutta.	Aer. Comm. Stn., Delhi Aero. Comm. Stn. Madras	12-10-81 (FN) 28-10-81 (FN)

No. A. 38013/1/81-EC—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 31-10-81 (AN) at stations indicated against each:—

S. Name & Designation No.	Station of posting
S/Shri 1. M. Raghavan, Comm. Officer.	Aero, Comm. Stn. Madras.
Jagdish Singh, Asstt. Comm. Officer.	Aero.Comm. Sin., Safdarjung Airport, New Delhi
	PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 18th November 1981

No. 16/374/81-Ests-1.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri N. B. Kulkarni, Range Officer of the Maharashtra Forest Department as Assistant Instructor at the Central Forest Rangers College, Chandrapur on deputation terms w.e.f. the forenoon of 14th July, 1981 until further orders.

The 21st November 1981

No. 26/1/65-Ests-1.—The President, FRI & Colleges, is pleased to appoint Shri Bharat Singh Bist, Research Assistant Grade I (S.G.) at the CRI & Colleges as Research Officer on ad hoc basis in the same office w.e.f. the forenoon of 28th October, 1981 until further orders.

RAJAT KUMAR Registrar
Forest Research Institute & Colleges

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS (PREV.)

Patna, the 18th November 1981

No. EII(7)/2-ET/79/11669—On the recommendation of the U.P.S.C. the following candidates who have been appointed to a temporary post of Supdt., Gr. 'B' (Expert) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- vide this office letter C. No. II(3)119-ET/79/4377-79, dated 9-7-80, II(3) 119-ET/79/6771, dated 27-9-80 and II(3)-119-ET/79/8037, dated 31-10-80, joined as Supdt. Gr. 'B' (Expert) Central Excise at the places and with effect from the date and hours as

S. No. Name	Place of posting	Date of assumption of charge.
1 2	3	4
S/Shri		
l. D.K. Sinha .	Central Excise Dvn.,	23-7-80
	Jamshedpur.	(.A.N.)
Swatantra Kumar.	Central Excise Dvn.,	5-8-80
	Gaya.	(F.N.)
3. Kamlesh Pd. Mishr	a Central Excise Dvn.,	18-7-80
	Patna	(F.N.)
4. Surendra Kumar	Central Excise Dvn.	15-10-80
Madhaorao Sonun	Ranchi	(F.N.
5, C.V. Subramanyam	Central Excise Dyn.	5-11-80

Jamshedpur

K. K. SRIVASTAVA, Assistant Collector (Hqrs.) Central Excise Patna

(F.N

Madurai, the 5th November 1981

No. 3/81—The following Office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer, Gr. 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer in the places and on the dates noted against each:

Sl. Name of the officer No.		Place of posting	Date of assump- tion of charge	
1	2	3	4	
	S/Srı			
1.	K. Nambiraj .	Madurai J Dn.	23-9-81	
2.	M. Rajaraman .	Hqrs. Office, Madurai	24-4-81	

No. 4/81—The following Inspectors of Central Excise (SG) are appointed to officiate, until further orders, as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and

Sl. Name of the No.	officer Place	of posting	Date of assumption of charge
1 2		3	4
S/Shri			
1. K.K. Venkata	acha-		
lapathy .	. Hqrs, C	offico, Madurai.	30-1-81
2. M. C. Arokis	samy Sankar	ankoil Range	22-1-81
3. M. Kathan	. Ariyalu	r Range	20-1-81
4. S. Ponnuşam	,	ive Group, ai-II Dn.	21-1-81
5. K. Kannaiya	n Hqrs. (Office, Ma durai	19-1-8
6. S. Shanmuga	m . Tuticor.	in Range.	4-2-81
7. K. Rongasam	iy . Ramna	d ·	27-1 - 81AN
8. D. Balasunda	ıram Sivakas	i Range-II	6-3-81
9. G. Gurusamy	, Tiruche	ndur _± Range	16-3-81
10 V. Gopalan	. Thiruth	angal Range-I	26-3-81
[1, K, M. Pandia	an Hqrs. (Office, Madurai	11-2-81
12. R. Victor Dh	naramraj Cus. C Rame	Sircle, shwaram	29-7-81
13. S. Mahalinga	ım . D	Oo.	29-7-81
14. S.J. Franklin	Hqrs. C	Office, Madurai	20-7-81
15. A. Hussain I	Baig . Dindig	ul	29-7-81
16. R. Ramasam		d	27-7-81 AN
17. S. Piramana	yagam Cus. Pi	rev., Tuticorin.	30-7-81
18. R. Alagiasin	gam . Ettayar	ouram Range	30-7-81
19. P. Chellasan	ny . Hqrs. (Office, Madurai.	20-7-81 AN
20. P.S. Mannar	asamy Theni I	Range.	30-7-81
21. R. Narasimh	an II. Ramna	d	12-10-81

R. JAYARAMAN, Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 19th November 1981

No. 2-SH-(1)/81.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping is pleased to appoint Shri Tarsem Kumar as Deck Passenger Welfare Officer in the Mercantile Martiuc Department, Madras in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1981 (F.N.) until further orders.

S. M. OCHANEY Senior Deputy Director General of Shipping

Bombay, the 21st November 1981

No. 25-ADMN(1)/81.—On the recommendation of the U.P.S.C., the President is pleased to appoint Shri M. B. Hosamani as Assistant Director General of Shipping in the Directorate General of Shipping, Bombay in a temporary capacity with effect from 12th November, 1981 (afternoon) until further orders.

S. K. MATHUR Deputy Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. R. L. Oberoi & Co. Private Limited

New Delhi, the 28th October 1981

No. 2881/20257.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. R. L. Oberoi & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Assistant Registrar of Companies
Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Haryana Plastic Ltd.

New Delhi, the 16th November 1981

No. H-7023/21262.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Haryana Plastex Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Assistant Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kaira Investments Private Limited

Ahmedabad, the 16th November 1981

No. 2181/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kaira Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dhanad Benefit Private Limited

Ahmedabad, the 16th November 1981

No. 2085/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dhanad Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE Assistant Registrar of Companies Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Kwik Carriers Private Limited

Hyderabad, the 18th November 1981

No. 1454/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kwik Carriers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Mrs. Andhra Law Times Private Limited Hyderabad, the 23rd November 1981

No. 533/TA-I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Andhra Law Times Pirvate Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Hyderabad, the 23rd November 1981

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sti Lakshmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari)
Pvt. Ltd.

Hyderabad, 23rd November 1981

No. 846/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory

(Khandasari) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Aravind Solvex Private Limited

Pondicherry-605 001, the 20th November 1981

No. 12781.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "M/s. Aravind Solvex Private Ltd.', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO Registrar of Companies Pondicherry

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Koher Kaur wd/o Sh. Dharma R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Hukam Singh & Co. R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. $1AC/Acq.\Pi/SR-I/81-82/3-81/4352$.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the coneealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, L.P. Estate,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4374.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Qr. No. 19, Block 60 situated at Ashok Nagar, Tehar-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—21—366 GI/81

(1) Shri Chuni Lal s/o Sunder Dass R/o 60/19, Tebar II. Ashok Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur Arora w/o Daljit Singh R/o EA-117/2, Tagore Garden, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 19, Block-60, "Ashok Nagar, Tehar-II New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/3-81/4362.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

isamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,/000- and bearing

No. Kh. No. 487 situated at Lal Dora Vill. Peera Garhi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fecilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahender Kumar Jain s/o Sohan Lal Jain R/o 1-73, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Tej Plastics, E-16/668-69, Bapa Nagar, Trunk Road, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 487 Lal Dora Vill. Peera Garhi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Leela Wati R/o 2113, Masjid Khajoor, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahender Parmod Jain & others R/o 40/6, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7592.—Whereas I VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3903, Gali Shatra situated at Shardanand Marg, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Graveto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3903, Gali Shatra, Shardanand Marg, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Imposting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,

Dated: , 6-11-81.

FORM I.T.N.S.-

TICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o 156, Gujranwala Town, Part-I, Delhi. (Transferee)

R/o 95, Nirankari Colony, Delhi.

(2) Shri Pawan Kumar Gupta s/o Tilak Ram Gupta

Smt. Vimla Kohli w/o Shri Gurdayal Singh Kohli

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7596.—Whereas VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 95 situated at Vill. Dhirpur, Nirankari Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 95, Vill. Dhirpur, Nirankarl Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 6-11-81.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4350.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Agri. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Singh & Smt. Satwant Kaur, B-4/8, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Gambhir & Subash Gambhir R/o 88-A (MIG) DDA Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, Land Vill. Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7637.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. No. 287 situated at Ward No. 8, Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jatinder Kumar Gupta s/o L. Sh. Walyati Ram Gupta R/o 53, Punchkuyan Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Kumar, Bhagwan Sahai s/o Phool Chand Aggarwal R/o 2667, Balimaran, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 287, Ward No. 8, Ajmeri Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. JAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7636.—Whereas IVIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-50, situated at Bali Nagar Colony, Vill. Basai, Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rej Kumari D/o Sain Dass R/o 474, Gali Bahar Wali, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri S, K. Gupta s/o L. Sh. Jugal Kishore R/o 12/4, Punjabi Bagh, New Delhi & others.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'ct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-50, Bali Nagar Colony, Vill. Basai, Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

Seal;

FORM TINS-

 Sant Chit & Trading Pvt. I.td. Regd. Office 880 East Park Road, Karol Bagh. New Delhi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pawan Kumar s/o L. Kanshi Ram D-1, D.S. Malka Gunj, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1984

Ref. IAC/ACQ II/SR-I/81-82/3-81/7632.—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XIII/721 to 723 situated at Shivaji Road, Shish Mohal. Azad Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII/721 to 723 (Old) 1995-1996-1997 (New) Shivaji Road, Shish Mahal, Azad Market, Dehi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
New Delhi,

Dated: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7622.—Whereas VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8/19 situated at South Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhu March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—366 GI/81

(1) Shri Ram Dhari Mal s/o 8h. Shiv Chand Rai R/o 183, D.D.A. Flat Ranjit Nagar, New Delhi & others.

(Transferor)

(2) Shri J. C. Bansal s/o Sh. Hardev Sahai & others R/o 183, D.D.A. Flats Ranjit Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. B. Q. No. 8/19, South Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 16-11-81,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7602.—Whereas I, VJMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4633, 19A situated at Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair that the consideration for such transfer as agreed to between reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. S. Chand & Company Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Sh. Rajinder Kumar Gupta s/o Shyam Lal Gupta r/o 16-B/4, Asaf Ali Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar Batra s/o Dewan Chand Batra r/o E-487, Greater Kallash II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4633, 19-A, Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7601.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mpl. No. 4633 situated at Kh. No. 63, 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income-arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. S. Chand & Company Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Rajinder Kumar Gupta.

(Transferor)

(2) Shiv Dayal Aggarwal s/o L. Mohan Lal Aggarwal r/o 4-C, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this nutice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 4633 Kh. No. 63, 19-A Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

(1) Shri Ram Parkash Khanna s/o Ram Bhoja Mal R/o 19/5, Moti Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Mahender Kumar s/o Ratti Lal Patel & others R/o 30 Nand Kishore Bldg., Main Bzr. S/Mandi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAS/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7585.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 76 situated at Indra Market, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 76, Indra Market, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7562.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]— and bearing No.

No. 2202 situated at Bazar Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Saya Wati d/o Raj Jai Narayan R/o 2208/13, Part No. 2, Bazar Sita Ram, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Kranti Parsad R/o 2191, Kucha Akilkhan, Bazar Sita Ram, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2202, Bazar Sita Ram, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. 1AC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7487.—Whereas 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing No.

5413, situated at Ksabpura Road, Sadar Bazar, Delhii (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chuni Lal s/o Sunder Dass, r/o 7050, Gali Masjid Wali, Pul Bangsh, Delhi.

(Transferor)

 Smt. Asha Rani w/o Rammohan, r/o 2-C Ram Nagar, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5413, Kasabpura Road, Sadar Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC'/ΛCQ. 1I/SR-I/81-82/3-81/7477.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 43, situated at Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. India Arora w/o Chaman Lal Arora, through het CA Sh. Y.P. Puri.
 - (Transferor)
- (2) Shri Inder Pal Singh, s/o Gurcharan Singh, R/o J-5/165 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43, Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4357.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Bapraula, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Girdhari s/o Hathi, r/o VPO Bapraula, Delhi GA Phakaria s/o Sh. Nihal, r/o VPO Bapraula, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Risal Singh, r/o VPO Bapraula, Delbi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Bapraula, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4355.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6/1, situated at Village Samey Pur Block-A, Part-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aapparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—23—366 GI/81

(1) Shri Ramji Dass s/o Shri Tehal Singh Bhutani and others, r/o 1465 Para Mohalla Illaqa, No. 3 Rohtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Wati w/o Chotte Lal and others f/o 123 Vir Nagar, Jain Colony, G.T. Road, Karnal, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6/1 Village Samey Pur Block-A, Part-I, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/4347.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at our March 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dalel Singh s/o Shri Hira Singh, r/o VPO Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashish Gupta Benefit Trust, 950 Kucha Pati Ram, Bazar Sita Ram, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 326 Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated: 6-11-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. JAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4345.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Kh. No. 326

situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument oftransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dalel Singh, s/o Shri Hira Singh, S/o VPO Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kapil Khandelwal Benefit Trust, 950, Kucha Pati Ram, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 326, Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H-Block, VIKASH BHAVAN, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/81-82/3-81/7629,—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/r and bearing No.

7786, situated at Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paisons, namely:—

Shri Amar Nath Khamka, s/o
 Atma Ram Khemka,
 r/o 4428, Ganesh Bazar, Cloth Market,
 Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nirmla Jain, w/o Bhagwat Pd. Jain, r/o Gali Jain Mandir, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7786, Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Snit. Pushp Lata Handa wd/o Som Nath Handa, R/o 258, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nau Nihal Singh Şahni, s/o Avtar Singh Sahni, R/o A-88, Q Vishal Enclave, New Delbi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. 11/SR-I/81-82/3-81/4316.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 8/68,

situated at Punjabi Bagh, Village Madipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Road No. 68, Punjabi Bagh, Village Madipur, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4319.—Whereas J, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

WZ-603 on plot No. 21, situated at Kh. No. 602 Fateh Nagar, Block-A, Village, Tihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object. of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Siri Ram, s/o Lala Mohan Mal, R/o 20-B/91-B, Tilak Nagar, New Delhi...

(Transferor)

(2) Smt. Surjit 'Kaur Lamba, w/o L. Amrik Singh Lamba, R/o K-36, Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-603 on plot No. 21, Fateh Nagar, Block-A, Village Tihar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, respecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H-Block, VIKASH BHAVAN, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4328,---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41/41, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nanaksar Ashram, Siahar, Distt. Ludhiana (Pb) & others. (Transferor)
- (2) M/s. O. P. Jindal, Charitable Trust, Hisar, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 41/41, Punjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Fstate, New Delhi.

Date: 18-11-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/81-82/3-81/7532.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2238, situated at Shora Kothi S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidhya Wanti wd/o, Mulakh Raj of 2238, Shora Kothi, S/Mandi Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Raj Bala w/o Chamanlal Gapta, and Others 29/3, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2238 Shora Kothi S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 166-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Manzoor Elahi, s/o L. Sheikh Mehar Elahi & Mst. Habib Jahan, w/o Manzoor Elahi, R/o 2446, Baradari Balimaran, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Jain, s/o Jagdish Pershad Jain, R/o 1734, Nai Basi, Naya Bazar, Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7499.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2662, Ward VI,

situated at Baradari Sher Afghan Khan, Ballimaran, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the siad instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24---366 GI/81

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2662, Ward VI Baradari Shei Afghan Khan, Ballimaran, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H-Block, VIKASH BHAVAN, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 16-11-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. FSTATE, NEW DELHL

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. 1AC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7489.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2238 situated at Shora Kothi S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 :11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushil Kumari Bagga, w/o Shri Sita Ram Bagga, r/o 105 Banarsi Dass Estate, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Verma wd/o Shii Satdev Verma, r/o 105, Banarsi Dass Estate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 105, Banarsi Dass Estate, Timarpur Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H-Block, VIKASH BHAVAN, I.P. Estate, New Delhi.

Date: 16-11-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/81-82/3-81/4287.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agricultural kand.

situated at Killa No. 19 & 22 Village Mouza Mirzapur, Palam. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hoshiar Singh s/o Bhartu, R/o Village, Palam, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. G. S. Builders & Associate C-50, N.D.S.E. Part II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land Killa No. 19 & 22, Village Mouza Muzapur, Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
II-Block, VIKASH BHAVAN,
LP. Estate, New Delhi.

Date: 16 11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. iAC/ACQ. I/3-81/7525.—Whereas, I. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing H-51,

situated at Northern City Scheme, Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Suman Sehgal, w/o
 K. N. Sehgal & others,
 r/o 23-A Ringh Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Khanna, w/o Madan Lal Khanna, r/o 4/53, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 51 Northern City Scheme, Roop Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Kamla Wanti,
 w/o Roshan Lal Rawal,
 R/o No. 1-30A Kirti Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s India Overscas Exports, R/o 19 Amrit Kaur Market, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR. I/7480.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1-30A, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. I-30A Kirti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

(1) Smt. Sharda G. Arneja, w/o L. Gobind Ram Arneja, r/o H-21, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smr. Sharbati Devi, w/o Satyanarain and others, r/o 19/4, Shakti Nagar, Green House, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/3-81/7520.—Whereas, 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring No.

Plot 4, situated at Green House, Roshanara Extension Scheme, S/Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Block No. 19, Green House, Roshanara Extension Scheme, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
II-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 6-11-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7502.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27 situated at Rd. No. 10, Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Guruwachan Kaur Chhabra W/o Shri V. S. Chhabra.
 R/o A-48A/1, Naraina Vihar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chand Garg S/o Late Shri Shamboo Dayal Garg, R/o 15/26 Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27 on Road No. 10, Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
J.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/4304.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Singhola, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramchander S/o Shri Abhey Ram & other, R/o Vill. Singhola Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Grbachan Singh So Shri Mehar Singh and others, R/o D-90, Ashok Vihar, Phase No. 1, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Village Singhola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7631.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7786, situated at Chamelian Road, Bara Hindu Rao. Ward No. 14, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-366 GI/81

 Shri Amar Nath Khemka S/o Shri Atma Ram Khemka,
 R/o 4428 Ganesh Bazar, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.

(2) Shri Sant Lal S/o Shri Bishambar Dayal Gupta, R/o 8756 Model Basti, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 7786 Chamelliau Road, Bara Hindu Rao, Ward No. 14, Delhl.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

Scal;

AOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7589.—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2813, situated at Ward No. VI Gali Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lata Rani W/o Shri Shashi Kumar Singh, R/o 2813 Peepal Mahadev Hauz Qazi, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shankuntala Saxena W/o Shri Niranjan Swarun Saxena, R/o 2813, Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi. (Transferae)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 2813 Ward No. VI Gali Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7589.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-ind bearing

No. C-6/20 situated at Rana Partap Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Pushpa Devi W/o Shri Daya Ram Gupta, R/o C-6/20, Rana Partap Bagh, Delhi.
- (2) Shri O. P. Dutta S/o Shri Govind Sahai Dutta and R/o H. No. 18, Rd. No. 13, Punjabi Bagh Extn. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-6/20, Rana Partap Bagh, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II H-Block, Vikas Bhavan LP. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.lI/SR-I/3-81/7576.—Whereas, I, VIMAL VASISHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. H-55 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harjit Singh Kalsi S/o Shri Bir Singh Kalsi, R/o J-6/147, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Chitranjan Kathuria S/o Shri S. P. Kathuria, R/o H-55, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. H-55, Rajouri Garden, Vill. Bassai, Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 0/11/1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITIO NRANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I,P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7482.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 127 situated at Block 'C' Vir Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on Murch 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dipty Lal Jain, H. No. 142 Phase No. I, Ashok Vihar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand Jain and others, R/o 4614, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127, Block 'C' Vir Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO NRANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7569.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 121 situated at Old Gupta Colony, Delhi tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Devka Rani W/o Shri O. P. Verma, R/o No. 121, Old Gupta Colony, Delhi, (Transferor)
- (2) Shri C. S. Panwar S/o Shri Raghubir Singh, R/o E-6, C. C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 121, Old Gupta Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

(1) Shri Tej Bhan S/o Shri Tola Ram R/o Punjab Basti, S/Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rani Bajaj W/o Shri Sat Pal Bajaj, R/o No. XII, 5671, Chandrawal, S/Mandi, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITIO NRANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/7488.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5671, situated at Chandrawal, S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 5671, Ward No. XII Chandrawal, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

FORM I.T.N.S.---

- (1) Smt. Shila Wanti W/o Shri Raghukul Bhushan, R/o C-1/150, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
 - (Ladsicion)
- (2) Shri Ved Parkash and Pawan Kumar S/o Shri Ram Avtar Jindal, R/o 79-A, Kamla Nagar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7581.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9, situated at Block E, Vill. Bharola, Adarssh Nagar Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on

the respective persons, whichever period expires

later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Block E, Vill. Bharola, Adarsh Nagar Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISH'T Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqqisition Range-II, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-198

Soul :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H BLOCK, VİKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7516.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

6 ing the Competent Authority under Section 250B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5836 situated at Basti Harphool Singh Sadar Thana Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on March 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—366 GI/81

- Shri Chaman Lal Pandit S/o Late Shri Har Pd. Pandit, R/o 3205/2, Quzi Wara, Ambala City. (Transferor)
- (2) Smt. Kiran Devi Gupta W/o Shri Ghasi Ram, R/o 5663/20, Basti Harphool Singh Sadar Thana Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5836, Basti Harphool Singh Sadar Thana Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4298.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Masodabad, Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anthony Desouza S/o Shri Peter Desouza, R/o A-39, Chitranjan Park, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri T. S. Bagga S/o Shri S. Kartar Singh Bagga, R/o 9/6522, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4297.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Veronica Desouza W/o Shri Anthony Desouza R/o A-39, Chitranjan Park, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri G. S. Sagoo S/o Shri Sham Singh R/o C-4A/65-B Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shakuntla Devi W/o Shri Ishwar Nath and others.

(1) Smt. Gyarsi Devi W/o Shri Nihal Chand and other,

C/o 1820-A, Bhagirath Place, Delhi.

S/o Shri Nihal Chand

R/o 2111, Dhohi Wara Kinari Bazar, Delhi.

(Transferec)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7519.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1680 situated at Kucha Jat Mal, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1680, Kucha Jat Mal, Delhi.

VIMAL VASHISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II H-Block, Vikas Bhavan I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/81-82/3-81/7605.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 408 to 410 situated at Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
1908) in the office of the Registering Officer at

on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gopal Rai S/o Smt. Miro Bai, R/o 1913, Petwan Ka Rasta, Chaura Rasta, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Hoshiar Singh S/o Shri Jawala Prasad, and others, R/o 41/16, Ashok Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property No. 408 to 410, Kucha Braj Nath, Chandni Ch-Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE U
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7630.—Whereas J, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 7786 situated at Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath Khemka S/o L, Atma Ram Khemka, R/o 4428, Ganesh Bazar, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kamal Hosiery (Industry), 5 Kamal Kuti, Jhhabbu Mal Colony, Model Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7786, Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, J.P. FSTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7620.--Whereas, I,

VIMAL VASHISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. B-483 situated at Majlis Park, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ram Niwas Khosla & Sons R/o B-483, Majlis Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jag Rani W/o Shri Sham Lal and others, R/o E-13, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-483, Majlis Park, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II H-Block, Vikas Bhavan I.P. Estate, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7627.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Niwas Khosla and others, HUF 1/260, DDA Flats, Naraina, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Smt. Leela Vati Goel, 20/4, Old Market, West Patel Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 Rd. No. 33, Punjabi Bagh, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date: 6/11/1981

Seal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/81-82/3-81|7509.-Whereas, I, VIMAL, VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Mpl. Nos. 2145 to 2117 situated at Chah Indara, H. C. Sen,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-27-366 GI/81

(1) Shri Sunil Mohan of D-316, Defence Colony, Delhi and others.

(Transferor)

(2) Shri Anoop Kumar Aggarwal, R/o 2003 Kt. Lachhu Singh Delhi and others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. Nos. 2115 to 2117 Chah Indara, H. C. Sen Road, Delhi-

> SMT. VIMAL VASHISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II H-Block, Vikas Bhavan I.P. Estate, New Delhi

Dato: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. 11/SR-1/81-82/7625.—Whereas 1. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

BQ 15/20, situated at East Patel Nagar, I'ew Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) Alias Nanki Devi Smt. Nanki Bai, wd/o Lekh Raj. R/o 15/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Mittra s/o Shri Mulkh Raj Bahl, & others, r/o 43/16 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.Q. 15/20, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
II-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delhi

Date: 16-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/7643.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 840 to 844

situated at Kt. Mahesh Dass Ward No. V, Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raj Rani w/o Har Narain Khanna, r/o 820, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Narain Khanna, Arvind Narain Khanna, ss/o Har Narain Khanna, r/o 820, Nai Sarak, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 840 to 844 Katra Mahesh Dass, Ward No. V, Nai Sarak, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. J/SR-III/3-81/2994.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H-31, NDSE-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shayam Charan Kala Karta (Shayama Charan Kala HUF),
 Improvement Trust Flats, Havlock Road, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh, H-31, NDSE-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-31, NDSE-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. 1AC/Acq. I/SR-II1/3-81/3002.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-10, Kalindi Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, (herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Messers R. C. Sood & Co. (P) Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Prabha, c/o M/s Kishori Lal & Sons, Cloth Merchants, Nai Sarak, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/16 share in Plot No. B-10, Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3024.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Avt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-1/54, Malviya Nagar, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Raj Kumar Dogra, s/o Shri Thakur Dass Dogra, r/o E-469, Greater Kailash-II, New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Satish Kumar Sud, 8/0 late Shri Sukh Dayal Sud, r/0 No. 11, Lower Bazar, Simla (HP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the land & building No. B-1/54, Malviya Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. 1AC/Acq. I/SR-III/3-81/3004.—Whereas I. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G/63, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Bakshi Ram Vijay Kumar Seth, 649, Katra Hardayal Chandni Chowk, Delhi, through its partners.

(Transferor)

(2) Shri Aman Rai, Miss Shilpika Rao and Miss Dipika Rai d/o Shri Shaukat Rai, r/o 14F, Central Ringh, Connaught Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G/63, mg. 198 sq. yd. Nizamuddin West. New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

Soal:

(1) Shri B. L. Bhalla, R/o 47. Kailash Apartment New Delhi. (Transferor)

 S. Amrik Singh Walia, S. Trilochan Singh, both R/o C-2, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2941,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 47 Block 'C' Kailash Apt. New Delhl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesald persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1150 undivided proportionate share of land in Block C, Flat No. 47, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delhi

Date: 12-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 'H' BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3019.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

P-39, South Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——28—366GI/81

(1) Shri Mool Raj Anand, s/o Sh. Ruldu Ram (deceased), r/o G-63, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Sahni s/o Shri O. P. Sahni, r/o F-39, NDSE Patt-II, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. D, mg. 1007 sq. ft. on plot No. P-39, mg-683-3 sq. yd. South Extension, Part-II, New Delhi.

R. B. J.. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
H-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delh

Date: 12-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. J//SR-III/3-81/2949,---Whereas, J, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 0-11/45, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Dewau Singh and Mohinder Singh, ss/o Shei Parma Nand'r/o A-3/251, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari w/o Shri Bishan Das Wadhwa r/o 2/9, Nehru Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 0-II/45, area 200 sq. yard, Lajpat Nagar, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 12-11-81

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/\$R-III/4-81/131.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. S-61, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nina Malhotra w/o Shri Raj Malhotra through her G.P.A. Mr. Raj Malhotra, r/o V/1938, Naughara, Kinari Bazar, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Aditya Pandit s/o Shri C. S. Pandit, r/o F-32, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-61, Greater Kailash-II, admeasuring 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 12-1,1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Aσq. I/SR-ΠΙ/3-81/2961.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000i- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing
No. A-1/145, situated at Lajpat Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at

Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Brij Lal r/o Qr. No. A-1/145, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surender Singh Sethi r/o A-1/145, Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. A-1/145, area 100 sq. yd., Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi

Date: 18-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dhani Ram s/o Johri Mal, r/o N-12, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Gupta w/o S. K. Gupta, r/o 1818, Chuna Mandi, Paharganj,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

I/SR-III/3-81/3026.---Whereas, I, Ref. No. IAC/Acq. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. FF of Prop. No. G-56, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of property No. G-56, measuring 180 sq. yd., Green Park, New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, New Delhi.

Date: 18-11-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. I AC/Acq. I/SR-III/3-81/2951,--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-1/73, situated at Lajpat Nagar I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Kumar & Prem Prakash, r/o 1657, Pratap Gate, Kaital, Haryana.

(2) Smt. Surekha Batra, r/o I-1/73, Lajpat Nagar, Smt. Lajwanti Chawla r/o B-2/100, Safdarjang Encl., New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perioder, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-1/173, Lajpat Nagar I, New Delhi measuring 100 sq. yds.

R, B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date: J8-11-81

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2952.—Whereas, IR. B. I. AGGARWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. Land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

 S. Shri Nihal Singh, Rohtas Singh, Om Parkash ss/o Arjun Singh and Smt. Kamlo Devi wd/o Chhotu Ram r/o Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam Bansiwal s/o Shri Sohan Lal Brij Bhushan, Ghanshyam Dass and others r/o 6/64, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land area 17 bighas and 18 biswas M. No. 27, Killa No. 17/1 (2-8) Sharak, 16/2 (3-16), Garab; 24/2 (2-8), Shaak and M. No. 54, Killa Nos. 4 (4-16) 7(4-10) Vill. Bijwasan, Teh, Meh., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1,
New Delhi.

Date: 18-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3043,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 56, Block G, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhani Ram s/o Johri Mal, r/o N-12, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mrs. Uma Gupta w/o S. K. Gupta, r/o 1818, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati floor of a 21 storeyed building on plot No. 56 Block No. G measuring 180 sq. yd., Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date: 18-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Re. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3034,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 102, K-15, situated at Green Park Extn., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—366GI/81

 Sh. Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata Goel c/o Shri Hem Chand Jain, Near State Bank of India, Baraut (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in building at K-15, Green Park Extn. New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date: 18-11-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3035.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 101 K-15, situated at Green Park Extn, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ramvati, K-15/101, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 18th November 1981

I/SR-III/3-81/3032.—Whereas, I, Ref. No. IAC/Acq. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that tre immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, K-15, situated at Green Park Exten., New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ranjana Handa, A-1/B, Revenue Officers' Flats, Mayapuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in building K-15, Green Park Extn., New Delhi

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ner Delhi.

Date: 18-11-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. 1AC/Acq. I/SR-III/3-81/3036.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 301, K-15, situated at Green Park Extn., New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Arora, P-17, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range J,
New Delhi.

Date: 18-11-81 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3033,—Whereas, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 201, K-15, situated at Green Park Exten., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Ramesh Chander Sharma, K-15/201, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date: 18-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3037,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 302, K-15, situated at Green Park Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates, 12-Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojini Massey, C-732, Sarojini Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the esaid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date: 18-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R.No. 1444.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Plot No. 2557/A situated at Waghavadi, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Tahcrali Mulla Abdulali;
 - Shri Taherali Khanbhai;
 Shri Taberali Ismailji;
 - 4. Shri Mahmadali Kadarbhai.

(Transferor)

(2) Shri Savajibhai Trikambhai Patel; Shri Dharmshibhai Trikambhai Patel; Shri Trikambhai Ghusabhai Patel; 2557/A, Waghavadi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bhavnagar Plot No. 2557/A adm. 1300 sq. yds (Approx.) as fully described in sale-deed registered with registering authority of Bhavnagar vide Regn. No. 636 dated 25-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Gokuldas Lalji;
 Shri Narendra Gopaldas Rajani;
 Grain Market, Jamnagar.
- (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Babulal;4, Patel Colony, Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1445 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 34-G-5, Plot No. A-9, situated at Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 5-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Jamnagar bearing S. No. 34-G-5 Plot No. A/9, admeasuring area 362.31 sq. yds. as fully described in sale-deed duly registered with registering authority of Jamnagar vide Regn. No. 656 dated 5-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1446 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 35 situated at Village Mirzapur on Bhuj-Mandvi Road.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 10-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—30—366GI/81

(1) Shri Patel Dhanji Valji Bhudia; Sukhpar-Navovas, 'Tal. Bhuj, Kutch.

(Transferor)

(2) Shri Madhusudan Lakhamidas Bhadra; Village Bitiari, Tal. Abdasa (Kutch).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 35 paiki land situated at village Mirzapar on Bhuj-Mandvi Road, admeasuring Acre 8-00 as fully described in the sale-dced registered with the registering authority of Bhuj vide Regn. No. 597 dated 10-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Patel Lalji Hirajee, Village—Kedaki, Tal. Bhuj.

(Transferor)

(2) 1. Sonara Daudali Sidiq;
 2. Smt. Mimabai Daudali Sidiq Sonara;
 Village; Kothara, Tal. Abdasa, Kutch

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1447 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
M. C. No. 1216/113(2) to 1216/113(10) situated at Ghanshyam Nagar, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 7-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House propery situated at Ghanshyamnagar, Bhuj bearing Mani, S. No. 1216/113 (2) to 1216/113(10) known as "Kerai Bhuvan", 278.70 sq. m. as fully described in sale-deed registered with Sub-Regisrar, Bhuj vide Regn. No. 518 dated 7-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th November, 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1448 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S. No. 482, 489, 495, 496, 503 paiki situated at Upleta Dist.. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Upleta on 7-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Davashi Bhoja Chandravadia by his son Shri Aahir Rama Devashi Chandravadia; Upleta (Saurashtra).

(Transferor)

(2) Shri Sardar Patel Coop. H. Society Ltd. President: Shri Ratilal Jivabhai Padaria; Upleta (Saurashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Upleta city bearing S. No. 482, 489, 495,496, 503 paiki open land as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Upleta vide Regn. No. 463/881 dated 7-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-[, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1449 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Village Gadhada (Swaminarayan),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilifating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khachar Bhanbhai Najabhai; Navi Line, Gadhada (Swaminarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Gopinathjee Dev Mandir Trust; Swaminarayan Mandir, Gadhada (Swaminarayan).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Gadhada (Swaminara-yan) adm. area 215 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Regn. No. 76/81 dated 9-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1450 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. House property situated at Village Gadhada (Swamina-rayan)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sak. Act, to the following persons namely:—

 Shri Khachar Manglubhai Bhanbhai; Navi Line—Gadhada (Swaminarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Gopinathji Dev Mandir Trust; Swaminarayan Mandir; Gadhada (Swaminarayan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gadbada admeasuring area 173.1 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Registration No. 77/81 dated 9-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II

Date: 7th November, 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1451 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. House property situated at Gadhada (Swaminarayan) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khachar Ramkubhai Bhanbhai; Navi Line, Gadhada (Swaminarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2): Shri Gopinathil Dev Mandir Trust; Swaminarayan Mandir, Gadhada (Swaminarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

,--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at situated Gadhada Admeasuring 380.3 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Regn. No. 78/81 dated 9-3-1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Re. No. P.R. No. 1452 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

No. House property situated at Gadhada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rajbanben Bhanbhai;
 Navi Line, Gadhada (Swaminarayan),
 Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Gopinathji Dev Mandir Trust; Swaminarayan Mandir, Gadhada (Swinarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gadhada (Swaminarayan), admeasuring area 147 sq. yds. as fully described in sale deed registered with Sub-Registrar, Botad vide Regn. No. 79/81 dated 9-3-1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1453 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. T.P.S. 3, F.P. 543, Sub-plot No. 2 & 3 situated at Madalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Hemendra Kantilal Patel;
 - 'NILDHARA', Ellisbridge, Ahmedabad 2. Maheshchandra K. Patel;

 - Girishchandra K. Patel;
 Rameshchandra K. Patel;
 - 5. Sureshchandra K. Patel;

All same as per address of No. 1.

(Transferors) (2) Maharana Pratap Centre Owners Association; Secretary: Shri Rambhai Matambhai; Gopalak Society, Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 507 sq. yds. 507 sq. yds. 507 sq yds. 507 sq. yds. bearing TPS, 3, F.P. No. 543, Sub-Plot No. 2 & 3 i.e. (1/6th share out of total land of 3042 sq. yds. by 5 different sale-deeds) situated at Chhadavad, Madalpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 817, 818/March, 1981, 807 and 18 March 1981, 811 & 812/March, 81, 813, 814/March, 1981 and 799 & 800/11-3-81 is property as fully described therein i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1454 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing 5. No. 1130 to 1153—Jamalpur situated at Danapith, Nr.

S. No. 1130 to 1153—Jamalpur situated at Danapith, N Gol Limda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4ct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 31—366GI/81

(1) Shri Ahmedabad Shaher Danapith; Juna Padvika Mahajan's Vahivatdar— Shri Ramanlal Jamnadas; Fatehpur, Opp. Nava Vikas Gruh, Dhumketu Road, Ahmedabad

(Transferor)

 Minar Builders—through partner; Shri Shaileshbhai Nrupendrabhai; Andheri, Bombay.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 1130 to 1153, Jamalpur situated at Danapith, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 3264/31-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, IIANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1455 Acq. 23-I/81-82,—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

F.P. No. 495, TPS, 3, sale plot No. 1, situated at Mithakhali, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jai Bhadra Gordhandas Gajjar; Near Nehru Bridge, Gajjar Bungalow, Fllisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Iai Mangal House Owners' Association; through: Secretary: Shri Visnuprasad Narandas Soni, Fulwadi, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing F.P. No. 495, TPS. 3, Sub-Plot No. 1, standing on land 904.61 sq. mts. situated at Mithakhali, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sule deed No. 2911/23-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Rel. No. P.R. No. 1456 Acq. 23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 86-B-3, F.P. No. 90, paiki Sub-plot No. 3, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhanuprasad Govidlal Patel; Patel Sanitorium, Gardharnagar, Ahmedabad.

([[ransferor]]

(2) Rusika Apartments Owners' Association, Through: President Shri Hasmukhlal Ranchhodlaf Mehta: 1, Tarakunj Society, Opp. Rly. Crossing, New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1046 sq yds. bearing S. No. 86/B/3, F.P. No. 90, paiki Sub-plot No. 3, situated at Dariapur Changispur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 2941/23-3-1981 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1457 Acq. 23-1/81-82,---Whereas, I G. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 53-1, 2 paiki TPS 20 F.P. No. 60, Sub-plot No. 3 situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prabodh Manilal of Mithakhali, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Laxmi Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed), through: Promoter: Shri Ranchhodhbhai Chhaganlal Patel; 9, Parasmani, Society, Ghatlodiya, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 53-1, 2 paiki of TPS. 20, F.P. No. 60, sub-plot No. 3, adm. 620 sq. yds. situated at Changispur. Ahmedabad duly registered by Regstering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 3143/30-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM-E-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1458 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, 1 G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Property building situated at Station Road, Dhranga-dhara, Dist. Wadhawan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhara on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

33-356 GI/81

- Shri Burjorji Navrojji Palia & another; Machhlipith, Wadia Street, Surat.
- (2) 1. Shri Ratanshi Hirji, Village Saiyra, Dist. Kutch. 2. Smt. Devkiben Ratanshi Village Saiyra, Dist. Kutch.
 - Lilavatiben Gopalbhai Village Saiyra, Dist. Kutch. Kutch.
 - 4. Ratanben Dayaram Village Saiyra, Dist Kutch.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Station Road, Dhrangadhara standing on land adm. 1432 sq. mts. duly registered by registering Officer, Dhrangadhara, vide sale-deed No. 440/16-3-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

FORM I'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th November 1981

P.R. No. 1459 Acq. 23-I/81-82,-Whereas I, Ref. No. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

No. 4679, 4680, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Ahmedabad on 21-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid peroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) L. Saraswatiben Kantarao; widow of Sambhesirao
 - Koli, Narayan Bhawan, Gheekanta, Ahmedabad. 2. Chanda Parmeshwari V. Rao; 8-45 Patrakar Colony, Narayanpura, Ahmedabad. (Transferors)
- (2) 1. Ahmedhusain Mohmadhusain Mansuri & others; Pankore Naka, Ahmedabad.
 - 2. Kapadiya Textile-Prop. A. M. Mansuri Trust; Trustee: Shri Yusuf Ahmed Husain Mansuri & others; Pankore Naka, Ahmedabad.

 3. Sufiaben wife of Jafarhusain Hasanbhai, Mansuri,
 - and others; Pankore Naka, Dhalgarwad, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 4679 & 4680, Kalupur-3, Plot No. 5 & 6 paiki, adm. 412.2 sq. yds. 412 sq. yds. & 140 sq. mts. and 130 sq. mts. situated at Relief Road, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 3109, 3119 and 3112/27-3-1981 i.e. property as fully described therein. ed therein.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1225 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 1747, Turava Mohollo, Saiyedpura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P.A. Holder of: Narges Dara Kapadia, Kakhtavav Naushir Lane, Merimketan, 6/9, Mount Marry Road, Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Mohmad Latif Abdul Safar; Dauji Sheri, Suthar Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1747, Turava Mohollo, Saiyedpura, Surat duly registered on 23-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1226 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1818-1819, Wd. No. 9, situated at Lal Gate, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Dinaben Kavasji Laskari;
 4-F, Indranil Apartment,
 Bhatia Street, Nanpura, Surat.

(Transferor) •

(2) Shri Lavjibhai Dahyabhai Patel; 9-B, Rang Avdhut Society, Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 1818-1819, Wd. No. 9, Lalgate, Surat duly registered on 16-3-1981 at Surat.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th November, 1981.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009; the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1227 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

Nondh No. 2794, 2795, 2796. Wd. No. 6 situated at Lal Darwaja, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
32—366GI/81

 Vimlaben Nanubhai Desai; Diwalibaug, Athwa Lines, Surat. 1. Rita Mukul Desai Diwalibaug, Athwa Lines, Surat 2. Bhakti Arvindbhai Desai; 11, Mahadevnagar Society, Sagrampura, Surat.

(Transferors)

 Shri Yunus Ahmed Gheewala as P.A. Holder of;
 Abdulsamad Ismail Gheewala: Mugalisara, Patni Colony, Surat. 2. Fatma Ismail; Opp. Patni Colony, Mugalisara, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properyt at Nondh No. 2794, 2795, 2796, Wd. No. 6, Lal Darwaja, Surat duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

Scal:

FROM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1228 Acg. 23-II/81-82.--Whereas G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 3404, Wd. No. 4, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 Surat on 17-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Hiralal Lallubhai Sopariwala;2. Jayshrecben widow of Shashikant Lallubhai;
 - 3. Jitendra Shashikant;
 - Chandresh Shashikant:

 - Nilesh Shashikant;
 Dipika Shashikant;
 Puspaben Wd/of Natvarlal Lallubhai;
 - 8. M. Natverlal;
 - Subhash Natverlal;
 Satish Natverlal; Zampa Bazar, Hathi Falia, Surat.

(2) Shri Hasimbhai Saheb Abdealibhai Saheb Valiulla; Begampura, Haiderali Kasamji Street,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Wd. No. 4, Nondh No. 3404, duly registered on 17-3-1981 at Surat.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1229.Acq.23-Π/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Athwa Gate area, Nondh No. 910 paiki, Plot No. 12, situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) P.A. Holder of Pramilaben Dhansukhlal Gajjar; Dr. Madhuben Dhansukhlal and Haresh Dhansukhlal Gajjar, Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat and Smt. Laxmiben Dhansukhlal Gajjar; Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat.

Transferors)

(2) President and Secretary of; Alkesh Apartment Coop. Housing Society: Shri Vasantlal Chandulal Shah; and Shri Nitin Ratilal Shah; Dip Mangal Estate, Athwa Gate, Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 910, Plot No. 12, 11 and Wd. No. 1. Athwa Gate, Surat duly registered on 27-3-81, Regn. No. 2019 and 2020.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1230 Acq. 23-11/81-82.---Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 910, Plot No. 5, 6 Wd. No. 1, Athwa Gate, situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Madhuben Dhansukhlal Gaijar; Gaijar Bunglow, Athwa Lines. Surat. Dr. Lataben Dhansukhlal Gaijar; Gaijar Bunglow, Athwa Lines. Surat. (Transferors)
- President and Secretary of Shidhachal Apartment Coop. H. Society;
 Smt. Vasantaben Jayantilal Shah;
 Dip Mangal Society, Athwa Lines, Surat.
 Chhotalal Nagindas Shah, Gopipura, Kaji Medan, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) the any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 910, Plot No. 5, 6, Wd. No. 1, Athwa Gate, Surat duly registered at Surat on 27-6-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1231 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 379, Ashawinkumar Navagam FP No. 60 land situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 31-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naranbhai Parsottambhai Patel self and Karta and Manager of H.U.F. T.B. Hospital Compound Road, Ashwinkumar, Surat. Kishorkumar Naranbhai Patel, T.B. Hospital Compound Road, Ashwinkumar, Surat. Mukeshchandra Naranbhai Patel, T.B. Hospital. Compound Road, Ashwinkumar, Surat.
- (Transferors)

 (1) Chairman—Naranbhai Thakordas, Mahidharpura, Thoba Sheri, Surat. Secretary: Jawarlal Amratlal; Mahidharpura, Thoba Sheri, Surat. Committee Member: Hariibhai Valjibhai, Lal Darwaja, Moti Sheri, Surat Sarvodaya Small Industrial Coop. Service Society Ltd. Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 379, TPS., Ashwinkumar Navagam, F.P. No. 60, Surat duly registered on 31-3-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1232 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Wd. No. 14, Plot No. 3, S. No. 32, F.P. No. 194 situated at Khatodara, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Abdul Gafar Sadiq Khatri; 114, 2nd Floor, All Umar Street, Paydhuni, Bombay-3.
- (Transferor)
 (2) Shri Vashrambhai Kishordas Patel; Bldg No. 41,
 B. No. 609, Shastrinagar, Khatodara, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Khatodara, Wd. No. 14, Plot No. 3, S. No. 32, F.P. No. 194, duly registered on 7-3-1981.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1233 Acq. 23-II/8-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 63/1, Hi-8, Plot No. 4-C, situated at Umra, Surat Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weinth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Chunilal Nathubhai Kansara; 21. Vijaywadi, Chor Bazar, Bombay-400002. His P.A. Holder Shri Hiralal Mulchand Kansara; 21, Vijaywadi, Chor Bazar, Bombay-400002. (Transferors)

President and Secretary:
 Umang Apartment Coop. Housing Society;
 1. Shri Kirankumar Kantilal Zaveri; Prakash Society, Athwa Lines, Surat.
 2. Smt. Rashmiben Maheshchandra Vakil; Athwa Lines, Wadia Women's College, Surat.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umra, S. No. 63/1, Hi-8, Plot No. 4-5, duly registered on 3-3-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi; Nanavat Main Road, Surat. (Transferor)

(2) Smt. Hillaben Navroji Laskari; Dr. Laskari Road, Machhalipith, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1234 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Wd. No. 11, Nondh No. 1651 to 1660 paiki 1661 to 1666 situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipith, Wd. No. 11, Nondh No. 1659, 1660 paiki, 1661 to 1666, Strat duly registered on 5-3-81.

G. C. GARO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1235 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 to 1666, Wd. No. 11, situated at Machhalipith, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-366GI/81

(1) Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi, ..anavat Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Darayash Navrojji Laskari; Dr. Laskari Road. Machbalipith, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipity, Wd. No. 11 Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 and 1666, Surat duly registered on 5-3-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

 Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi; Nanavat Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Naushir Navroiji Laskari; Dr. Laskari Rond, Machhalipith, Surat.

Objection, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1236 Acq. 23-II/81-82.---Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 to 1666 situated at Machhalipity, Surat,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipity, Wd. No. 11 Nondh No. 1659 1660 paiki 1661 to 1666 at Surat duly registered on 5-3-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1237 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 30-A, 2 + 31-2, TPS 6, FP. 4, Majura, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not be to which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance and Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Partners of M/s Parmar Bros.
 Tulsidas Madhavji Parmar;

2. Nanjibhai Madhavii Parmar;

3. Bhagvanji Madhavji Parmar; Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Thakordas Tribhovandas Mehta; Opp. L.B. Cinema, Bhatar Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 1/30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the case of multibilities property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cagene.

EXPLANATION: The termsoland assumed and included and are algebraically Chaintan MMA and table could be deprined by the could be deprined as a superior of the could be deprine

THE SCHEDULE

Property at Mainta S. No. 30-A 2 ±31-2 TPS, 6, FP 4, n-Pior 5, at Surat, duty registered on 9-5-51.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : '9Upil-84!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1238 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 30. A.2 + 31.2 TPS 6, F.P. 4, situated at Maiura. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-3-1981,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid propertand I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Seciton 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Partners of M/s. Parmar Bros.
 Tulsibhai Madhavjibhai Parmar:

2. Nanjibhai Madhavjibhai Parmar;

 Bhagvanjibhai Madhavjibhai Parmar; Nanpura, Bhaya Mohalla, Surat.

(Transferors)

 Smt. Jayaben Jaduram Pandya;
 Shri Thakorbhal Jaduram Pandya;
 Shri Rameshchandra Jeduram Pandya;
 Ghanshyamnagar, L.D. Cinema, Bhatar Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura, S. No. 30-A.2 + 31.2 TPS 6, FP. 4, Sub-plot No. 6, at Surat duly registered on 9-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1239.Acq.23-11/81-82,-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 49, B. No. 12, Plot No. 79 to 92 situated at Limbayat, Taluka Choryasi, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-3-1981

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Arjandas Nihalchand Arora; Maha Prabhu Bunglow, Kadampally Society Road, Timaliawad, Nanpura, Surat. Pritamdas Nihalchand Aroar, Dalichanduagar, Athwa, Gate, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Musa Daud Dhudhat, Panoli, Taluka Ankleshwar, Dist. Broach.
 - Yusuf Sulcman Patel Yusuf Mahmad Hataji

do do

Kasam Mohmad Mamun, do Daud Suleman Kolia, Village Hathuran, do

Tal. Mangrol, Dist. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Limayat S. No. 49, B. No. 12, Plot No. 79 to 82, duly registered on 10-3-81.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 9-11-1981

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1240.Acq.23-II/81-82.---Whereas, I, G. C. GARG,

orting the Competent Authority under section 269B of the freeze to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 30 Λ .2 \pm 31-2, F.P. 4, Sub-plot 8, situated at Majura, Surat

(and more fully described in the Schedule nnnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Partners of M/s. Parmar Bros.
 - I. Tulsidas Madhavji Parmar;
 - Nanjibhai Madhavji Parmar;
 Bhagvanjibhai Madhavji Parmar;
 Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferees)

(2) I. Shri Vasantlal Kantilal Sopariwala;

Shri Shashikant Kantilal Sopariwala;
 Nanpura, Surat.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura S. No. 30-A.2 \pm 31/2, F.P. 4, Sub-plot 8, duly registered on 18-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 9-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No 1241.Acq.23-J1/81-82.—Whereas,

I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,'and bearing No. No. Nondh No. 1952, Wd. No. 5.

situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---27--356G1/81

(1) 1. Shri Isabhai Rehmanbhai;

2. Shri Gulamhusain Isabhai;

3. Shri Narudin Isabhai:

4. Shri Hasan Isabhai; Haripura, Gheekanta Road, Surat.

5. Yanudin Isabhai; Saiyedpura, Turava Mohalla, Surat.

(Transferors)

(2) 1. Shri Bipinchandra Balvantrai; Haripura, Bhovanivad, Surat.

2. Shri Jagdishchandra Balvantrai Haripura, Bhavanivad, Surat.

(Transferee's)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 5, as described in Form No. 37-G, duly registered on 26-3-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 9-11-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1242 Acq. 23-II/81-82.--Whereas I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 1691, Narmadnagar, situated at Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Bansilal Thakordas Mehta, Karta & HUF of family;
 2. Harvidya Bansilal Mehta,
 - V. P. Road, Bombay.

(Transferors)

(2) Partners of M/s. Privansi Builders 1. Kokila Kumudehandra Doctor 2. Kalpana Tusher Doctor, 26, Nirmal Nivas-1, Govalia Tank Road, Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1691, Narma Surat duly registered on 31-3-1981. Narmadnagar, Athwa Lines,

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1243 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New Deesa, R.S. No. 21+30 C.S. No. 4017, situated at Deesa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Deesa on 8-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-366GI/81

 Sanghvi Sevantilal Ravchand, Nava Deesa, Shreyas Society.

(Transferor)

(2) President: Lusila Mandez, Sister of Charity of Saint N. Trust, Reg. No. Kaira-D-13, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at New Deesa R.S. No. 21+30, C.S. No. 4017, duly registered on 3-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1244 Acq. 23- Π /81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 1/1 paiki, situated at Nizampura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhansukhram Anopram Purohit, Nizampur, Baroda.

(Transferor)

(2) President of Nil Tarang Coop. H. Society, Shri Navinkumar Laljibhai Patel, Nizampura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nizampura, R.S. No. 1/1, duly registered on 3-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 9-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1245 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 518,

situated at Pratapnagar, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) 1. Shri Shantilal Fakirchand Shah,
 - Borsad, Taluka, Borsad.
 2. Shantaben Dhirubhai Patel,
 - Borsad, Taluka, Borsad.

 3. Fakirchand Bapulal Shah,
 - Borsad, Taluka, Borsad.
 4. Jivanlal Babulal Shah,
 Borsad, Taluka, Borsad.

(Transferors)

(2) Haji Nizamudin Faiz Mohmad, Pratapnagar, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 518, Pratapnagar, Baroda duly registered in the month of March, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1246 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and hearing No.

and bearing No. Vibhag-C, Tika No. 3/1, C.S. No. 10, Anandpura, situated at Kothi Station Road, Vadodara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Padma Vasant Sathe, Mrs. Maya Arun Joshi, 1907, Sadashiv Peth, Pune-30 (Poona-30), Maharashtra State.

(Transferor)

(2) M/s. Heramb Builders, Khadia Pole, Mulherkar Paga, Babajipara, Baroda-390001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vibhag-C, Tika No. 3/1, C.S. No. 10 at Anandpura on Kothi Station Road, Baroda registered on 16-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-1981

 Naliniben Arunkumar Shah, Dayal Bunglow, Arunodaya Society, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Raju Arvind & others, 75, "Yajit", R.A. Kidvai Road, Matunga, Bombay-400019.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1247 Acq. 23-J1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 532-25 Plot No. 24-25, 28-29, 32-33, situated at Alkapuri Shopping Centre, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 532-25, Plot 24-25-28-29-32-33 Alkapuri Shopping Centre, Baroda registered on 17-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-1981

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1248 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, 1 G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Parna Kuti Kaku Mohile Tokro situated at Kharinav Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Baroda on 11-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Kusumben Manubhai Patel & others; Dalamal Chambers, Worli, Bombay.

 (Transferors)
- (2) Shri D. A. Yevlekar; Ganga Vihar Coop. Housing Society, Baroda. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Parnakuti, Kaka Mohile Tekro, Kharinav Road, Baroda, registered on 11-3-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

FORM ITNS --- ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI 2ND PLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1249.Acq.23-11/81-82.---Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 203-1, Wadi Vibhug, situated at Pratapnagar, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Partners of: Commercial Estate, Pranlal Jayswal: Babulal Shah Rameshbhai Tanwani; Radhakisan Lanwani.

(Transferors)

(2) Chandrakant Mulchand Shah; Near New Road, Subanpura, Golwad, Baroda.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 203-1, Pratapnagar Road, Wadi Vibhae, Baroda duly registered in March, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1250 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1611 (1617) at Dabhoi Taluka situated at Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Punjabhai Nagjibhai Patel: Chunibhai Nagjibhai Patel; Dabhei Taluka (Transferor)
- (2) President of Union Park Society; Vasantlal Muljibhai Patel, Dabhoi, Baroda. (Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1601 (1617) at Dabhoi duly registered in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1251 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey numbers described in Form No. 37G situated at Koteshwar. Gandhinagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in March, 1981,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

35-366GI/81

(1) 1. Dhoraji Bhagaji-Koteshwar, Gandhinagar.

2. Dhaniben Monaji Wd/of Maghaji-Koteshwar. Gandhinagar.

3. Jayprakash Prabhadbhai—Koteshwar, Gandhi-

Kantilal Maganlal—Koteshwar, Gandhinagar.
 Somabhai Prabhudas—Koteshwar, Gandhinagar.
 Naruben Dehyabhai—Koteshwar, Gandhinagar.

Meghabhai-Koteshwar, Gandhi-Dudhabhai

nagar

8. Haribhai Motibhai—Koteshwar, Gandhinagar. 9. Puriben Mohanbhai—Koteshwar, Gandhinagar. 10. Hiraben Dhupaji—Koteshwar, Gandhinagar.

11. Bachubhai Nathubhai—Koteshwar, Gandhinagar.
12. Kupabhai K. Bharvad—Koteshwar, Gandhinagar.
13. Jayantibhai Dhulabhai—Koteshwar, Gandhinagar.
14. Rameshbhai Dhulabhai—Koteshwar, Gandhinagar.
15. Madhubhai Purshottam—Koteshwar, Gandhinagar.
16. Manyukhbai Mudhubhai Koteshwar.

Mansukhbhai Madhabhai—Koteshwar,

Gandhinagar. 17. Ratilal Manilal-Koteshwar, Gandhinagar.

Rattiat Manual—Koteshwar, Gandhinagar.
 Shantaben Madhaji—Koteshwar, Gandhinagar.
 Bhikhaji Madhaji—Koteshwar, Gandhinagar.
 Jasiben Shanaji—Koteshwar, Gandhinagar.
 Dhulabhai Manilal—Koteshwar, Gandhinagar.
 Manorbhai Kasabhai—Koteshwar, Gandhinagar.
 (Transfarors)

(Transferors)

(2) Shri Porazbhai B. Patel; Koteshwar, Gandhinagar. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Koteshwar, S. No. 115, 109, 119, 116, 118, 112, 104, 96, 108, 114, 99, 117, 107, 120, 113, 97, 300, 101, 111, 102, 98, 110 duly registered in the month of March 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1252 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1470-1, situated at Saij, Kalol (North Guj.), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Patel Venidas Ramdas: Jornak, Taluka: Mehsana.
 (Transferor)
- (2) Director of Bhagvati Floor Mills; Manubhai Bhagubhai Patel; Narsinhnagar, Naranpura Char Rasta, Ahmedabad-9. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sail village S. No. 1470-1, (North Gujarat, Kalol), duly registered on 3-3-81,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1253 Acq. 23-II/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B being the Competent Authority under Section 269B cd to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 180 B. No. 112, situated at Hedava-Hanumant, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mchsana on 19-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Thakor Sedhaji Amthaji; Hedva Hanumant, Tal. Mehsana.
 - (Transferor)
- (2) Patel Haribhai Lakhudas; Kantilal Ganeshdas; Patel Madhabhai Lallubhai; Patel Rambhai Devchanddas; Patel Ambaram Joitaram: Patel Manilal Shankerdas; Patel Jethabhai Narandas; Pala Vasna. Mehsana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Hedva Hanumant, Taluka Mehsana R.S. No. 180, B. No. 112 duly registered on 19-3-81.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 9th November 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1254 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

R.S. No. 273/3, land situated at Sandhkuva, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 12-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajendrakumar Rasiklal Zaveri, P.A. Holder of R. Dalpatlal & Co. Jyoti Building, Dalia Sheri, Mahidharapura, Surat.

 (Transferor)
- (2) Shri Sevantilal Kalidas Mehta, Trustee of Shri Banaskantha Sthanakvasi Jain Sangh Mahadev Society, Fuvara, Navsari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sandhkuva R.S. No. 273/3, Navsari duly registered on 12-3-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AS ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1256 Acq. 23-II/81-82,-Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Wd. No. 1, Tika No. 92, S. No. 3804 R. S. No. 203/102-3 situated at Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Harmasdiar Dinshaji Chokari, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Firoz D. Buhariwala;

 Nariman D. Vandaria;
 Temuras S. Tamboli,
 Rustom D. Bhavada; Jamshedji Pesuanji Desai; Trustees of Avaben Charity Trust, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 3804, R.S. No. 203/1-2-3, at duly registered in the month of March, 1981

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Minor Samir Manhar Guardian; Ambalal Bavabhai Patel; Harihar Ambalal Patel; Vaidya Street, Navsari.

(Transferor)

(2) Shantilal Bhavarlal Barmiya; Opp. Govt. Guest House, Lunsikui, Navsari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1255 Acq. 23-11/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No.215/1, 2 &216 Tika No. 18, S. No. 32, 22 &

36 situated at Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 215/1-2, 216, Tlka No. 18, S. No. 32, 33 & 36 duly registered at Navsari on 16-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Suresh Maganlal Mehta: P. A: Holder of Ranjit Maganlal Mehta; Opp. Girirai, Navsari. (Transferor)

(2) Shri Vimal Babubhai Shah; Naran Lal Housing Society, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 002, the 10th November 1981

Ref., No. PR. No.1257 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 48, S. No. 1890 situated at Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 23-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at No. 284/2, C.S. No. 48, S. No. 1890, Navsari duly registered on 23-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-11-1981

Scal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1258 Acq. 23-JI/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 50, C.S. No. 207 situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 31-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Chunilal Jagjivandas Shah; Hasmukhlal Chhotalal Shah; Nagarvad, Navsari.

 (Transferor)
- (2) Partners of Sabhana Builders; Shri Subhash Balvantrai Desai; Nagarvad, Navsari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period-of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 50, C.S. No. 207, Shantadevi Road, Navsari duly registered on 31-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-11-81

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1259 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority, under

Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1601, TP S.4, F.P. 127, Plot 2, 4, 5 & 6 situated at National Dairy Deve. Board, Anand,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190%) in the office of the Registering Officer at

Anand on March 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Shankerbhai Chhotabhai Gohel & others, Rajadpura, Tal. Anand.

(Transferor)

(2) 1. Anjanaben Aswinbhai Shah;

2. Shardaben Ramanlal Barot;

- Dinubhai Maganbhai Patel; Village—Khambholaj—Tal. Anand.
- 4. Shantaben Jasvantbhai Patel & others; Tranol, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1601, TP S. 4, FP 127, Anand duly registered in March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-11-81

Seal:

36-366G/81

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1260 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 63, 2nd Floor situated at Rashamwala Market, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-soction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

 Shri Rajgulson Sunderdas Gaba P. A. Holder of Sunderdas Makhanlal Gaba; Nunpura, Zampa Bazar, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Bimlarani Amarnath Dara; Mangal Prabhat Plots, Dalichand Nagar, Athwa Gate, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Reshamwala Market, Shop No. 63, 2nd Floor, Surat duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-11-198.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1261 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 353, 352/2 situated at Kachigam, Daman, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daman in March 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manchha Lally: Shri Manubhai R. Desai; Shri Kalidas Paragii Desai; Kachhigam, Daman.

(Transferor)

(2) Shri S. N. P. Puni, Promoter of Eurocoustic Products. 13, Connaught Place, New Delhi-110001, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kachigam S. No. 351-2 and 353-1 duly registered in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1262 acq. 23-II/81-82.--Whereas, J, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 117 situated at Amboli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Kamrei in March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri Mangaldas Jivanji Patel;

- Jagdishkumar Mangaldas;
 Arvindkumar Mangaldas;
- 4. Bharatkumar Mangaldas:
- 5. Dilipkumar Mangaldas; Kathor (Kamrei).

(Transferor)

(2) Dahyabhai Ambalal Patel, Ruxaniben Bhailal Patel; Natvarlal Ambalal Patel; Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ambali S. No. 117, duly registered in March 1981.

> G. C. GARG Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1263 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing '

S. No. 10/1 + 11 + 590 and + 13 situated at Billimora.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandevi on 2-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jarbai Dhanji Shah; Administrator Jehangirji Dajl Shah; Talvandha, Bombay-50.
- Partners of Radhakrishna Flour Rice Mills;
 Kamlesh Textile;
 Bhagvati Textile; Shri Vrajlal Bhikhabhai Bengali; Vakharia Bander Road, Billimora.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 10/1 + 11 + 590 + 13 Bilimora, duly registered on 2-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-11-1981

FORM 1.1.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1264 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, 1 G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 167, 180/2, 184 situated at Desara, Billimora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 18-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ambalal Purshottam Amin, Deshra, Billimora.
 (Transferor)
- (2) Ramanben Fakirchand Shah; Billimora, Tal. Gandevi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Desra, S. No. 167, 180/2, 184 duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II(Ahmedabad

Date: 13-11-1981

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 2669D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-I/3-81/7546.—Wherens, I, V!MAL VASISHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 & bearing No. 2005 situated at Bazar Lal Kaun, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Otlicer at Dehi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dilawar Singh s/o Sh. Kashmir Chand, R/o 922 Street Chah, Shrin, Frash Khana, Delhi, (Transferor
- (2) Smt. Padma Kapoor w/o Narinder Nath r/o C-1, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2003 & 2004, Bazar Lal Kaun, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated: 6-11-81.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY) LIMITED DÉPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE CANDI-DATES, 1982

New Delhi, the 12th December 1981

No. F.25/3/80-E.I(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission on 27th April, 1982 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and by Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 12th December, 1981.

THE CFNTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in these Services are given below:—

Category I

Grade-I of the Central Secreta- -33(10 for SC & 23 for ST rlat Service.

Candidates)
(22 for 1979 & 11 for 1980)

Category II

Grade-I of the General Cadre of - 5(3 for SC & 2 for ST the Indian Foreign Service Candidates)

Branch 'B'. (1 for 1980 & 4 for 1981

Category III

Grade-I of the Railway Board - 9 (6 for SC & 3 for ST Secretariat Service. Candidates)
(2 for 1979, 4 for 1980 & 3 for 1981)

The above number is liable to alteration.

- 3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.
- Note:—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1982. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1982 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 18th January, 1982 (1st February, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Divisjon of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th January, 1982) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th January, 1982.

NOTE (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the Union Public Service Commission counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

VINAY JHA
Joint Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are eligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th March, 1982 will not he entertained under any circumstances.

- A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions Indicated by him.
- 2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates

will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the o her on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
 - (ii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately $11.5~{\rm cms} \times 27.5~{\rm cms}$.
 - (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

Candidate should note that they must not make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.

- 4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledge ent of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration Number has been issued to the candidates does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 9. Communications Regarding Application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGIS-TRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

10. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY REPORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.